01 मई 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बलिया और बक्सर में गंगा पुल से हटकर दो किमी दूर वाहनों की करें जांच: मंत्री 2

कोलकाता के बड़ा बाजार इलाके के होटल में लगी भीषण आग, 15 लोगों की मौत, कई घायल

- मृतकों में 11 पुरुष शामिल हैं, जिनमें से आठ की अब तक हो सकी है पहचान
- घटना की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन

एजेंसी/कोलकाता

पश्चिम बंगाल में कोलकाता के मछुआपट्टी इलाके में मंगलवार रात को एक होटल में आग लग गई। इस हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलने के तुरंत बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार, यह घटना बड़ा बाजार इलाके में ऋतुराज होटल के परिसर में रात करीब 8.15 बजे हुई।

कोलकाता पुलिस कमिश्नर मनोज कुमार वर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा, यह आग की घटना रात करीब 8:15 बजे ऋतुराज होटल के परिसर में हुई। 15 शव बरामद किए गए हैं और कई लोगों को टीमों ने बचाया है। आग पर काबू पा लिया गया है। जांच के लिए एक विशेष टीम भी बनाई गई है। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है। हालांकि, उन्होंने संदेह जताया है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है। स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेताओं के अनुसार, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फोन पर घटना की जानकारी ली तथा कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम को कमिश्नर मनोज वर्मा के साथ घटनास्थल पर जाने को कहा। पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने भी कोलकाता नगर निगम की आलोचना की और समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, यह एक दुखद घटना है। आग लग गई। बहुत सारे लोग अभी भी इमारत में फंसे हुए हैं। वहां कोई सुरक्षा नहीं थी। मुझे नहीं पता कि नगर निगम क्या कर रहा है।

कोलकाता पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, मृतकों में 11 पुरुष शामिल हैं, जिनमें से आठ की अब तक पहचान हो चुकी है। घटना की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। पश्चिम बंगाल सरकार ने प्रत्येक मृतक के करीबी संबंधी को दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। अधिकारी ने बताया कि कल रात की आग में 15 लोगों की मौत हुई है, इनमें एक महिला, एक लड़का और एक लड़की शामिल हैं। उन्होंने बताया कि होटल में शाम करीब साढ़े सात बजे आग लगने की सूचना मिली, जहां इमारत के 42 कमरों में 88 लोग रह रहे थे। आग बुझाने के लिए दस दमकल गाड़ियों को लगाया गया।

पीएम मोदी ने जताया शोक, मुआवजे का ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आग की घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा, 'कोलकाता में आग लगने से हुई मौतों से दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

कोलकाता पुलिस अधिकारी के मुताबिक, घायलों में से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। हमारी फोरेंसिक टीम घटनास्थल की जांच करेगी, जिसे चारों ओर से घेर लिया गया है।

सुकांत मजूमदार ने जताया दुख: इससे पहले, केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ह्यकड़ी निगरानीह्न की मांग की। सुकांत मजूमदार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ह्यकोलकाता के बड़ाबाजार के मेचुआ इलाके में एक होटल में लगी भीषण आग में एक साथी नागरिक मनोज पासवान की दुखद मौत से मैं बहुत दुखी हूं। मैं राज्य प्रशासन से आग्रह करता हूं कि वे प्रभावित लोगों को तुरंत बचाएं, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें और उन्हें आवश्यक चिकित्सा और मानवीय सहायता प्रदान करें। इसके अतिरिक्त, मैं भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं को रोकने के लिए अग्नि सुरक्षा उपायों की गहन समीक्षा और अधिक सख्त निगरानी की अपील करता हूं।

छुट्टी की सूचना

1 मई यानि मजदूर दिवस के अवसर पर केशव टाइम्स अखबार में अवकाश रहेगा। इसलिए अगला अंक तीन मई को जारी किया जाएगा।

खबरें फटाफट

भारत ने पाकिस्तान की ओर से की जा रही गोलीबारी पर आपत्ति दर्ज करायी

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सीमा पर पाकिस्तान की ओर से लगातार सीजफायर का उल्लंघन किया जा रहा है। जिसका भारत ने माकूल जवाब दिया है। अब भारत ने पाकिस्तान की ओर की जा रही गोलीबारी पर आपत्ति दर्ज करायी है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों ने कल हॉटलाइन पर बातचीत की और पाकिस्तान द्वारा बिना उकसावे के संघर्ष विराम उल्लंघन पर चर्चा की। भारत ने नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सेना द्वारा बिना उकसावे के किए जा रहे संघर्ष विराम उल्लंघन के खिलाफ पाकिस्तान को चेतावनी दी है। भारतीय सेना के मुताबिक, 29-30 अप्रैल की रात को पाकिस्तानी सेना की चौकियों ने जम्मू और कश्मीर में नौशेरा, सुंदरबनी और अखनूर सेक्टरों के सामने नियंत्रण रेखा के पार बिना उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की। भारतीय सेना के जवानों ने तेजी से और उचित तरीके से जवाब दिया।

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में लिये गए कई महत्वपूर्ण फैसले

जातिगत जनगणना कराएगी केंद्र सरकार

ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर को मंजूरी

- अभी तक जनगणना की नई तारीख का आधिकारिक तौर पर नहीं किया गया है ऐलान

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना को लेकर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का एलान कर दिया है। यह जनगणना मूल जनगणना के साथ ही कराई जाएगी। कैबिनेट की बैठक के बाद मंत्रिमंडल के फैसलों पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने गुरुवार को फैसला किया है कि जाति गणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों ने हमेशा से ही जातिगत जनगणना का विरोध किया है। आजादी के बाद से ही जाति को जनगणना की किसी भी प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया। 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह ने लोकसभा में आश्वासन दिया कि जातिगत जनगणना को कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। इसके बाद एक मंत्रीमंडल समूह का गठन किया गया। इसमें ज्यादातर राजनीतिक दलों ने जातिगत जनगणना की संस्तुति की। इसके बावजूद भी कांग्रेस ने महज खानापूर्ति का ही काम किया। उसने महज सर्वे कराना ही उचित समझा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'यह अच्छी तरह से समझा जा सकता है कि कांग्रेस और उसके इंडी गठबंधन के सहयोगियों ने जाति जनगणना को केवल एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है। जनगणना का विषय संविधान के अनुच्छेद 246 की केंद्रीय सूची की क्रम संख्या 69 पर अंकित है। यह केंद्र का विषय है। हालांकि, कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण सुचारू रूप से किया है, जबकि राजनीतिक दृष्टिकोण से गैर-पारदर्शी तरीके से ऐसे सर्वेक्षण किए हैं। ऐसे सर्वेक्षणों ने समाज में भ्रांति फैली है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारा सामाजिक ताना-बाना राजनीति के दबाव में न आए।

प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर होती है जनगणना: जनगणना 1951 से प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर की जाती थी, लेकिन 2021 में कोरोना महामारी के कारण जनगणना टल गई थी। राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को भी अपडेट करने का काम बाकी है। अभी तक जनगणना की नई तारीख का आधिकारिक तौर पर एलान भी नहीं किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, जनगणना के आंकड़े 2026 में जारी किए जाएंगे। इससे भविष्य में जनगणना का चक्र बदल जाएगा। जैसे 2025-2035 और फिर 2035 से 2045।

क्यों अहम है जनगणना: जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए नीति बनाने और उन पर अमल करने के साथ-साथ देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद अहम होते हैं। इससे न सिर्फ जनसंख्या बल्कि जनसांख्यिकी, आर्थिक स्थिति कई अहम पहलुओं का पता चलता है। विपक्षी कांग्रेस समेत तमाम सियासी पार्टियां जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं, ताकि देश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की कुल संख्या का पता चल सके।

पहली जनगणना 1872 और आखिरी 2011 में हुई थी: भारत में हर दस साल में जनगणना होती है। पहली जनगणना 1872 में हुई थी। 1947 में आजादी मिलने के बाद पहली जनगणना 1951 में हुई थी और आखिरी जनगणना 2011 में हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, 2011 में भारत की कुल जनसंख्या 121 करोड़ थी, जबकि लिंगानुपात 940 महिलाएं प्रति 1000 पुरुष और साक्षरता दर 74.04 फीसदी था।हमें जाति जनगणना के लिए एक मंच तैयार करना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समाज आर्थिक और समाजिक दृष्टि से मजबूत होगा और देश का विकास भी निर्बाध रूप से चलती रहेगी।

गन्ने की एफआरपी दर 355 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई

कैबिनेट ने गन्ने के उचित एवं लाभकारी मूल्य को लेकर भी बड़ा निर्णय लिया है। 2025-26 चीनी सत्र के लिए गन्ने की एफआरपी दर 355 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई है। यह दर 10.25 फीसदी की बेसिक रिकवरी दर पर आधारित है। इसके अलावा, रिकवरी दर में हर 0.1 फीसदी की बढ़ोतरी पर 3.46 रुपये प्रति क्विंटल का प्रीमियम मिलेगा, जबकि 0.1 फीसदी की कमी पर उतनी ही राशि की कटौती की जाएगी. सरकार का यह निर्णय गन्ना किसानों की आय सुनिश्चित करने और चीनी मिलों के साथ संतुलन बनाए रखने की दिशा में उठाया गया कदम है।

ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर के निर्माण पर 22,864 करोड़ रुपये होंगे खर्च: कैबिनेट की बैठक में मेघालय के शिलांग के पास मावलिंगखुंग से असम के सिलचर के पास पंचग्राम तक एक नए ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दी गई है। यह परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग-6 (एनएच-6) के तहत कुल 166.80 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर होगा, जिसे हाइब्रिड एन्यूटी मोड के अंतर्गत बनाया जाएगा। इस परियोजना की कुल लागत 22,864 करोड़ रुपये आंकी गई है।

विशाखापत्तनम में मंदिर की दीवार गिरने से सात की मौत

वराह लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर के नजदीक हादसा

एजेंसी/विशाखापत्तनम

आंध्र प्रदेश में बुधवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां विशाखापत्तनम के पास सिंहाचलम में वराह लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर के नजदीक एक दीवार गिरने से सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। दरअसल, इलाके में भारी बारिश हुई थी। इस वजह से यह दीवार काफी गीली थी।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्राबाबू नायडू ने घटना पर दुख जताया है और इलाके के कलेटर-एसपी से बात कर पीड़ितों की हरसंभव मदद करने के निर्देश दिए हैं। राज्य की गृह मंत्री वी अनिता ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि मंदिर की दीवार गिरने की वजह इलाके में भारी बारिश के कारण मिट्टी का धंसना हो सकता है। दीवार सिंहगिरी बस स्टैंड से घाट रोड पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के पास 300 रुपये के टिकट की कतार में गिरी। अनिता ने संवाददाताओं को बताया कि रात भर हुई भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण मिट्टी ढीली हो गई, जिससे दीवार गिर गई।

मृतकों के परिजनों को 25 लाख की अनुग्रह राशि देने की घोषणा: मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये और घायलों को 3-3 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। इसके अलावा प्रत्येक पीड़ित के परिवार के एक सदस्य को बंदोबस्ती विभाग के तहत मंदिरों में आउटसोर्सिंग की नौकरी प्रदान की जाएगी। उन्होंने तीन सदस्यीय समिति द्वारा घटना की जांच के भी आदेश दिए।

पीएम मोदी ने भी किया मुआवजे का ऐलान: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, विशाखापत्तनम में एक दीवार गिरने से हुई जानमाल की हानि से बहुत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' पीएम मोदी ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की।

पंजाब पुलिस ने पांच आतंकवादियों को दबोचा

एजेंसी/अमृतसर

पंजाब पुलिस के अमृतसर कमिश्नरेट ने पाकिस्तान आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) आतंकी मॉड्यूल के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर पुलिस प्रतिष्ठानों पर संभावित ग्रेनेड हमले को विफल कर दिया है। इन सदस्यों का संबंध विदेशी गैंगस्टर जीवन फौजी से है। यह जानकारी बुधवार को पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान नरेश कुमार उर्फ बब्बू, अभिनव भगत उर्फ अभि, अजय कुमार उर्फ अज्जू और सनी कुमार के रूप में हुई है। ये सभी अमृतसर के हरिपुरा के निवासी हैं। इनमें एक 17 वर्षीय किशोर भी शामिल है।

पुलिस टीमों ने एक हैंड ग्रेनेड और एक देसी .32 पिस्तौल के साथ पांच कारतूस भी बरामद किए हैं। डीजीपी यादव ने कहा कि गैंगस्टर जीवन फौजी, जो वर्तमान में विदेश से काम कर रहा है, गिरफ्तार आरोपियों की मदद से राज्य के सीमावर्ती जिलों में आतंकी मॉड्यूल चला रहा है। गिरफ्तार आरोपियों को आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भर्ती किया गया था और कट्टरपंथी बनाया गया था। डीजीपी ने कहा कि जांच में यह भी पता चला है कि गिरफ्तार लोगों को मोटरसाइकिलें मुहैया कराई गई थीं और उन्हें अजनाला सेक्टर से हथियारों की खेप वापस लाने का काम सौंपा गया था। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोग पुलिस प्रतिष्ठानों को ग्रेनेड से निशाना बनाने की सक्रिय रूप से साजिश रच रहे थे।

छह दिनों में 786 पाकिस्तानी नागरिकों ने छोड़ा भारत, 1465 भारतीय देश में लौटे

एजेंसी/नई दिल्ली

पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर जारी सरकारी आदेश के बाद पिछले छह दिनों में 55 राजनयिकों, उनके आश्रितों और सहायक कर्मचारियों सहित 786 पाकिस्तानी नागरिक अटारी-वाघा सीमा के जरिए भारत छोड़ चुके हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकारी सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान के वीजा पर भारत में रह रहे आठ भारतीय नागरिक हाल ही में पाकिस्तान लौट गए हैं। इसके साथ ही, 24 अप्रैल से अब तक पंजाब की अंतरराष्ट्रीय सीमा से होते हुए कुल 1,465 भारतीय नागरिक भारत लौटे हैं, जिनमें 25 लोग राजनयिक या सरकारी अधिकारी हैं। वहीं, 151 पाकिस्तानी नागरिक जो लंबे समय तक भारत में रहने का वीजा रखते हैं, वे भी भारत आए हैं।

राहुल गांधी ने कानपुर में रहने वाले शुभम द्विवेदी के परिजनों से की मुलाकात, सरकार से की अपील

समय व्यर्थ न कर तुरंत एक्शन ले सरकार, मृतकों को दें शहीद का दर्जा

एजेंसी/नई दिल्ली

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान, आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने की मांग जोर पकड़ रही है। ताजा घटनाक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा, दहशतगर्दों को पहलगाम में निहत्थे पर्यटकों पर हमले की कीमत चुकानी होगी। पीएम मोदी समय व्यर्थ नहीं करें। तुरंत एक्शन लें। कानपुर में रहने वाले शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुलाकात कर दिल्ली लौटे राहुल ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले पर्यटकों के परिजनों की मांग है कि सरकार मृतकों को शहीद का दर्जा दे।

जनगणना के दौरान जाति गणना की टाइमलाइन बताए सरकार: पहलगाम के अलावा राहुल ने आगामी जनगणना के दौरान जाति गणना के फैसले पर भी बात की। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने सराहनीय फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि इसके लिए कांग्रेस पार्टी ने गहराई से अभियान चलाया। हमारे अभियान का केंद्र सरकार पर असर हुआ। सराहना और समर्थन करने के साथ-साथ राहुल गांधी ने ये भी कहा कि सरकार को इस फैसले की टाइमलाइन भी बतानी चाहिए। उन्होंने कहा, वे सिर्फ ये समझना चाहते हैं कि सरकार पूरी प्रक्रिया कैसे पूरी करेगी, वे केवल यह समझना चाहते हैं। जनगणना में कौन से सवाल शामिल होंगे, जनगणना कब कराई जाएगी? सरकार को इन सवालों के जवाब देना चाहिए।

भारत सरकार के कड़े फैसलों से तिलमिलाया पाकिस्तान

बता दें कि पहलगाम में आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ सिंधु जल संधि निलंबन, भारत से नागरिकों को निकाले जाने समेत कई सख्त फैसले लिए हैं। दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और इस्राइल जैसे देशों ने भी भारत का समर्थन किया है। संयुक्त राष्ट्र ने दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देशों से संयम बरतने की अपील की है। इसी बीच पाकिस्तान को भारत की जवाबी सैन्य कार्रवाई का डर भी सता रहा है।

गर्भधारण नहीं होने पर वादी ने इंदिरा आईवीएफ हॉस्पिटल पर क्षतिपूर्ति के लिए दायर किया परिवाद

♦ अस्पताल ने मांगे थे 2.37 रुपये, उपभोक्ता फोरम आयोग ने 42 लाख 87 हजार की क्षतिपूर्ति का भेजा नोटिस

केटी न्यूज/बक्सर

इंदिरा आईवीएफ हॉस्पिटल पटना ने बक्सर निवासी एक दंपति से भ्रूण देने के नाम पर 2.37 हजार रूपए लेने के बाद भ्रूण नहीं दिया, अलब्बता महिला का शुगर व थायराइड बढ़ा बता उसे पिछले 50 दिनों से गलत दवा खिला मरणास्न्न स्थिति में पहुंचा दिया था। जिसके बाद पीड़ित दंपति ने बक्सर उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया है।

जिला उपभोक्ता आयोग ने में दर्ज कराए गए परिवाद में दंपति ने इंदिरा आईवीएफ हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड पटना पर 42 लाख 87 हजार के क्षतिपूर्ति का दावा किया है। उपभोक्ता आयोग ने इस पर सुनवाई करते हुए परिवाद में नोटिस जारी किया है। मामला परिवाद पत्र संख्या 32/2025 से संबंधित है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए परिवादी के अधिवक्ता डॉ विष्णुदत्त द्विवेदी ने बताया कि बक्सर खलासी मोहल्ला की रहने वाली संगीता देवी को विज्ञापन के माध्यम से यह जानकारी मिली थी कि विपक्षी इंदिरा आईवीएफ हॉस्पिटल में इन विंटर फर्टिलाइजेशन (कृत्रिम गर्भधारण) के माध्यम से निःसंतान लोगों के लिए बच्चा जनने की सुविधा दी जाती है। विज्ञापन देखने के बाद परिवादिनी जानकारी के लिए दिए गए मोबाइल नंबर पर फोन किये जहां उसे बार-बार फोन कर पटना बुलाया गया, लेकिन जब आवेदिका एवं उसके पति रवि कुमार गुप्ता विपक्षी के अस्पताल पहुंचे तो उनका चिकित्सकीय जांच किया गया तथा दोनों को स्वस्थ एवं सही पाते बताकर भ्रूण धारण कराने के लिए कुल 2.37 लाख रुपए जमा करा लिए गए तथा भ्रूण धारण कराने के लिए कुछ दिन बाद बुलाया गया।

अधिवक्ता ने बताया कि जब पीड़िता उनके बताए तिथि पर अस्पताल गई तो वहां बताया गया कि उसका शुगर लेवल ठीक नहीं है तथा थायराइड बढ़ा हुआ है ऐसे में कुछ दिन दवा खाकर मिलना होगा। जिसके बाद आवेदिका अनगिनत बार अस्पताल गई लेकिन बार-बार दवा लिख कर उसे वापस भेज दिया गया तथा इस तरह कई महीने बीत गए। इस बीच परिवादिनी की तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो उसने दूसरे चिकित्सक को दिखाया जहां उसे यह पता चला कि विपक्षियों ने उसे ओवरडोज दवा 50 दिनों से लगातार देना शुरू कर दिया था जिसके चलते उसकी स्थिति बिगड़ रही थी। अधिवक्ता ने बताया कि जब उन्हें जानकारी मिली कि अस्पताल द्वारा पैसा लेकर उन्हें गलत दवा दी गई है, इसके बाद विपक्षी को वकालतन नोटिस भी दिया था, लेकिन उनके द्वारा न तो कृत्रिम भ्रूण धारण की सेवा दी गई और नहीं पैसे वापस लौटाए गए। जिसके बाद दंपति ने उक्त अस्पताल के खिलाफ उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया है।

मामले की सुनवाई जिला उपभोक्ता आयोग में बुधवार को किया गया जहां सेवानिवृत न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला उपभोक्ता आयोग वेद प्रकाश सिंह एवं सदस्य राजीव कुमार की खंड पीठ ने परिवाद पत्र को सुनने के बाद ग्रहण करते हुए विपक्षियों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया है।

अच्छी खबरः बक्सर पटना एनएच पर लगने वाले ट्रकों के जाम से जल्द मिलेगी निजात

बलिया और बक्सर में गंगा पुल से हटकर दो किमी दूर वाहनों की जांच की करें व्यवस्थाः मंत्री

♦ उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के नेतृत्व में बलिया व बक्सर प्रशासन की बैठक संपन्न

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर पटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 922 पर हर दिन लगने वाले ट्रकों के लंबे जाम से जल्दी ही मुक्ति मिलने वाली है। इस मामले में बक्सर के सिमरी प्रखंड के छोटका राजपुर गांव निवासी व यूपी सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के नेतृत्व में यूपी के बलिया व बक्सर के डीएम-एसपी तथा अन्य संबंधित अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की एक बैठक बलिया के कोरंटाडीह में आयोजित की गई।

बैठक में बक्सर में हर दिन लगने वाले जाम पर विशेष रूप से चर्चा हुई तथा जाम से निजात दिलाने के लिए कई निर्णय लिए गए। इस दौरान यूपी के सांसद नीरज शेखर, पूर्व मंत्री नारद राय, बलिया के डीएम-एसपी, बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल, एसपी शुभम आर्य समेत कई अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

बैठक में दोनों तरफ हर दिन लगने वाले जाम पर चर्चा की गई। बताया गया कि हर दिन यूपी से बिहार के बीच हजारों ट्रकों की आवाजाही होती है। वहीं, बक्सर प्रशासन वीर कुंवर सिंह सेतू पर तथा यूपी प्रशासन भरौली में राज्य की सीमा में प्रवेश करने वाले वाहनों की सघन तलाशी लेती है। बैठक में बताया गया कि जाम का मुख्य वजह यही है। चुकि बिहार में शराबबंदी कानून लागू है, जिस कारण बिहार सरकार द्वारा वैध कागजातों व चालान के साथ शराब की पड़ताल भी की जाती है। वहीं, यूपी प्रशासन द्वारा भी सघन तलाशी ली जाती है। जिस कारण दोनों तरफ एनएच 922 तथा यूपी के बलिया व गाजीपुर मार्ग पर भयंकर जाम लग रहा है।

बैठक में यूपी सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने जाम से निजात दिलाने के लिए सुझाव दिए कि बक्सर प्रशासन वीर कुंवर सिंह सेतु से तथा बलिया प्रशासन भरौली से दो तीन किलोमीटर पहले ही वाहनों की जांच पड़ताल शुरू करें ऐसा करने से वीर कुंवर सिंह सेतु पर जाम नहीं लगेगा। वहीं, उन्होंने बलिया प्रशासन को भरौली में तथा बक्सर प्रशासन को गोलबंर पर अतिक्रमण हटा उसे और चौड़ा करने को कहा, जिससे वाहनों के आवाजाही तथा घुमाने में किसी तरह की परेशानी न हो। परिवहन मंत्री के इस सुझाव पर दोनों जगाहों के जिलाधिकारी ने सहमति जताई है।

परिवहन मंत्री ने कहा कि दोनों जगहों के प्रशासनिक अधिकारी व पुलिस यदि तत्पर रहे तो जाम नहीं लगेगा। उन्होंने कहा कि हर दिन लगने वाले जाम से दोनों जगहों पर टैजफिक व्यवस्था ध्वस्त हो रही है तथा आम यात्रियों के साथ ही व्यवसाय को नुकसान पहुंच रहा है। बैठक में कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा हुई।

पिछले दो साल से ही लग रहा है जाम : एनएच 922 पर गोलंबर के समीप पिछले दो साल से जाम लग रहा है। वहीं, एक साल से यातायात व्यवस्था ठप हो चुकी है। यूपी में ट्रकों का परिचालन ठप होने से वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। कई बार तो यह जाम इतना गंभीर हो जाता है कि बक्सर से ब्रह्मपुर तक ट्रकों की लंबी लाईन लग जाती है तथा इसका असर एनएच 922 के अलावे डुमरांव बिक्रमगंज पथ, बक्सर चौसा पथ, चौसा मोहनिया पथ आदि पर भी देखा जाता है।

बढ़ गई है सड़क दुर्घटनाओं की संख्या : बक्सर पटना राष्ट्रीय राजमार्ग पर हर दिन लगने वाले जाम के कारण सड़क दुर्घटनाओं की संख्या भी काफी बढ़ गई है। पिछले कुछ महीनों में आधा दर्जन से अधिक ट्रक चालकों ने अपनी जान गवाई है। इसके अलावे भी कई अन्य दुर्घटनाएं हुई है, जिसमें आम लोगों की जान गई तथा लोग जख्मी भी हुए है। जबकि इसका असर टैजफिक व्यवस्था व व्यवसाय पर भी काफी गहरा पड़ा है। हालांकि, यूपी के परिवहन मंत्री के नेतृत्व में बक्सर व बलिया प्रशासन की हुई बैठक के बाद अब यह उम्मीद लगाई जा रहा है कि जल्दी ही बक्सर को जाम से मुक्ति मिल जाएगी।

अधिकारियों को दिए गए कई सुझाव

बैठक में परिवहन मंत्री ने कहा कि वाहनों में तकनीकी बाधाओं के कारण बीच सड़क में ही खराब होने की समस्या भी जाम का मुख्य कारण है। ऐसे में प्रशासनिक पदाधिकारियों से अपील की गई कि दोनों राज्यों के प्रशासन क्रेन और आपात वाहनों को भी अलर्ट मोड पर रखे। खराब होने या दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को तुरंत सड़क से हटाकर किनारे कराया जाए ताकि जाम न लगे। वहीं एक ही लेन में डबल लाइन बनाकर चलने वाले वाहनों पर भी कारवाई के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में लिए गए अहम फैसलों का सख्ती से अनुपालन कराया जाएगा और बहुत जल्द ही इसका असर सड़कों पर देखने को मिलेगा। दोनों राज्यों के प्रशासनिक पदाधिकारियों की सख्ती से इस समस्या का शत प्रतिशत निदान निकाला जाएगा।

एक नजर

युवती ने हथियार से जानलेवा हमला करने वाले प्रेमी पर दर्ज कराई प्राथमिकी, जेल

डुमरांव। मंगलवार की शाम अपनी प्रेमिका सह मौसेरी बहन को जबरन ई-रिक्शा से उतारने, फायरिंग करने तथा जानलेवा हमला करने वाले युवक को पुलिस ने बुधवार को जेल भेज दिया है। पीड़ित युवती ने भी उस पर जान मारने की नियत से हमला करने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं, पुलिस ने भी उस पर आर्म्स ऐक्ट के तहत मामला दर्ज कराया है। बता दें कि डुमरांव निवासी रामनिवास सिंह के पुत्र वकील का कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के धरहरा गांव निवासी व अपनी मौसेरी बहन को प्रेम प्रसंग में विवाद होने पर ई-रिक्शा से जबरन उतारना चाहा और युवती के नहीं उतरने पर हवाई फायरिंग कर दिया था, इतना ही नहीं युवती जब ई-रिक्शा से भागकर दूसरे वाहन में छिपी तो वह पीछा करते हुए वहां पहुंचा तथा वाहन का शीशा तोड़ युवती पर देशी पिस्टल के बट से हमला कर दिया था। हालांकि, मौके पर मौजूद लोगों ने एकजुटता दिखाते हुए तुरंत उसे पकड़ स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया था। सिरफिरे आशिक की करतूतों से जमकर हंगामा मचा था। इस दौरान मौके पर भगदड़ मच गई थी। लोग इधर-उधर भागने लगे थे। एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला प्रेम प्रसंग का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस मामले की अनुसंधान में जुटी हुई है। एसडीपीओ ने बताया कि मंगलवार को युवती बीए सेमेस्टर टू की परीक्षा देने डुमरांव आई थी। वापसी के दौरान वह शाम में ई-रिक्शा से नया भोजपुर जा रही थी। इस दौरान ओवर ब्रिज के पास स्थित टीवीएस शो-रूप के पास वह युवक पैदल ही सड़क किनारे पहले से खड़ा था तथा ई-रिक्शा को पिस्टल के बल पर रूकवा लड़की हो उतरने को कहा, लेकिन लड़की जब ई-रिक्शा से नहीं उतरी तो उसने हवाई फायर कर दिया। एसडीपीओ ने बताया कि इस मामले में जहां युवती ने जानलेवा हमले के आरोप में मामला दर्ज कराई है, वहीं, पुलिस ने भी आर्म्स ऐक्ट के तहत एफआईआर दर्ज किया है। वहीं, नया भोजपुर इलाके में दूसरे दिन भी इस घटना की चर्चा होते रही।

हम ऐतिहासिक कार्य करके दिखाएंगे, नई ऊंचाइयों को छूएगा रोटरी क्लबः डॉ. दिलशाद

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर सत्र रोटरी क्लब 2025-26 का कार्यकाल एक जुलाई से आरम्भ हो होने वाला है। इसको लेकर बुधवार को रोटरी भवन में सत्र 2025-26 की तैयारियों को लेकर नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. दिलशाद आलम की अध्यक्षता में बैठक की गई। डॉ दिलशाद आलम ने कहा कि रोटरी क्लब नई ऊंचाइयों को ग्रहण करेगी और एक ऐतिहासिक कार्य करके दिखाएगी।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत सर्वप्रथम पौधा लगाना, विद्यालयों को गोद लेना और चिकित्सा दिवस के साथ चार्टर्ड अकाउंटेंट दिवस भी मनाना है। इसके लिए रोटरी क्लब प्रतिबद्ध है। साथ ही, पुराने कार्यों को सही करने का निर्देश दिया गया। सभी रोटरी पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सहमति से क्लब के मीटिंग को किया गया और यह निर्णय लिया गया कि पुराने कार्यों में जो भी अवरुद्ध है, उसे ठीक किया जाएगा। ताकि रोटरी के कार्यों को सामाजिक स्तर पर और निचले स्तर से मजबूत किया जा सके। पूर्व गवर्नर डॉक्टर सीएम सिंह ने कहा कि वर्षों से रोटरी क्लब अपने ऐतिहासिक कार्यों एवं सामाजिक कार्यों के लिए जानी जाती है। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि एकता में अनेकता है और जब तक हम एकता में है हमारे कार्य को कोई रोक नहीं सकता। इस दौरान मौजूदा अध्यक्ष मनीष कुमार पांडे ने कहा कि रोटरी को ऊंचाइयों तक डॉक्टर दिलशाद आलम जरूर ले जाएंगे। बैठक में राजेश केसरी तथा कृष्णानंद सिंह ने सदस्यता शुल्क जमा भी किया। इस ऐतिहासिक क्लब के मीटिंग में सरवर आलम सेक्रेटरी 2025 26 ने मुख्य भूमिका निभाई एवं रोटरेक्ट के सभी साथियों ने भी इस कार्य में भूमिका निभाई।

छत के सहारे घर में घुस लाखों रुपये के जेवर ले भागे चोर

नावानगर। सोनवर्षा थाना क्षेत्र के इकिल गांव में बीते रात अज्ञात चोरों ने एक घर में घुसकर लाखों रुपए मूल्य की जेवर चोरी कर ली है। चोरों ने उक्त गांव निवासी गणेश चौधरी के घर में चोरी का अंजाम दिया है। ग्रामीणों के अनुसार घर में वृद्ध महिला थी। जो एक रुम में गहरी नींद में थी। जबकि घर के सभी सदस्य अपने रिश्तेदार के घर शादी समारोह में शामिल होने गए थे। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने छत के सहारे घर में घुसे होने की अनुमान ग्रामीण लगा रहे हैं। घर में चोरी होने की जानकारी वृद्ध महिला को बुधवार सुबह तब हुई, जब आसपास के लोग मुख्य दरवाजा खुला देखकर आवाज लगाया। इधर पीड़ित गृह स्वामी ने बताया कि चोरों ने घर में रखे सभी कीमती सामान चुरा ले गए हैं। उनके अनुसार एक लाख रुपए से अधिक मूल्य के जेवर चोरी हुई है। उन्होंने घर में चोरी होने की मौखिक जानकारी सोनवर्षा थाना के पुलिस को दी गई है।

बैंकों में सुरक्षा की पुलिस ने की जांच, अधिकारियों को दिए कई आवश्यक निर्देश

संदिग्ध लोगों की तुरंत दें सूचनाः एसडीपीओ

♦ एसडीपीओ ने आधा दर्जन बैंकों का किया निरीक्षण, मौजूद लोगों से की पूछताछ

केटी न्यूज/डुमरांव

बैंकों के सुरक्षा के प्रति बुधवार को डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी काफी सख्त दिखे। उन्होंने इस दौरान शहर में संचालित होने वाले करीब आधा दर्जन बैंकों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिए।

निरीक्षण के दौरान एसडीपीओ ने बैंक प्रबंधन को सुरक्षा के दृष्टिकोण से कई अहम सुझाव भी दिए तथा कहा कि यदि परिसर में आए किसी व्यक्ति की गतिविधि संदिग्ध लगे तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दे। वहीं, उन्होंने कहा कि जो ग्राहक मोटी रकम निकालते है उन्हें काउंटर के बजाय केबिन में पैसा देना चाहिए, एसडीपीओ ने कहा कि मोटी रकम निकालने वाले ग्राहकों को भी सावधान रहना चाहिए तथा यदि लगे कि कोई उन्हें ताड़ रहा है या फिर पीछा कर रहा है तो इसकी जानकारी बैंक के सुरक्षा कर्मियों के अलावे पुलिस को देनी चाहिए।

एसडीपीओ ने बैंक परिसर में मौजूद ग्राहकों से भी पूछताछ की तथा बैंक आने के कारणों को समझा। उन्होंने कहा कि बिना वैध काम के किसी को बैंक परिसर में न आने दिया जाए। एसडीपीओ ने इस दौरान विभिन्न बैंकों में मौजूद ग्राहकों से उनका बैंक पासबुक भी चेक किया। इस दौरान उन्होंने बैंक परिसर और उसके आसपास घूम रहे संदिग्ध लोगों से सख्ती से पूछताछ की और बिना कारण बैंक के आस पास घुमने पर फटकार लगाई। एसडीपीओ ने कहा कि दुबारा बैंक के आस पास पकड़े जाने पर पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज देगी।

एसडीपीओ ने वर्तमान समय में बैंक से जुड़े अपराध जैसे चोरी, ठगी और साइबर अपराध की घटनाओं में वृद्धि हो रही है, ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी पुलिस के साथ-साथ बैंक प्रबंधन की भी है। निरीक्षण के बाद अफाक अख्तर अंसारी ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि वे केवल अपने आवश्यक कार्यों के लिए ही बैंक आएं और अनावश्यक रूप से भीड़ न लगाएं।

शत चंडी महायज्ञ व मां काली प्राण प्रतिष्ठा में उमड़ा भक्तों का सैलाब

- केसठ में आध्यात्मिक आस्था का महासंगम
- अग्नि प्रज्वलित के साथ शुरू हुई परिक्रमा

केटी न्यूज/केसठ

केसठ की पावन धरती इन दिनों आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर है। शत चंडी महायज्ञ एवं मां काली प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य शुभारंभ बुधवार को विधिवत रूप से हुआ।

धार्मिक अनुष्ठान की शुरूआत यज्ञशाला में अग्नि प्रज्वलन के साथ साथ पंचाग पूजन की गई, जिसे श्रद्धेय बालक दास साधु और आचार्य दयानंदन मिश्र ने पूर्ण वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न कराया। यज्ञशाला में आस्था का दृश्य देखते ही बन रहा था, एक ओर जहां अग्नि की लपटों के साथ हवनकुंड से उठती सुगंध ने वातावरण को पवित्र कर रहा था, वहीं दूसरी ओर श्रद्धालु महिलाओं ने यज्ञशाला की परिक्रमा कर भक्ति में डूबे मन से मां काली का आह्वान किया। इसके साथ ही, चारों ओर मां काली की जय जयघोषों ने जैसे पूरे क्षेत्र को भक्तिमय कर दिया। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ रहा था।

आयोजकों के अनुसार यह महायज्ञ कई 9 मई तक चलेगा, जिसमें धार्मिक प्रवचन वृन्दावन की कथावाचिका राधिका दीदी के द्वारा, सांस्कृतिक कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के कलाकारों द्वारा और विविध अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। यज्ञ को सफल बनाने में राजू दुबे,मोहित दुबे,बिनोद मास्टर,सुन मिश्रा,विकाश चौधरी , मुकुंद जी प्रसाद, अन्टू उपाध्याय, मुनमुन उपाध्याय, रवि सिंह, सोनू, राहुल समेत कमिटी के सदस्यों के साथ साथ पूरे ग्रामीणों का सहयोग मिल रहा है।

महिलाओं के द्वारा गाए जा रहे पारंपरिक देवी श्रद्धालुओं को कर रहे हैं मंत्रमुग्ध : प्रखंड के केसठ गांव में इन दिनों श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का एक अनुपम संगम देखने को मिल रहा है। गांव में आयोजित शत चंडी महायज्ञ और मां काली प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव ने पूरे क्षेत्र को भक्ति के रंग में रंग दिया है। यज्ञ स्थल को भव्य रूप से सजाया गया है, और दिन भर धार्मिक अनुष्ठान, पाठ और प्रवचन चलते हैं। लेकिन इस आयोजन की विशेष छटा रात में कार्यक्रमों में देखने को मिलती है, जहां स्थानीय महिलाओं द्वारा गाए जा रहे पारंपरिक देवी गीत न केवल श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं, बल्कि पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार कर रहे हैं। रात्रि में जैसे ही महिलाओं की भजन मंडली ने मां दुर्गा, मां काली, और अन्य देवी स्वरूपों की स्तुति में गीत आरंभ किए, वैसे ही पूरा पंडाल भक्तिरस में डूब गया। महिलाओं की मधुर आवाजों में गूंजते देवी गीतों ने ऐसा वातावरण रच दिया, मानो स्वयं देवी का आह्वान हो रहा हो।

एक नजर

डुमरी रोड में फेंके गए कूड़े में आग लगाए जाने से पर्यावरण हो रहा प्रदूषित, लोग परेशान

डुमरांव। पहले डुमरांव के आसपास नदी, तलाबों और रोड के किनारे फेंके गए कूड़े अब लोगों के लिये परेशानी खड़ा कर रहे हैं। उक्त कूड़े का निस्तारण नहीं किये जाने के कारण और उसमें आग लगा दिये जाने से पर्यावरण खतरे में पड़ गया है। इतना ही नहीं उससे निकल रहे धुआं से आने-जाने वाले लोगों को परेशानी तो हो ही रही है वाहनों के आने-जाने में कुछ दिखाई नहीं पड़ता जिससे दुर्घटना होने की संभावना बराबर बनी रहती है। मालूम हो कि नप के द्वारा डुमरी रोड के किनारे कूड़ा फेंक दिया गया है। कूड़ा फेंके जाने का लोगों ने जब विरोध करना शुरू किया तो उक्त कूड़े को नप ने हटाए जाने के बजाय उसमें आग लगा दिया गया है। आग लगा दिये जाने से वहां का वातावरण दूषित हो गया है, जिससे आने-जाने वाले लोगों में बीमारी फैलने का डर सताने लगा है। इस तरह का कार्य केवल इसी रोड में ही नहीं अन्यंत्र कई नदी के किनारे, नालों, आहर और तलाबों के किनारे फेंके गए कूड़े में किया जा रहा है। इसका विरोध सर्वत्र होने लगा है। नया भोजपुर के समाजसेवी मो. अशफाक का कहना है कि पीस कमिटी की बैठक में यह फैसला लिया गया था कि जो कूड़ा फेंका गया है, उसका उठाव कर अन्यंत्र फेंका जाएगा। इतना ही नहीं यह भी बात हुई थी कि कूड़े के उपर मिट्टी बालू डालकर ढक दिया जाएगा। जो भी फैसला लिया गया, उस पर कोई कार्य नहीं किया गया और नहीं तो कूड़े में आग लगाकर पर्यावरण को दूषित किया जा रहा है। नया भोजपुर के लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

भारतीय संस्कृति एवं सकारात्मक विचारों को मजबूत बनाना ही हमारा लक्ष्य : भुवन

बक्सर। भाजपा की आईटी सेल की एक बैठक भाजपा कार्यालय में हुई। इसकी अध्यक्षता पार्टी के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने की। इस दौरान पार्टी परम्परा के मुताबिक पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल्य चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। भाजपा सोशल मीडिया एवं आईटी की आगामी रणनीतियों को लेकर बैठक में विस्तार से चर्चा की गई। अपने संबोधन में जिलाध्यक्ष भुवन ने कहा कि भारत विरोधी विदेशी जार्ज सोरोस और अन्य डीप स्टेट के पैसों से पोषित, भारत और भारतीय संस्कृति विरोधी नेटवर्क को ध्वस्त करना और साकारात्मक शक्तियों और विचारों को मजबूत बनाना हमारा एकमात्र लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश विरोधी ताकते काफी सक्रिय है। ऐसे में भाजपा कार्यकताओं खासकर सोशल मीडिया व आईटी सेल से जुड़े कार्यकताओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कार्यकताओं से देश विरोधी ताकतों को मुंहतोड़ जबाव देने तथा साकारात्मक विचारों का प्रचार प्रसार करने व युवा वर्ग के बीच भारतीय संस्कृति व विचारधारा को की जानकारी दे उन्हें राष्ट्रवाद की तरफ मोड़ने की नसीहत दी। जिलाध्यक्ष ने कहा कि युवाओं में देशभक्ति की भावना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश में कई ऐसे तत्व है जो युवाओं में नफरत फैला रहे है। उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों को जबाव देना जरूरी है। बैठक में मुख्य रूप से जिला महामंत्री लक्ष्मण शर्मा, सोशल मीडिया के प्रदेश सह-संयोजक शिव नारायण, जिला संयोजक बिकेश पांडेय, हेमंत, रोहित तिवारी, सत्यम श्रीवास्तव, भास्कर सिंह सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

बिजली चोरी मामले में छह पर केस

डुमरांव। स्थानीय थाना क्षेत्र के सुरौंधा व सम्हार गांव में बिजली अधिकारियों ने सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस अभियान का नेतृत्व विद्युत आपूर्ति प्रशाखा चौंगाई के कनीय विद्युत अभियंता शैलेश कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। जिसमें बिजली चोरी करने के आरोप में छह उपभोक्ताओं के खिलाफ डुमरांव थाना में प्राथमिकी दर्ज करा अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर रहे छह उपभोक्ताओं पर कुल 141467 रुपये का जुर्माना लगाया।

अग्निपीड़ितों को सीओ ने दिया चेक

बक्सर। स्थानीय प्रखंड के बन्नी गांव में पिछले दिनों हुई अगलगी के घटना के पीड़ित को सीओ ने मुआवजा के तहत चेक दिया है। इस दौरान पीड़िता मुन्नी देवी पति शिव कुमार पासी को सीओ डॉ. शोभा कुमारी ने 20 हजार रुपये का चेक दिया। सीओ ने बताया कि पिछले दिनों बन्नी गांव में हुई अगलगी से इनका झोपड़ीनुमा घर व पशु शेड जलकर पूरी तरह से राख हो गया था। जिसमें हल्का कर्मचारी के द्वारा जांच कर पुष्टि की गई थी। जिन्हें आपदा मद योजना से अनुग्रह अनुदान की राशि दी गई। सीओ ने कहा कि गर्मी के दिनों में अधिकतर जगहों पर तालाब पोखरों का पानी सूख गया है।

सोनवर्षा, चौसा व डुमरांव में चार स्थानों में हुए सड़क हादसे, जांच में जुटी पुलिस

दुर्घटनाओं में एक की मौत, 10 जख्मी

- नावानगर में अज्ञात वाहन की चपेट में आया किशोर तो चौसा में दो बाइकों में हुई सीधी टक्कर
- नया भोजपुर थाने में दो अलग अलग दुर्घटनाओं में आधा दर्जन जख्मी

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

जिले में मंगलवार को अलग अलग चार हड़क हादसे हुए, जिनमें एक किशोर की मौत व 10 लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। सभी जख्मियों का इलाज चल रहा है। हालांकि मामलों में स्थानीय पुलिस जांच में जुटी हुई है।

पहली घटना मंगलवार की शाम की है, जिसमें जिले के सोनवर्षा थाना के कड़सर गांव के पास एनएच 319 पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक किशोर की मौत हो गई। मृत किशोर कड़सर गांव के बसंत चौधरी का बेटा नंदलाल कुमार बताया जाता है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया है। इस संबंध में सोनवर्षा थानाध्यक्ष ने बताया कि लगभग 10 बजे रात्री में ग्रामीणों ने सूचना दिया कि ओवर ब्रिज के नीचे अज्ञात वाहन के धक्का से एक किशोर की मौत हो गई है। इधर ग्रामीणों के अनुसार किशोर सड़क पर टहल रहा था, तभी अज्ञात वाहन ने धक्का मारकर भाग निकला। वाहन के धक्के से किशोर गंभीर रुप से जख्मी हो गया था। जिसे आनन फानन में परिजनों ने इलाज के लिए आरा ले जा रहे थे। पर जगदीशपुर पहुंचते ही किशोर ने दम तोड़ दिया।

चौसा रेलवे क्रॉसिंग के पास दो बाइक्स में हुआ भिड़ंत

दूसरी घटना मंगलवार की देररात धनसोई मार्ग पर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चौसा रेलवे क्रॉसिंग के समीप हुई। जिसमें दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। जहा दोनो बाइक पर सवार चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भिजवाया, जहा तीन की हालत चिंताजनक होने पर चिकित्सकों ने वाराणसी रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार बाइक की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक के परखच्चे उड़ गए। बताया जाता है कि इटाढ़ी थाना के चिलहर गांव निवासी राधेश्याम सिंह का 22 वर्षीय पुत्र सिंटू सिंह यादव अपने घर के एक और सदस्य को बैठाकर चौसा अपने सगे-सम्बन्धी के घर वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने या रहा था। जबकि, दूसरी तरफ से इटाढ़ी निवासी मुन्ना गुप्ता का 20 वर्षीय पुत्र चन्दन गुप्ता व अजीत वैवाहिक कार्यक्रम से निपटने के बाद घर जा रहे थे। इसी बीच चौसा रेल समपार व चौसा नहर के बीच दोनो तेज गतु बाइक की जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक क्षतिग्रस्त हो गए। वही, इस घटना में दोनो बाइक पर सवार चारों युवक घायल हो गए। वही, आते-जाते राहगीरों ने देखा कि दो बाइक की टक्कर हो गई। सवार चार युवक सड़क पर घायल अवस्था मे गिरे पड़े है। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दे बुलाया गया। जहा आनन-फानन में पुलिस ने घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया। जहा चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सिंटू सिंह, चन्दन गुप्ता व अजीत को गम्भीर चोट लगने से चिंताजनक हालत में वाराणसी रेफर कर दिया। चिकित्सक ने बताया सिंटू व चन्दन के सिर में गम्भीर चोट लगी है। साथ ही अजीत को भी कई जगह गम्भीर चोट लगने से तीनों को रेफर कर दिया गया है।

नया भोजपुर थाना क्षेत्र में हुए दो हादसे, सभी की हालत गंभीर; चिकित्सकों ने किया रेफर

डुमरांव। अनुमंडल मुख्यालय से सटे डुमरांव-पुराना भोजपुर एवं डुमरांव नया भोजपुर पथ पर हुई अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक दंपति समेत आधा दर्जन लोग जख्मी हुए है। हादसों में जख्मी सभी लोगों का प्राथमिक इलाज डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

जानकारी के अनुसार पहली घटना डुमरांव पुराना भोजपुर पथ पर मिशन स्कूल के पास की है। यहां एक आर्केस्ट्रा पार्टी में काम करने वाले दो नर्तक व दो नर्तकी समेत कुल चार लोग एक ही बाइक पर सवार हो किसी शादी समारोह में अपनी प्रस्तुति देने जा रहे थे। इसी दौरान मिशन स्कूल के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दिया, जिससे बाइक असंतुलित हो पलट गई तथा सभी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घायलों की पहचान लक्ष्मी, अर्पिता, राहुल और बाइक चला रहे सुनील कुमार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के द्वारा सभी को अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया।

वहीं दूसरी घटना डुमरांव नया भोजपुर पथ पर डीके कॉलेज के समीप के है। यहां अज्ञात वाहन के टक्कर से बाइक सवार एक दंपति जख्मी हुए है। दंपति की पहचान कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के कठार गांव निवासी सुरेंद्र शर्मा व उनकी पत्नी सुनीता देवी के रूप में हुई है। अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज के बाद दंपति की स्थिति बिगड़ते देख चिकित्सकों ने रेफर कर दिया है। हालांकि, किसी भी मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को नहीं मिली।

निलंबित ट्रेनों को चलाने की उठाई गई मांग

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव रेलयात्री कल्याण समिति का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को हाजीपुर जोन के महाप्रबंधक कार्यालय में वरीय अधिकारियों से मिलकर दानापुर रेल मंडल के विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान गाड़ियों के ठहराव और स्टेशनों के सफाई संबंधित विषयों की जानकारी देते हुए स्मारक पत्र भी दिया गया। समिति के सदस्यों ने बताया कि वरीय अधिकारियों ने दिये गए सारी समस्याओं के समाधान हेतु साकारात्मक आश्वासन दिया।

विभिन्न मांगों में डुमरांव स्टेशन पर पटना मथुरा कोटा का नियमित रूप से ठहराव, डुमरांव स्टेशन पर पटना कुर्ला, जनसाधारण और, संघमित्रा का ठहराव, टुड़ीगंज स्टेशन पर टाटानगर बक्सर के ठहराव के साथ साथ फरक्का और विभूति एक्सप्रेस का स्टॉप देने की मांग की गई। वहीं रघुनाथपुर में श्रमजीवी और जनशताब्दी एक्सप्रेस के ठहराव के साथ साथ नये फुट ओवरब्रिज निर्माण करने की वार्ता हुई। समिति के सदस्यों ने दानापुर रेल मंडल के सभी स्टेशनों पर रेलयात्रियों की मुलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल, शौचालय, पर्याप्त यात्री शेड, रोशनी और साफ-सफाई की व्यवस्था चुस्त दुरुस्त करने की मांग की। इसके साथ ही टुड़ीगंज स्टेशन पर प्लेटफार्म को समतल करते हुए ढलाई करने के संबंध में जानकारी देते हुए इसे शीघ्र करने का आग्रह किया गया। सदस्यों ने कहा कि अगर रेलवे उनकी मांगी की तरफ कोई ध्यान नहीं देती है तो चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया जाएगा। रेलयात्री कल्याण समिति के प्रतिनिधी मण्डल में शामिल मुख्य लोगों में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुधीर कुमार सिंह के आलावा ओमप्रकाश सिंह, कामेन्द्र सिंह और सुरेन्द्र सिंह मुखिया शामिल थे।

मजदूर दिवस को लेकर हुई बैठक

चौसा। चौसा थर्मल पावर मजदूर यूनियन के बैनर तले आदर्श उच्च विद्यालय के खेल मैदान में एक मई मजदूर दिवस की तैयारियों को लेकर बुधवार को यूनियन के महामंत्री एवं मजदूर नेता डॉ. मनोज कुमार यादव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। डॉ. यादव ने बताया कि इस वर्ष मजदूर दिवस के मौके पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जहा हजारों श्रमिकों को सम्मानित किया जाएगा। वही, संध्या पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत चौता गायन की जाएगी। इस कार्यक्रम में शाहाबाद सम्राट कवलबांस कुंवर व मगध सम्राट सुदर्शन यादव द्वारा भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव पर चौता गायन करेंगे। उन्होंने श्रमिकों व आम जनता से इस ऐतिहासिक आयोजन में शामिल होने का आह्वान किया।

डुमरांव एसडीएम की उपस्थिति में अरियांव गांव में महिला संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

सरकार की कल्याणकारी योजनाओं में 50% आरक्षण का महिलाएं उठा रही लाभ: एसडीएम

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय प्रखंड के अरियांव गांव में बुधवार 30 अप्रैल 2025 को एसडीओ राकेश कुमार की उपस्थिति में उजाला जीविका महिला ग्राम संगठन में महिला संवाद का आयोजन किया गया। मालूम हो कि महिला संवाद कार्यक्रम 18 अप्रैल 2025 से 15 जून 2025 तक जीविका के सभी 925 ग्राम संगठनों में आयोजित किया जा रहा है।

अरियांव गांव में होने वाले जन संवाद में बताया गया की दिनांक 18 अप्रैल 2025 से आजतक जीविका ने अपने 200 ग्राम संगठन में महिला संवाद कार्यक्रम का सफल आयोजन कर लिया है। बक्सर ज़िले के 8 प्रखंडों में ग्राम स्तर पर प्रतिदिन दो महिला संवाद कार्यक्रम कुल 16 ग्राम संगठन में सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे से आयोजित किया जा रहा है।

वहीं जीविका दीदियों ने एसडीओ के साथ उपस्थित लोगों को स्वागत किया। एसडीओ ने अपने संबोधन में महिला संवाद कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य तथा राज्य सरकार की योजनाओं के लाभ के संबंध में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना, महिलाओं के लिए आरक्षण, नौकरी में आरक्षण, महिला जनप्रतिनिधि को 50 प्रतिशत आरक्षण से महिलायें अपनी ज्यादा से ज्यादा भागीदारी दे रही हैं। बिहार पुलिस में सबसे ज्यादा महिलायें हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री महोदय का सन्देश पत्र भी पढ़ कर सुनाया। फिर कहा कि महिला संवाद कार्यक्रम न केवल महिलाओं को अपने विचार, अनुभव और अपेक्षाएं साझा करने का एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा है, बल्कि इससे प्राप्त सुझावों और अनुभवों को सरकार द्वारा नीति निर्माण में समाहित किया जा रहा है।

आइसा ने कॉलेज में मूलभूत सुविधाओं को लेकर जमकर किया हंगामा

महाराजा कॉलेज में आइसा कार्यकर्ताओं ने की तालाबंदी

आइसा की प्रमुख मांगें

- शुद्ध पेयजल, शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।
- सत्र 2023-27 के सभी छात्रों व एससी/एसटी के छात्र-छात्राओं का नामांकन शुल्क वापस किया जाए।
- नई शिक्षा नीति के तहत एसईसी-एईसी जैसे विभाग शुरू किए जाए।
- वर्षों से बना महिला छात्रावास तुरंत चालू किया जाए।
- छात्र कॉमन रूम का पुनर्निर्माण किया जाए।
- जर्जर व ढह चुके क्लासरूम का पुनर्निर्माण किया जाए।
- पुस्तकालय में नई एडिशन की किताबें लाई जाएं।
- सभी लैबों को बेहतर तरीके से संचालित किया जाए।
- कॉलेज में पूछताछ काउंटर चालू किया जाए।
- प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार केंद्र की व्यवस्था की जाए।

केटी न्यूज/आरा

◆ **प्राचार्य पर छात्रों की समस्याओं की अनदेखी का लगाया गया आरोप**

अखिल भारतीय छात्र संघ (आइसा) की महाराजा कॉलेज इकाई ने मंगलवार को कॉलेज में व्याप्त मूलभूत समस्याओं और प्रशासन की लचर कार्यशैली के खिलाफ आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया। छात्रों ने पुस्तकालय से मार्च निकालते हुए प्राचार्य कक्ष का तालाबंदी कर दी।

छात्र नेताओं ने बताया कि पहले भी आइसा प्रतिनिधिमंडल ने प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा था, जिस पर प्राचार्य द्वारा 15 से 30 दिनों के भीतर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था। लेकिन कई महीने बीत जाने के बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। छात्रों का आरोप है कि प्राचार्य अपने कार्यालय की साज-सज्जा में तो दिलचस्पी लेते हैं, लेकिन छात्रों की समस्याओं पर चुप्पी साधे हुए हैं।

आइसा नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि जब प्राचार्य को आंदोलन की सूचना मिली, तो वे निजी कार्य का हवाला देकर अवकाश पर चले गए। इससे यह साफ जाहिर होता है कि कॉलेज प्रशासन छात्र समस्याओं से मुंह मोड़ रहा है। सभा की शुरूआत जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि देकर की गई। सभा का संचालन आइसा कॉलेज सचिव राजेश कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा-आरएसएस व बिहार की एनडीए सरकारें नई शिक्षा नीति के माध्यम से गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित तबकों के बच्चों को उच्च शिक्षा से वंचित करना चाहती हैं। महाराजा कॉलेज इसका जीवंत उदाहरण है, जहां छात्रों के लिए शुद्ध पेयजल, शौचालय, क्लासरूम जैसी बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव है।

जिला सह सचिव रौशन कुशवाहा ने कहा कि कॉलेज प्रशासन छात्रों से विभिन्न मदों में फीस वसूलता है, लेकिन सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराता। 2017 से बना महिला छात्रावास अब तक चालू नहीं किया गया है, जिससे दूरदराज से आने वाली छात्राएं भारी परेशानी में हैं। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत दो सत्रों की पढ़ाई शुरू हो चुकी है, लेकिन पुस्तकालय में नई किताबें तक नहीं हैं। कई क्लासरूम या तो ढह चुके हैं या जर्जर हो गए हैं, और छात्रों को बैठने तक की जगह नहीं मिल रही है।

आइसा ने चेतावनी दी कि यदि मांगें समयबद्ध तरीके से पूरी नहीं की गईं तो कॉलेज को अनिश्चितकालीन बंद किया जाएगा। इस कार्यक्रम में जयशंकर प्रसाद, शुभम मौर्य, अंशु पासवान, शिवप्रकाश, गौरव गुंजन, मोहित कुमार, विराट कुमार, वीरबहादुर, रोहित कुमार, विक्की कुमार, रोहन कुमार, अभी कुमार, प्रकाश, चंदन, सौरभ सहित दर्जनों आइसा नेता और छात्र उपस्थित थे।

जाम से कराह रहे लोग, चलना हुआ मुश्किल

केटी न्यूज/डुमरांव

लग्न के मौसम में मुख्य सड़क स्टेशन रोड पर हर दिन जाम का नजारा दिखने लगा हैं। इस सड़क पर पैदल गुजरना भी मुश्किल हो जाता हैं। बुधवार के दिन भी जाम का नजारा बना रहा। इस बाजार के व्यवसायी लग्नि ग्राहकों की आस में दिनभर टकटकी लगाए रहे। लग्न को लेकर मुख्य सड़क स्टेशन रोड के व्यवसायी दो माह पहले ही तैयारी पूरी कर बिक्री की आस लगाये रहते है। इन दुकानों पर आसपास के गांवों के लोग खरीदारी करने के लिए पहुंचते हैं। लेकिन, इस बाजार को जाम की समस्याओं से लंबी फेहरिस्त झेलनी पड़ती हैं।

घंटों जाम के कारण कारोबार पर गहरा प्रभाव पड़ता हैं। इस वजह से कारोबारियों के बीच मायूसी पसरी रहती है। सड़को पर लगे जाम में बाराती और दूल्हे की गाड़ियां घंटों फंसी रहती है। स्टेशन रोड के कारोबारी विनोद कुमार, राजन कुमार, अखिलेश गुप्ता ने बताया कि लग्न के दिनों में अच्छे व्यवसाय होने की उम्मीद लगी रहती हैं। जिसको लेकर दो माह पूर्व ही तैयारी पूरी कर ली जाती है। लेकिन, जाम की वजह से उम्मीदों पर पानी फिर जाता है। सड़क की मरम्मती नहीं होने से वाहन चालक भी धीरे-धीरे वाहन चलाते हैं। नगर परिषद प्रशासन द्वारा वाहनों के ठहराव और अन्य पार्किंग की व्यवस्था नहीं करने से बाजार में जाम की स्थिति बनी रहती हैं। कारोबारियों ने इस व्यवस्था के कारगर उपाय करने की कई बार मांग उठायी। लेकिन, इसमें अभी तक कुछ निदान नहीं निकल पाया हैं। खरीदारी करने आये ग्राहक अपने बाइक और चारपहिया वाहन को जहां-तहां खड़ा कर सामानों की खरीदारी करते हैं। दुकानदारों का कहना हैं कि संबंधित विभाग इस समस्या का समाधान करें।

केसठ में विशेष विकास शिविर का आयोजन

केसठ। बुधवार को प्रखंड के कुलमनपुर गांव स्थित महादलित बस्ती में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत विशेष विकास शिविर का आयोजन किया गया। नेतृत्व प्रखंड विकास पदाधिकारी मिथिलेश बिहारी वर्मा ने किया। इस दौरान विभिन्न समस्याओं की जानकारी लेने के लिए चर्चा परिचर्चा की गई। महादलित बस्ती के लोगों से विभिन्न कर्मियों एवं समस्याओं की जानकारी ली गई। चर्चा परिचर्चा में बस्ती के लोगों ने खुलकर अपनी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। इस दौरान कुल सत्रह लोगों ने विभिन्ने समस्याओं को लेकर आवेदन दिया। मौके पर विकास मित्र विनोद कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

जातीय जनगणना सराहनीय : आदित्य

बक्सर। जाति जनगणना कराने को लेकर केंद्र सरकार के फैसले पर भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री आदित्य चौधरी ने कहा कि जाति जनगणना मोदी सरकार की ऐतिहासिक फैसला हैं। जाति जनगणना से देश के सभी जाति के लोगों में मोदी सरकार पर विश्वास बढ़ा हैं। देश के आजादी के बाद पहली बार देश में जातिय जनगणना मूल जनगणना के साथ कराने का ऐलान कर मोदी सरकार ने जनता का दिल जीत लिया है। देश में सबसे पहले बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जातीय जनगणना कराकर बिहार के सभी जातियों के दिल जीत लिया है। कांग्रेस पार्टी देश के आजादी के बाद से ही हमेशा पिछड़ा वर्ग व अति पिछड़ा वर्ग तथा दलितों की विरोधी है।

तिलक समारोह में हर्ष फायरिंग का वीडियो वायरल

केटी न्यूज/आरा

जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर नगर स्थित एक तिलक समारोह में एक व्यक्ति द्वारा तबातोड़ हर्ष फायरिंग करने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ तौर से देखा जा रहा है कि उजला रंग का शर्ट पहना हुआ एक व्यक्ति तिलक समारोह के दौरान स्टेज पर चढ़ अपने हाथ में बंदूक लेकर उसमें गोली लोड करते एवं गोली लोड करने एवं ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए देखा जा रहा है।

इसके अलावा उजाला रंग शर्ट पहने उसके सामने खड़ा दूसरे व्यक्ति भी अपने हाथों में अवैध बंदूक लिए खड़ा है। उयह वीडियो शाहपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर नगर स्थित एक तिलक समारोह के बीते शनिवार 26 अप्रैल की बताई जा रही है।

सोशल मीडिया पर तिलक समारोह में हथियार लहराते एवं ताबड़तोड़ हर्ष फायरिंग करने का वीडियो वायरल होने के बाद शाहपुर थानाध्यक्ष कुमार रजनीकांत के बयान पर बिहिया थाना क्षेत्र के भीम पट्टी गांव निवासी विनोद यादव उर्फ रवि यादव उर्फ गोप उर्फ पहलवान, पटना जिला के विक्रम पाली थाना क्षेत्र के धाना रानी तालाब निवासी रामाकांत यादव, शाहपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर पंकज कुमार राय व जिनर सिंह उर्फ जितेंद्र सिंह नामजद सहित एक अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। दर्ज प्राथमिक में शाहपुर थानाध्यक्ष कुमार रजनीकांत के द्वारा बताया गया है कि 28 अप्रैल को संध्या साढ़े बजे सोशल मीडिया के माध्यम से फोटो एवं वीडियो प्राप्त हुआ। उक्त वीडियो और फोटो का सत्यापन किया गया तो मालूम हुआ के 26 अप्रैल को शाहपुर अवस्थित तिलक समारोह पंडाल में कई व्यक्ति को हथियार लहराते एवं हर्ष शायरी करते हुए देखा गया। वहीं स्थानीय चौकीदार एवं स्थानीय ग्रामीणों को उक्त वायरल वीडियो को दिखाते हुए सत्यापित कर सभी लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई।

पूर्व एमएलसी रणविजय सिंह ने मां आरण्य देवी मंदिर में की पूजा-अर्चना, बोले

बड़हरा में होगा सामाजिक बदलाव का शंखनाद

केटी न्यूज/आरा

बुधवार को पूर्व विधान परिषद सदस्य रणविजय सिंह (राजापुर वाले) ने आरा की अधिष्ठात्री देवी, मां आरण्य देवी के मंदिर में पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मंदिर पहुंचने पर ट्रस्ट की ओर से उन्हें मां की चुनरी और तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट के सचिव अरविंद कुमार पांडेय, ट्रस्टी सह सर्जन डॉ. विजय गुप्ता, अधिवक्ता संतोष कुमार सिंह, रूपेश कुमार समेत कई अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पूजा-अर्चना के उपरांत मंदिर ट्रस्ट के आग्रह पर पूर्व एमएलसी रणविजय सिंह ने मंदिर के निर्माण कार्य में सहयोग का वादा किया। उन्होंने एक फ्लोर के लिए मार्बल और मंदिर के मुख्य गेट के भव्य निर्माण में लगने वाली पूरी लागत वहन करने की घोषणा की।

बड़हरा से उठी नए बदलाव की लहर : इसी दिन, बड़हरा की धरती पर रणविजय सिंह (राजापुर वाले) ने सामाजिक और राजनीतिक बदलाव की दिशा में एक नई शुरूआत की। उन्होंने मां आरण्य देवी के चरणों में शीश झुकाकर बड़हरा की जनता के कल्याण का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ हुई, जहां क्षेत्र के बुजुर्गों और सम्मानित जनों ने उन्हें आशीर्वाद दिया। जनसभा को संबोधित करते हुए रणविजय सिंह ने कहा, "अब तक जो स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद मुझे मिला है, वह मेरी ताकत है। मैं जाति या धर्म की राजनीति नहीं करता, मेरे लिए सब बराबर हैं। मेरा संकल्प है कि हर हाथ को काम, हर घर में सम्मान, और हर गांव में विकास। यह चुनाव मेरा नहीं, बड़हरा की जनता का है झ और जीत भी जनता की ही होगी।"

रणविजय सिंह ने इस अवसर पर बड़हरा क्षेत्र में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित कराने की शुरूआत भी की, जिसकी लोगों ने खुले दिल से सराहना की। रणविजय सिंह की यह पहल बड़हरा की राजनीति में एक नई चेतना और विश्वास का संचार कर रही है, जो जनता के मुद्दों पर आधारित, जनसरोकार की राजनीति को मजबूती दे रही है।

जातीय जनगणना कराने की घोषणा का सीएम नीतीश ने किया स्वागत

जातीय जनगणना से सभी वर्गों की वास्तविक सामाजिक-आर्थिक स्थिति सामने आएगी : नीतीश

♦ बोले पूर्व सीएम जीतन मांझी- जाति जनगणना कराने से विभिन्न वर्गों के लोगों की संख्या का पता चलेगा जिससे उनके उत्थान का मार्ग प्रशस्त होगा

केटी न्यूज/पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार के उस फैसले का जोरदार स्वागत किया है जिसमें जातीय जनगणना कराने की घोषणा की गई है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया और कहा कि जातीय जनगणना से देश के सभी वर्गों की वास्तविक सामाजिक-आर्थिक स्थिति सामने आएगी, जिससे उन्हें सशक्त बनाने के लिए बेहतर नीतियां बनाई जा सकेंगी। नीतीश कुमार की यह मांग लंबे समय से थी, और उन्होंने अपने कार्यकाल में बिहार को पहला राज्य बनाया जिसने अपने स्तर पर जातीय सर्वेक्षण (2023) कराया।

हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक और पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने भी इस फैसले को ऐतिहासिक और स्वागत योग्य बताया। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह फैसला उन नेताओं के लिए सबक है जो सालों तक सत्ता में रहे पर जातीय जनगणना की दिशा में कुछ नहीं किया। उनकी टिप्पणी साफ तौर पर उन पार्टियों की आलोचना है जिन्होंने वर्षों तक सत्ता में रहकर भी जातीय आंकड़ों को सामने लाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। जाति जनगणना कराने का केंद्र सरकार का फैसला स्वागतयोग्य है। जाति जनगणना कराने की हमलोगों की मांग पुरानी है। यह बेहद खुशी की बात है कि केन्द्र सरकार ने जाति जनगणना कराने का निर्णय किया है। जाति जनगणना कराने से विभिन्न वर्गों के लोगों की संख्या का पता चलेगा जिससे उनके उत्थान का मार्ग प्रशस्त होगा।

बिहार ने दिखाया रास्ता, केंद्र ने उठाया कदमः बिहार में 2023 में नीतीश कुमार के नेतृत्व में जातीय गणना कराई गई थी। इस सर्वे ने ओबीसी और ईबीसी की जनसंख्या को सामने लाया, जो कुल राज्य की आबादी का 63% से अधिक है। यह रिपोर्ट राज्य की सामाजिक-आर्थिक रणनीतियों का आधार बनी।अब जब नीतीश कुमार एनडीए में लौट चुके हैं, और केंद्र सरकार ने उनके पुराने एजेंडे को अपनाया है, तो यह राजनीतिक दृष्टिकोण से भी एक बड़ा मोड़ माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा आने वाले समय में जाति जनगणना कराने का फैसला ऐतिहासिक व अत्यंत स्वागत योग्य है! यह उन नेताओं के लिए भी एक सबक है जो जातीय जनगणना का राग तो बहुत अलापते रहे, लेकिन दशकों तक सत्ता में रहने पर भी कुछ किया नहीं।

राजनीतिक समीकरणों पर भी पड़ेगा असरः जातीय जनगणना केवल सामाजिक विकास का उपकरण नहीं, बल्कि राजनीतिक सत्ता संतुलन का भी प्रमुख आधार बन सकता है।2024 और 2025 के चुनावों को देखते हुए यह कदम केंद्र सरकार को बहुजन वर्गों और पिछड़े समुदायों के करीब लाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

राजद ने मनाया जश्न, तेजस्वी यादव बोले- यह हमारी जीत

पटना। जातीय गणना कराने की मंजूरी मिलने के बाद राजद में जश्न का माहौल है। खुद तेजस्वी यादव ने इस फैसले के बाद पार्टी के बड़े नेताओं के साथ आतिशबाजी की। उन्होंने कहा कि यह हमारी जीत है। हमारे पुरखों की जीत है। लालू जी की जीत है। तेजस्वी ने कहा कि सभी जानते हैं कि तीस साल पहले लालू जी ने जातीय गणना को लेकर पहली बार मांग उठाई थी। फिर जब मैं डिप्टी सीएम बना तो बिहार में जातीय गणना कराया गया। देश में जातीय गणना करने की मांग की थी। लेकिन प्रधानमंत्री ने इससे इंकार कर दिया। अब जो लोग हमलोगों पर जात की राजनीति करने का आरोप लगाते थे, उन लोगों को करारा जवाब मिला है। तेजस्वी ने कहा कि इनको हमारे ही एजेंडों पर काम करना पड़ रहा है। यह हमारी ताकत है। तेजस्वी ने कहा अब जब केंद्र सरकार ने जातीय गणना कराने का फैसला लिया है तो परिसिमन को इसके बाद किया जाए। ताकि जाति के आधार पर सीटों का निर्धारण किया जाए। तेजस्वी ने कहा कि जातीय गणना के बाद हमारी मांग है कि चुनावों में पिछड़ी जाति के लोगों को आरक्षण दिया जाए। खाली रिपोर्ट आने के बाद बजट में भी पिछड़ी अतिपिछड़ों के लिए बजट का प्रावधान करना चाहिए। साथ ही विधानसभा चुनाव में उनके लिए सीटों का आरक्षण दिया जाए।

अनंत सिंह बोले... 20 दिन में जेल से बाहर आएंगे

केटी न्यूज/पटना

मोकामा के पूर्व विधायक लंबे समय से बेऊर जेल में बंद हैं। बुधवार को उन्हें पोती की शादी में शामिल होने के लिए कोर्ट से एक दिन के लिए जेल से बाहर आने की अनुमति मिली थी। जिसके बाद मोकामा पहुंचे अनंत सिंह अपने चिर परिचित अंदाज में नजर आए। उन्हें देखकर कहीं से यह महसूस नहीं हुआ कि वह इतने दिन से बेऊर जेल में बंद हैं। न ही सिर्फ एक दिन के लिए जेल से बाहर आने को लेकर कोई चिंता नजर आई। अनंत सिंह ने मीडिया से बात करते हुआ कहा कि पोता-पोती की शादी है। इसलिए एक दिन के लिए जेल से बाहर आए हैं। कल वापस जाना है। इस दौरान जब अनंत सिंह से पूछा गया कि वह कब तक जेल में रहेंगे तो उन्होंने डंके की चोट पर कहा कि 20 दिन में जेल से बाहर आ जाएंगे। हाईकोर्ट में मामला है। अनंत सिंह ने इस दौरान यह भी साफ कर दिया कि विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए वह पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मेरा टिकट पक्का है। इसे कोई नहीं रोक पाएगा। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि किस पार्टी से चुनाव लड़ेंगे। लेकिन माना जा रहा है कि वह जदयू के टिकट पर चुनाव लड़ सकते हैं।

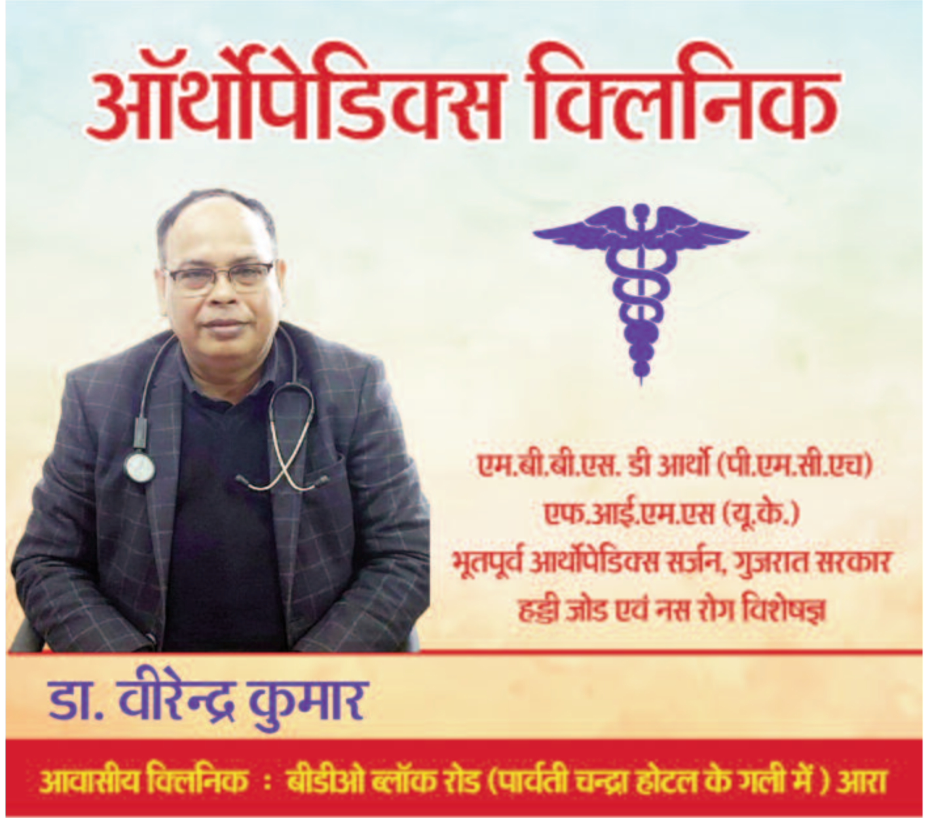

सड़क हादसे में दो दोस्तों की मौत, एक गंभीर

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले में भीषण सड़क हादसे का शिकार तीन दोस्त हो गए, जिनमें से दो की मौत हो गई।वहीं, एक की हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना कुढ़नी थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान गुड्डू कुमार पिता धर्मेंद्र सहनी उम्र लगभग 17 वर्ष बताई गई है। वहीं, रितिक कुमार पिता मुकेश साहनी उम्र 16 वर्ष के रूप किया गया है। जबकि एक अन्य पंकज कुमार पिता लाल सहनी उम्र लगभग 18 वर्ष के रूप में किया गया है। इस घटना में बाइक की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। एक की हालत नाजुक बताई जा रही है।

घटना को लेकर बताया जा रहा है कि एक हाई स्पीड बाइक केटीएम से तीन दोस्त जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। बाइक सवार एक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसने इलाज के दौरान में दम तोड़ दिया। वहीं, एक अन्य गंभीर रूप से इलाजरत है। घटना कुढ़नी थाना क्षेत्र इलाके के जिमदार चौक के पास की बताई गई है। घटना की सूचना मिलते ही कुढनी थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर शव को अपने कब्जे में कर पोस्टमॉर्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है। वहीं, घायल को लेकर इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले में कुढ़नी थाना प्रभारी रवि प्रकाश ने बताया, हाई स्पीड बाइक अचानक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इसमें एक युवक की मौके पर मौत हो गई। जबकि एक की इलाज के दौरान मौत हो गई है। वहीं, तीसरे की हालत गंभीर बताई जा रही है। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए एसकेएमसीएच मेडिकल कॉलेज में भेजा गया है। घायल का इलाज कराया जा रहा है। सभी लोग एक ही गांव के रहने वाले हैं।

हक मांगने से नहीं मिलता बल्कि छीनना पड़ता है : मुकेश सहनी

पटना। विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक और बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने कहा कि हक मांगने से नहीं मिलता बल्कि छीनना पड़ता है। मधुबनी के अरेड के बलाइन में बुधवार को लोगों को संबोधित करते हुए सहनी ने कहा कि भगवान भी कहते हैं कि कर्म करोगे तभी फल मिलेगा। इसलिए हमें कर्म से पीछे नहीं हटना है। उन्होंने लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि एक रोटी कम खाइए लेकिन अपने बच्चों को जरूर पढ़ाइए। उन्होंने कहा कि समाज में अगर सिर उठाकर जीना है तो शिक्षित होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने भी लंबी लड़ाई लड़ी तब देश आजाद हुआ।

दो मई से होगी कम्पार्टमेन्टल परीक्षा

पटना। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने इन्टरमीडिएट एवं मैट्रिक विशेष तथा कम्पार्टमेन्टल परीक्षा की तारीख घोषित कर दी है। यह परीक्षा 2 मई से प्रारंभ होगी, जो दो पालियों में ली जाएगी। इन्टरमीडिएट विशेष परीक्षा में 6,628 तथा कम्पार्टमेन्टल परीक्षा में 45,762 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा का आयोजन राज्य के 110 परीक्षा केन्द्रों पर किया जायेगा। परीक्षा के पहले दिन 02 मई को प्रथम पाली में पूर्वाह्न 09:30 बजे से अपराह्न 12:45 बजे तक विज्ञान, वाणिज्य एवं कला संकाय के परीक्षार्थियों के लिए हिन्दी विषय की परीक्षा का आयोजन किया जायेगा। द्वितीय पाली में अपराह्न 02:00 बजे से 05:15 बजे तक विज्ञान संकाय के परीक्षार्थियों के लिए जीव विज्ञान विषय, कला संकाय के परीक्षार्थियों के लिए इतिहास विषय तथा वोकेशनल के परीक्षार्थियों के लिए अंग्रेजी विषय की परीक्षा आयोजित की जायेगी।

पटना के बाद अब भागलपुर में भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तस्वीर पर पोता काला रंग

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना के बाद अब भागलपुर में भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तस्वीर पर काला रंग पोता गया है। यह घटना उस वक्त सामने आया। जब लोग सुबह अपने घरों से बाहर निकले और देखा कि फ्लाईओवर की दीवार पर लगी मुख्यमंत्री की तस्वीर को किसी ने काले रंग से बिगाड़ दिया है। मामला भागलपुर के औद्योगिक थाना क्षेत्र का है, जो कि थाने से महज सौ मीटर की दूरी पर स्थित है। यह तस्वीर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की थी, जिसमें उनके साथ सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों को दिखाने वाले स्लोगन भी लगाए गए थे। लेकिन सुबह जब लोगों ने देखा, तो तस्वीर पर काला रंग पोता हुआ था। यह न केवल मुख्यमंत्री के प्रति अपमानजनक हरकत है। बल्कि राज्य की कानून व्यवस्था और सुरक्षा पर भी सवाल खड़े करता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने इस हरकत को होते नहीं देखा। कल शाम तक तस्वीर सही सलामत थी। लेकिन सुबह होते ही तस्वीर की हालत बदली हुई दिखी। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह घटना रात के अंधेरे में अंजाम दी गई। घटना की सूचना मिलने पर इलाके में हड़कंप मच गया और राजनीतिक हलकों में भी इसका असर देखा जा रहा है। जैसे ही यह खबर फैली, जदयू (जनता दल यूनाइटेड) के स्थानीय नेताओं और कार्यकताओं में भारी आक्रोश फैल गया। जदयू भागलपुर इकाई के प्रमुख नेता शिशुपाल भारती, विपिन बिहारी सिंह, रवीश कुशवाहा, बृजेश सिंह, प्रदीप कुशवाहा, अंशु कुशवाहा समेत दर्जनों कार्यकताओं ने इस घटना की निंदा की और इसे एक ह्लराजनीतिक साजिशह्व करार दिया। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेहतर प्रशासन और विकास कार्यों से विरोधी दलों को तकलीफ हो रही है। इसलिए वे इस प्रकार की ओछी हरकतें कर रहे हैं।

ऑनलाइन डिलीवरी कंपनी ब्लिंकिट और बिहार लीची उत्पादक संघ के बीच बैठक में निर्णय

अब चंद मिनट में आपके घर पहुंचेगी शाही लीची

केटी न्यूज/पटना

अपनी खास मिठास और सुगंध के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध शाही लीची अब चंद मिनट में आपके घर पर पहुंच जाएगी। यह पहल सबसे तेज डिलीवरी करने वाली ऑनलाइन डिलीवरी कंपनी ब्लिंकिट देगी। हाल में इस कंपनी और बिहार लीची उत्पादक संघ के बीच हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। इसके बाद अब यह देश के महानगर और सुदूर क्षेत्र के दिल्ली, कोलकाता, बेंगलुरु, मुंबई और हैदराबाद चेन्नई जैसे महानगर में भेजी जाएगी। अब इसके ऑर्डर करने के 10 मिनट के अंदर ब्लिंकिट से आपके घर पर पहुंचा देगी। आपको बता दें कि प्रसिद्ध शाही लीची देश भर के कोने-कोने में पहुंचाने की बड़ी योजना है और इसको पहुंचाने के काम में यह और भी तेजी से पहुंचेगी। अब एक ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट ने बिहार के मुजफ्फरपुर से लीची की सीधी खरीदारी और त्वरित डिलीवरी की योजना बनाई है। पहली बार ब्लिंकिट इस सीजन में ऑर्डर करने के 10 मिनट के भीतर घर तक ताजा लीची पहुंचाने की सुविधा शुरू को करने जा रहा है। ब्लिंकिट और बिहार लीची उत्पादक संघ के बीच में जिले के मुशहरी में स्थित राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र में बैठक के बाद अब निर्णय लिया है। आपको बता दें कि इस बैठक में इंडिया मार्केटिंग हेड सार्थक जैन के साथ में बिहार लीची उत्पादक संघ के अध्यक्ष बच्चा प्रसाद सिंह के अलावा एक्सपोर्ट कंपनी के दीपक मिश्रा और ब्लिंकिट के सागर कुमार कृष्ण गोपाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अच्छी पहल गुणवत्ता और समय पर उपलब्ध करवाने पर रहेगा जोर : संघ- अब बिहार लीची उत्पादक संघ के अध्यक्ष बच्चा प्रसाद सिंह ने बताया है कि महानगरों में मुजफ्फरपुर की शाही लीची की मिठास पहुंचेगी। ऑनलाइन डिलीवरी ब्लिंकिट ने अब इस साल मुजफ्फरपुर जिले के अलावा दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई और हैदराबाद समेत अन्य बड़े शहरों में भी लीची भेजेगा। हर दिन 10 से 12 टन लीची खरीदारी कर विभिन्न महानगरों में सप्लाई करेगा। अब यह इसके लिए दरभंगा और पटना एयरपोर्ट से फ्लाइट मोड में लीची की खेप भेजी जाएगी। अब मई के प्रथम सप्ताह में यह कंपनी ब्लिंकिट के अधिकारियों का जिले में दौरा प्रस्तावित है।

बता दें कि पूरे बिहार में करीब 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में लीची की खेती होती है और जिससे लगभग तीन लाख टन लीची का ये उत्पादन होता है। मुजफ्फरपुर जिले में अकेले 12 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में लीची की पैदावार होती है।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में बनेगा एक्वा पार्क, राज्य के 100 मत्स्य पालकों को प्रशिक्षण के लिए भेजा जायेगा हैदराबाद

रांची, एजेंसी। झारखंड में राज्य सरकार द्वारा जल्द ही एक्वा पार्क बनाया जायेगा। इस संबंध में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने जानकारी दी है। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के अनुसार राज्य में एक्वा पार्क बनाने के लिए जल्द ही सकारात्मक कदम उठाये जायेंगे। राज्य में एक्वा पार्क बनने से बड़ी संख्या में मत्स्य पालकों को इससे जोड़ा जायेगा। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की फिलहाल हैदराबाद दौरे पर है। इस दौरान उन्होंने हैदराबाद का फिश फार्म, नेशनल फिशरीज डेवलपमेंट बोर्ड के साथ–साथ खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। मंत्री ने कहा कि झारखंड के मत्स्य पालकों को बेहतर प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद भेजा जायेगा। पहले चरण में 100 मत्स्य पालकों को प्रशिक्षण के लिए हैदराबाद भेजने की योजना है। इसके अलावा राज्य के मत्स्यअधिकारी भी नयी तकनीक की जानकारी लेने हैदराबाद जायेंगे। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा तेलंगाना और झारखंड दोनों में एक समानता है कि दोनों ही राज्य किसानों के बेहतरी और उनके उज्जवल भविष्य के लिए काम करते हैं। मंत्री अपने हैदराबाद दौरे पर लगातार कई विभागों के मंत्रियों से मुलाकात कर राज्य की बेहतरी के लिए काम करने पर विचार कर रही हैं। मंत्री ने तेलंगाना में कृषि एवं सहकारिता सह हैंडलूम टेक्सटाइल मंत्री एवं अन्य अधिकारीयों के साथ बैठक कर तेलंगाना में धान फसल के पैदावार और उसके संग्रहण पर चर्चा की।

रातू रोड फ्लाईओवर में अगर हो गया यह काम तो बढ़ जायेगी रांची की खूबसूरती, लेकिन प्रस्ताव को नहीं मिली स्वीकृति

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के रातू रोड में फ्लाईओवर का काम अपने अंतिम चरण में है। फ्लाईओवर के नीचे पेंटिंग कर शहर की खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए केंद्रीय सड़क, परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा गया है। लेकिन, अब तक इस प्रस्ताव को मंत्रालय की ओर से स्वीकृति नहीं मिली है। फ्लाईओवर के नीचे झारखंडी कला संस्कृति से संबंधित पेंटिंग बनाने के लिए स्वीकृति मांगी गयी है। हालांकि अब तक स्वीकृति नहीं मिलने के कारण फिलहाल सामान्य पेंटिंग शुरू कर दी गयी है। केंद्रीय सड़क, परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय से झारखंडी कला संस्कृति से संबंधित पेंटिंग बनाने के लिए स्वीकृति मिलने के बाद सोहराई सहित अन्य झारखंडी कला से संबंधित पेंटिंग बनाने का कार्य शुरू किया जायेगा। इस पेंटिंग के माध्यम से झारखंड के प्रमुख स्थलों और पशुओं पर आधारित पेंटिंग भी की जायेगी। फिलहाल फ्लाईओवर के नीचे सामान्य पेंटिंग शुरू हो गयी है, जो कि बेहद खूबसूरत लग रही है। इधर भारी विरोध के बीच सिरमटोली फ्लाईओवर का रैंप बनकर तैयार हो गया है। इस पर अलकतरा का काम पूरा कर इसी अंतिम रूप दिया गया। हालांकि अब भी कुछ छोटे–मोटे काम बाकी है। फिनिशिंग का काम भी तेजी से चल रहा है। कई जगहों पर साउंड बैरियर भी लगाये जा रहे हैं। रैंप निर्माण के बाद अब सड़क चौड़ीकरण का काम भी अंतिम चरण में है। मंगलवार (29 अप्रैल) को इंजीनियरों ने अल्योवर और सर्विस रोड की स्थिति का जायजा लिया। अब फ्लाईओवर के उद्घाटन का इंतजार है।

करोड़ों लोगों को हेमंत सरकार देने जा रही है बड़ा तोहफा, 15 लाख रुपये तक का ले सकेंगे लाभ

रांची, एजेंसी। झारखंड के अबुआ स्वास्थ्य योजना और आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के लाभुकों को सरकार बड़ा तोहफा देने वाली है। इन योजनाओं का लाभ ले रहे लोगों को सरकार स्वास्थ्य बीमा कार्ड उपलब्ध करायेगी। स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और परिवार कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने सभी उपायुक्त और सिविल सर्जन के लिए को निर्देश जारी किये हैं। इसमें अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में इस महीने की शुरुआत में हुई समीक्षा बैठक में लिये गये निर्णय का अनुपालन करने को कहा गया है। मालूम हो कि झारखंड अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना से पात्र लोगों का 15 लाख रुपये तक का उपचार मुफ्त होता है।

पलामू में घर से मिला महिला का सड़ा हुआ शव, जांच में जुटी पुलिस

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के रेहला थाना क्षेत्र के बी मोड़ के पास एक घर से महिला का सड़ा हुआ शव बरामद किया गया। मृतिका की पहचान स्व।रामनाथ विश्वकर्मा की 44 वर्षीय पुत्री आरती देवी के रूप में हुई है। आरती के चेहरे पर चोट के कुछ निशान पायें गये हैं, जिसके आधार पर हत्या की आशंका जतायी जा रही है। हालांकि पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है।

जानकारी के अनुसार आरती देवी की शादी लगभग 25 साल पहले गढ़वा जिला के वंशीधर नगर में हुई थी। शादी के 15 साल बाद उसके पति की मौत हो गई। पति की मौत के बाद से आरती पलामू में अपने माता-पिता के साथ रहने लगी थी। माता-पिता के निधन के बाद से आरती अकेली रह रही थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले 3-4 दिनों से आरती को किसी ने नहीं देखा था। इसी बीच आज बुधवार की सुबह जब उसके घर से बदबू आने लगी तो स्थानीय लोगों ने रेहला पुलिस को इसकी सूचना दी।

सुचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जब आरती के घर पहुंची तो दरवाजा खुला मिला। घर के अंदर जाने पर आरती का शव जमीन पर पड़ा मिला। शव पूरी

तरह से फूला हुआ था और उससे दुर्गंध आ रही थी। शव को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि आरती की मौत 4-5 दिन पूर्व ही हुई होगी। आरती के चेहरे पर चोट के कुछ निशान पायें गये हैं, जिसके आधार पर हत्या की आशंका जतायी जा रही है। हालांकि पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है।

स्थानीय नगर भवन गोड्डा में भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय कार्यालय के तत्वावधान में स्वयं सहायता समूहों के बीच ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन एसबीआइ पटना मंडल के मुख्य महाप्रबंधक केवी बंगाराजू, देवघर जोनल उप महाप्रबंधक अभिजीत पांगरेकर, डीडीसी स्मिता टोप्पो, क्षेत्रीय प्रबंधक कामेश्वर कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में 3 सौ से अधिक स्वयं सहायता समूह के बीच ऋण का वितरण किया गया। अपने संबोधन में मुख्य महाप्रबंधक बंगाराजू ने कहा कि जिला व राज्य के विकास को लेकर बैंक एवं सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु स्टेट बैंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। श्री राजू ने 11 करोड़ रुपये के ऋण का वितरण किया, जिसमें विभिन्न स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं शामिल थी। एसएचजी की महिलाओं ने भगैया सिल्क एवं अन्य उत्पादन का स्टॉल भी नगर भवन में लगाया था। श्री राजू ने सभी की जमकर तारीफ की की। कहा कि उनके ही कारण ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के जीवन पर पड साकारात्मक प्रभाव पडा है एवं बैंक द्वारा इस वित्तीय वर्ष में झारखंड राज्य में एसएचजी के प्रदान किये गये ऋण को दोगुणा कर लगभग 2000 करोड रूपये किये जाने का लक्ष्य रखा गया। डीडीसी श्रीमती टोप्पों ने एसबीआइ के पहल की सराहना की।

कहा कि विभिन्न सरकारी योजनाओं में बेहतर काम हो रहा है। स्थानीय तौर पर उत्पादन के प्रयोग एवं प्रचार-प्रसार पर जोर दिया। वोकल फोर लोकल पर जोर देते हुए कहा कि वह स्वयं भी इन उत्पादों को प्रयोग में लाती है। आरएम कामेश्वर कुमार ने कहा कि सभी वर्गों के विकास के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में स्टेट बैंक प्रतिबद्धता रेखांकित किया। इस दौरान जिले के सभी बैंक सखियों को सम्मानित किया गया। मौके पर डीपीएम जेएसएलपीएस सोमेश चंद्र प्रकाश, मुख्य प्रबंधक आलोक रंजन, जितेंद्र सिंह, नीरज कुमार, योगेश लाल के साथ-साथ समूह की दीदियां मौजूद थीं।

रांची में फिर बढ़ा बाइकर्स गैंग का आतंक, एक ही दिन में दो महिलाओं के गले से छिनी चेन

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में फिर एक बार चेन स्नैचिंग जैसी घटनाओं को अंजाम देने वाले बाइकर्स गैंग सक्रिय हो गये हैं। इस गैंग के अपराधी महिलाओं को खास तौर पर अपना निशाना बना रहे हैं। सोमवार को ही अलग-अलग जगहों पर बदमाशों ने चेन स्नैचिंग की एक से ज्यादा घटनाओं को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, बदमाश महिलाओं के गले से चेन छीनकर फरार हो गए। इस घटना में एक वृद्ध महिला घायल भी हो गई।

मामले को लेकर बताया गया कि पहली घटना ग्रीन सिटी पुंदाग रोड की है। यहां बाइकर्स गैंग के अपराधियों ने पूजा करके वापस लौट रही एक 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला के गले से सोने की चेन छीनी और मौके से भाग निकले। लेकिन छिनतई में महिला गिरकर जख्मी हो गई। इस मामले में पीड़िता के पति ने अरगोड़ा थाना में दो बाइक सवार अज्ञात अपराधियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि सोमवार को उनकी पत्नी पूजा कर वापस अपने घर लौट रही थी। तभी बाइक सवार अपराधियों ने पारस अपार्टमेंट के पास उनके गले से चेन छीन ली। इस दौरान उनकी पत्नी गिरकर जख्मी हो गई और उन्हें गंभीर चोटें आईं। महिला की स्थिति ऐसी थी कि वह खुद से उठ भी नहीं पा रही थी। आसपास के लोगों ने महिला की मदद की और उन्हें उठाकर एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई। अपराधियों के खिलाफ साक्ष्य एकत्र करने के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल रही है।

वहीं, दूसरी घटना सोमवार दोपहर की है, जो सदर थाना क्षेत्र के हैदर अली रोड में हुई। यहां बाइक सवार तीन युवकों ने महिला के गले से चेन छीनी, फिर तिरिल रोड की ओर फरार हो गये। घटना के संबंध में जानकारी मिली कि बाइक सवार गाड़ी से उतरकर एक युवक ने महिला से पता पूछा। जब महिला उसे पता बताने लगी, तभी मौका पाकर युवक ने उसके गले से चेन खींच ली। इसके बाद तीनों युवक बाइक से भाग गए। घटना की जानकारी महिला ने पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

वहीं, एक अन्य घटना में रविवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला के साथ भी छिनतई की गई। बताया गया कि बीआइटी मेसरा ओपी क्षेत्र के गेतलातू की रहने वाली सुबह के समय मॉर्निंग वॉक पर निकली थी। उन्होंने गले में सोने का चेन पहन रखा था।

गोपालपुर आधार केंद्र में लोगों का हंगामा, अव्यवस्था व वसूली का आरोप

घाटशिला, एजेंसी। ओघाटशिला प्रखंड में बैंक ऑफ इंडिया की गोपालपुर शाखा में संचालित आधार केंद्र में मंगलवार को आधार अपडेट कराने पहुंचे सैकड़ों लोगों ने अव्यवस्था को लेकर हंगामा किया। उपभोक्ताओं ने संचालक पर जान बूझकर केंद्र बंद रखने और आधार अपडेट के नाम पर 200 रुपये तक वसूलने का आरोप लगाया। एसडीओ सुनील चंद्र से शिकायत की। एसडीओ ने तुरंत कार्यपालक दंडाधिकारी अमन कुमार को जांच के लिए भेजा। कार्यपालक दंडाधिकारी अमन कुमार ने पहुंच कर उपभोक्ताओं से मामले की जानकारी ली।

उपभोक्ताओं का कहना था कि वे धालभूमगढ़, मुसाबनी, गालूडीह, डुमरिया, घाटशिला और दूर-दराज़ इलाकों से सुबह 6 बजे से लाइन में लगे थे। भीड़ बढ़ने के बावजूद केंद्र के संचालक ने लगभग साढ़े 10 बजे केंद्र बंद कर दिया। इससे उपभोक्ता आक्रोशित हो गये। उपभोक्ताओं का कहना है कि यह समस्या एक दिन की नहीं, बल्कि लंबे समय से चल रही है। कई बार उन्हें एक अपडेट के लिए कई दिनों तक चक्कर लगाने पड़ते हैं। कार्यपालक दंडाधिकारी अमन कुमार ने केंद्र के संचालक आलोक कुमार से पूछताछ की।

उन्हें सेवा संचालन में पारदर्शिता बनाये रखने का निर्देश दिया। उन्होंने (कार्यपालक दंडाधिकारी) बताया कि मुसाबनी में आधार केंद्र के अस्थायी रूप से बंद होने के कारण घाटशिला में अतिरिक्त भीड़ उमड़ रही है। इससे व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि 200 रुपये वसूली की शिकायत की जांच गंभीरता से की जायेगी। यदि शिकायत सही पायी गयी, तो कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से लिखित शिकायत देने की अपील की।

आधार केंद्र संचालक आलोक कुमार ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि उन्हें जान बूझकर निशाना बनाया जा रहा है।

पदभार संभालते ही एक्शन में रिम्स निदेशक डॉ राजकुमार, लिये 3 बड़े फैसले, डॉक्टरों को दिया तोहफा

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग के फैसले पर हाईकोर्ट की रोक के बाद राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के निदेशक प्रो डॉ राजकुमार एक बार फिर से वापस काम पर लौट गये हैं। आदेश के बाद मंगलवार को प्रभारी निदेशक डॉ शशिबाला सिंह की जगह उन्होंने विधिवत तरीके से पदभार ग्रहण किया। उन्होंने प्रशासनिक भवन स्थित अपने चेंबर में डॉक्टरों की प्रोन्नति सहित कई जरूरी फाइल निबटाये। कार्यभार संभालने के साथ ही निदेशक ने तीन महत्वपूर्ण निर्णय लिये। उन्होंने चार माह से लंबित डॉक्टरों की प्रोन्नति का रिजल्ट जारी कर 81 चिकित्सकों को प्रोन्नत करने का आदेश जारी कर दिया। इसके साथ ही निदेशक डॉ राजकुमार ने एमआरआई मशीन की खरीदारी के लिए एलसी (लेटर ऑफ क्रेडिट) खोलने का निर्देश दिया। इस कारण ऑर्डर किये गये फिलिप्स कंपनी की एमआरआई मशीन जल्द ही रिम्स को मिल जायेगी। तीसरे निर्णय के तहत उन्होंने एसबीआई बैंक के पास बंद गेट को खोलने का निर्देश दिया।

15 अप्रैल को रिम्स शासी परिषद की बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी के साथ परिषद द्वारा पूर्व में लिये गये निर्णयों को लेकर निदेशक से मतभेद उभर कर सामने आये थे। बैठक में विवाद काफी बढ़ गया था। इस कारण बैठक में मौजूद अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह को हस्तक्षेप करना पड़ा था। इसके बाद अचानक प्रो डॉ राजकुमार को रिम्स निदेशक पद से हटा दिया गया था।

बूढ़े मां-बाप को एक माह से था बेटे का इंतजार ईरान से आए ताबूत में निकली किसी और की लाश,

रांची/चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम के मनोहरपुर प्रखंड के तरतरा गांव के लोग एयरपोर्ट अथॉरिटी और दूतावास को खूब कोस रहे हैं। बेहद आक्रोशित हैं क्योंकि उनके साथ भद्दा मजाक हुआ है। मामला बेहद संवेदनशील है। गांव के नौजवान अह्लाद नंदन महतो पिछले साल अगस्त माह में रोजगार के लिए ईरान गये थे। उनके परिजनों को 28 मार्च को सूचना मिली कि शिप हादसे में अह्लाद की मौत हो गयी है। इस खबर ने अह्लाद के बूढ़े माता-पिता समेत सारे नाते-रिश्तेदारों को झकझोर कर रख दिया था। लेकिन तकलीफ तब और ज्यादा बढ़ गई, जब ताबूत खोलने पर अह्लाद नंदन की जगह यूपी के जौनपुर निवासी शिवेंद्र प्रताप सिंह का शव निकला।

अह्लाद के भाई रघुनंदन महतो ने बताया कि उसकी मौत की खबर से पूरा परिवार सदमे में था। फिर भी शव को लाने के लिए सभी जटिल सरकारी प्रक्रिया पूरी की गई। फिर भी शव के लिए एक माह तक इंतजार करना पड़ा। लेकिन जब शव पहुंचा तो दाह-संस्कार की तैयारी के दौरान ताबूत खोलने पर सबके होश उड़ गये। अह्लाद के भाई ने इसको भद्दा मजाक करार देते हुए भारत सरकार के तौर तरीके पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। रघुनंदन महतो ने यह भी कहा कि कोलकाता एयरपोर्ट पर शव देखने तक नहीं दिया गया। बस, दस्तखत लेकर ताबूत को थमा दिया गया। एयरपोर्ट पर शव की पहचान सुनिश्चित करने की कोई व्यवस्था क्यों नहीं है?

अब सवाल है कि इतने संवेदनशील मामले को इतने असंवेदनशील तरीके से कैसे डील किया गया। क्योंकि एक लापरवाही की वजह से दो परिवारों की ना सिर्फ परेशानी बढ़ गई है बल्कि उन्हें गहरा सदमा लगा है। फिलहाल, इस सवाल का जवाब नहीं मिला है कि अह्लाद नंदन महतो का शव कहां है और इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार कौन है।

मरीजों का पूरा पैसा खत्म कर रिम्स रेफर कर देते निजी अस्पताल, स्वास्थ्य मंत्री का गंभीर आरोप

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा है कि निजी अस्पताल पैसों के लिए मरीजों को भर्ती तो कर लेते हैं, लेकिन स्थिति बिगड़ने पर रिम्स को रेफर कर देते हैं। पैसा निजी अस्पताल कमाते हैं लेकिन दाग रिम्स पर लगता है, क्योंकि इससे रिम्स में मरीजों की होनेवाली मौत की दर बढ़ जाती है।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि निजी अस्पताल मरीजों के इलाज में 10 से 15 लाख वसूल लेते हैं और जब मरीज के पास पैसा खत्म हो जाता है तो उसे रिम्स रेफर कर देते हैं। मंत्री मंगलवार को बीएनआर चाणक्या में आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना तथा मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य योजना से संबंधित कार्यशाला में अस्पताल

प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे।

इसमें शहरी क्षेत्र के 50 बेड से कम तथा ग्रामीण क्षेत्र के 30 बेड से कम क्षमता वाले अस्पतालों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। निजी अस्पतालों की व्यवस्था में उक्त खामियों पर चर्चा करते हुए मंत्री ने कहा कि अब ऐसा नहीं चलेगा। निजी अस्पताल किसी मरीज को भर्ती करते हैं तो उनका पूरा इलाज भी करना होगा। मरीज को ठीक करने की भी जिम्मेदारी उनकी है। अगर इलाज संभव नहीं है तो शुरू में ही कह दें कि रिम्स या किसी दूसरे अस्पताल ले जाएं। पैसा खत्म होने पर रेफर करने की व्यवस्था को वे बंद करना चाहते हैं। उन्होंने कार्यशाला में भाग नहीं लेनेवाले अस्पतालों को चेतावनी के लहजे में कहा कि अगली बार नहीं पहुंचे तो उन्हें बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में काम कर रहे झारखंड के कई चिकित्सक झारखंड लौटना चाहते हैं। हम अहमदाबाद में मिलनेवाले वेतन से दोगुना वेतन उन्हें देंगे। आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना तथा मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य योजना के लिए राज्य सरकार ने शहरी क्षेत्र में न्यूनतम 50 बेड तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 30 बेड को अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए अस्पतालों को छह माह का समय दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उन्होंने सोच-समझकर यह व्यवस्था लागू की है। अस्पताल चला रहे हैं तो बेहतर ढंग से चलाएं। उन्होंने अपने निरीक्षण के क्रम में आई खामियों का जिक्र करते हुए कहा कि दो, तीन, चार बेड का अस्पताल खोलकर भी आयुष्मान का लाभ लिया जा रहा था।पश्चिम बंगाल से आकर लोग भाड़े के मकान में ऐसे अस्पताल चला रहे थे। कार्यशाला में झारखंड आरोग्य सोसाइटी के निदेशक अबु इमरान ने इस वर्ष फरवरी माह से आयुष्मान भारत योजना में लागू नई व्यवस्थाओं को निजी अस्पतालों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया।

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा पेपर लीक पर सियासत तेज, बाबूलाल के साक्ष्य को कांग्रेस ने ठुकराया

रांची, एजेंसी। सीजीएल परीक्षा पेपर लीक मामले में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के द्वारा एक शख्स का इकरारनामा साझा किए जाने के बाद एक बार फिर यह मुद्दा सुर्खियों में है। बाबूलाल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपील की है कि वे हठधर्मिता छोड़कर सीआईडी की बजाय सीबीआई से मामले की जांच कराएं, ताकि झारखंड के बेरोजगारों के साथ इंसाफ हो सके। उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए लिखा है कि ÷नौकरी बिकी है और बिक रही है÷।

इधर, बाबूलाल मरांडी के द्वारा सोशल मीडिया पर जारी किए गए इस इकरारनामे पर सियासत तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे सही करार देते हुए कहा है कि परीक्षा में पेपर लीक कर राज्य के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश की गई है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि हठधर्मिता छोड़ते हुए मामले की सीबीआई से जांच कराए।

भाजपा मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने बाबूलाल मरांडी के द्वारा उठाए गए मामले को सही बताते हुए कहा है कि जिस तरह से साक्ष्य सामने आ रहे हैं और हम लोग लगातार पहले दिन से यह कह रहे हैं कि इस परीक्षा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और गड़बड़ी हुई है ऐसे में सरकार को चाहिए कि मामले की सीबीआई से इस जांच कराए।

सीजीएल परीक्षा पेपर लीक मामले में बाबूलाल मरांडी के द्वारा साक्ष्य प्रस्तुत किए जाने पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि नीट परीक्षा में पेपर लीक हुआ उसका भी साक्ष्य बाबूलाल मरांडी जी को सामने लाना चाहिए। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने बाबूलाल मरांडी को एक्सपायरी टैबलेट बताते हुए कहा है कि इनके पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। राज्य के युवाओं को कैसे दिग्भ्रमित करें, इसी प्रयास में बाबूलाल मरांडी लगे हुए रहते हैं।

धालभूमगढ़ एयरपोर्ट को लेकर ग्रामीणों संग एसडीओ ने की बैठक

धालभूमगढ़, एजेंसी। धालभूमगढ़ एयरपोर्ट के निर्माण के लिए एसडीओ ने ग्रामसभा की बैठक बुलाई। हवाई पट्टी स्थित कालापत्थर पूजा स्थल के निकट बैठक। इसमें देवशोल व रुआशोल के ग्रामीण व एयरपोर्ट से संबंध रखने वाले गांव के लोगों को बुलाया गया है। ग्राम प्रधानों को चिट्ठी भेजकर आमंत्रित किया गया। माइक से प्रचार किया गया। बैठक में अनुमंडलाधिकारी स्वयं उपस्थित होकर ग्रामीणों के साथ संवाद करेंगे। उनकी समस्याओं व एयरपोर्ट को लेकर उनकी असहमति से अवगत हुए। इस समस्या का हल को लेकर ग्रामीणों के साथ चर्चा करेंगे। एयरपोर्ट निर्माण को लेकर प्रशासन के उच्च अधिकारी पूरी तरह से

सक्रिय हो गये हैं। ग्राम सभा की सहमति के लिए ग्राम प्रधान व ग्रामीणों से वार्ता कर रहे हैं। विगत दिनों देवशोल व रुआशोल में ग्राम सभा की गयी, जहां ग्रामीणों ने एयरपोर्ट निर्माण के लिए अपनी स्वीकृति नहीं दी।

बुधवार की बैठक के लिए देवशोल के ग्राम प्रधान दाखिन हांसदा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने सोमवार को अंचलाधिकारी को ज्ञापन सौंप कर उपस्थित नहीं रहने तथा बैठक स्थगित करने की मांग की। इसे लेकर मंगलवार को ग्राम प्रधान दाखिन हांसदा के नेतृत्व में ग्रामीणों का एक प्रतिनिधिमंडल शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन से मिला। उन्हें इस बारे में विस्तार से जानकारी दी। ग्राम प्रधान ने बताया कि मंत्री रामदास सोरेन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस संबंध में ग्राम सभा सक्षम है।

6 हजार शिक्षकों ने मूल्यांकन में नहीं लिया भाग, नाराज होकर सचिव ने दे दिया नया निर्देश

रांची, एजेंसी। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा कराए गए टीचर नीड असेसमेंट (टीएनए) में लगभग छह हजार शिक्षकों ने भाग नहीं लिया।

लगभग चार हजार शिक्षकों ने तो इसके लिए निबंधन हीं नहीं कराया। वहीं, विभिन्न जिलों के 2,032 शिक्षकों ने निबंधन कराकर इसमें भाग नहीं लिया। मूल्यांकन के लिए निर्धारित तिथि को ये शिक्षक निर्धारित केंद्र से अनुपस्थित रहे।

मंगलवार को समीक्षा में यह बात सामने आने के बाद इसपर विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने नाराजगी जाहिर की है।

उन्होंने इसे खेदजनक बताते हुए सभी शिक्षकों का मूल्यांकन में अनिवार्य रूप से भाग लेने के लिए एक और अवसर प्रदान करने के

निर्देश दिया है।

शिक्षकों को यह अंतिम अवसर प्रदान किया जाएगा। इसमें भी मूल्यांकन में भाग नहीं लेने वाले शिक्षकों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

सचिव ने अनुपस्थित शिक्षकों के लिए एक सप्ताह के भीतर टीएनए आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। झारखंड शिक्षा परियोजना के निदेशक शशि रंजन ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों तथा जिला शिक्षा अधीक्षकों को पत्र भेजकर सचिव के सख्त निर्देश की जानकारी दी है।

साथ ही निबंधन नहीं करानेवाले तथा टीएनए में अनुपस्थित रहनेवाले शिक्षकों की सूची सभी जिलों को सौंपते हुए एक से तीन मई तक शिक्षकों का निबंधन कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही टीएनए में भाग लेने के लिए सभी शिक्षकों को निर्देशित करने को कहा है।

टीएनए का दूसरा चरण पांच अप्रैल को ही आयोजित किया जाएगा। शिक्षा सचिव ने इसे लेकर भी निर्देश दिए हैं। बताते चलें कि इसका पहला चरण 24-29 अप्रैल को संपन्न हुआ।

टीएनए में सभी शिक्षकों को अनिवार्य रूप से भाग लेने के पहले ही निर्देश दिए जा चुके हैं। इनमें सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं प्लस टू उच्च विद्यालयों के शिक्षकों को भाग लेना है। शिक्षकों का निबंधन सेंटा ऐप पर किया जा रहा है।

सुभाषितम्

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है। - धीरूभाई अंबानी

सीरिया से बदतर हो जाएंगे पाकिस्तान के हालात

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जितनी भी निंदा की जाए कम है। इस घटना के दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी ही चाहिए, फिर चाहे वो देश के अंदर मौजूद हों या फिर सीमापार। इससे किसी भी शांतिप्रिय व्यक्ति या देश को आपत्ति भी नहीं होनी चाहिए। बल्कि ऐसे आतंकियों को सजा दिलाने में सभी को साथ आना चाहिए, ताकि दुनियां में यह संदेश जा सके कि निर्दोष और निहत्थों पर जुल्म और ज्यादती करने और बेरहमी से जान लेनें वालों की इस दुनियां में न तो कोई जगह है और न ही किसी को उनकी जरुरत है। पर अफसोस कि आतंकवाद को पालने और दरिंदों की फौज तैयार कर पड़ोसियों को ज्यादा से ज्यादा परेशान करने की जो रणनीति पर चल रहा हो, वह शांति और भाईचारे की बात को कैसे समझ सकता है। ठीक वैसे ही जैसे कि जो इमारत नफरत की नींव पर खड़ी की गई हो उसमें सुख-समृद्धि और भाईचारा कैसे निवास कर सकता है। बगावत और हमेशा कत्लेआम की भाषा बोलने वाले प्रगति के पथ पर सरपट दौड़ ही नहीं सकते। इसके चलते बहुतायत में अशिक्षा, बेरोजगारी और गरीबी पनपती है और फिर शुरू होता है अपनों और परायों का फर्क किए बगैर छल-कपट और फरेब के साथ ही खून-खराबे का वो दौर जो इस समय पाकिस्तान में देखने को मिल रहा है। वैसे देखा जाए तो विभाजन के बाद से पाकिस्तान कभी सुकून से बैठा ही नहीं। राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद को पालने का परिणाम बांग्लादेश के तौर पर पाकिस्तान के दो टुकड़े हो जाना हमेशा। उसके दिल में इसकी टीस सदा ही उभरती होगी, इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता है। बावजूद इसके सही रास्ते पर आने की जगह पाकिस्तान अपने ढर्रे पर कायम रहा, नतीजा पीओके और बलूचिस्तान के साथ ही अफगानिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में बगावत के सुर और बड़ी तादाद में हिंसा का होना है। अब यदि वह कुछ और करने की सोचता भी है तो बिना कुछ किए एक और प्रांत अलग देश बनाने को तैयार बैठा है। पाकिस्तान की संसद में इसको लेकर बात भी हो चुकी है, जिसे एक सांसद ने यह कहते हुए बतला दिया था कि इस अशांत प्रांत के 12 जिलों में विद्रोही गुटों की आजाद सरकारें चल रही हैं। मतलब साफ है कि जहां आवामी सरकार के पैररल किसी संगठन की अपनी सरकार चल रही हो, वहां के हालात कैसे हो सकते हैं। इस समय पाकिस्तान के कुछ मंत्री समेत नेता भी भारत को गीदड़भभकी देने का काम कर रहे हैं। परमाणु संपन्न होने का वो दम भर रहे हैं और बता रहे हैं कि ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा। बात यह है कि यदि वाकई युद्ध होता है तो फिर पाकिस्तान के अंदर मौजूद विद्रोही गुट क्योंकर खामोश बैठेगा। वह भी मौका देख अपने मकसद को पूरा करने के लिए पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ हथियार उठाने से पीछे नहीं हटेगा। स्थिति सीरिया से भी बदतर हो जाएगी और एक और जख्म देश टूटने का पाकिस्तान को सहना पड़ जाएगा। ऐसा नहीं है कि देश के हालात से पाकिस्तान की मौजूदा शहबाज सरकार नाबाकिफ है, लेकिन इससे निकला कैसे जाए यह उसे सूझ ही नहीं रहा है। गौर करने वाली बात है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जो खुद इस समय जेल में हैं कह रहे हैं कि पहलगाम घटना में लोगों की जान जाना बेहद परेशान करने वाला और दुखद है। पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। वो पुलवामा घटना को याद करते हुए आगे कहते हैं कि जब पुलवामा की घटना हुई थी, तब हमने भारत को हरसंभव सहयोग करने की पेशकश की थी, लेकिन भारत तब कोई ठोस सबूत पेश करने में विफल रहा। इसके साथ ही इमरान ने यह भी कह दिया कि उन्होंने तो पहलगाम जैसी घटना की 2019 में ही भविष्यवाणी कर दी थी। वैसे इमरान की बात ज्यादा इसलिए मायने नहीं रखती क्योंकि उन्हें खुद अपने भविष्य का पता नहीं है।

चिंतन-मनन

विनम्रता का पाठ

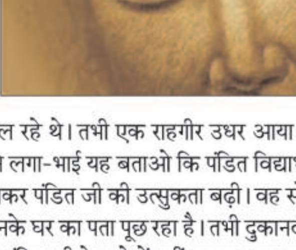

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे- रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो? दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया- लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है। वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

मजदूरों के हितों को सुरक्षित करना होगा

- नरेन्द्र भारती

बेशक देश में प्रतिवर्ष की तरह 1 मई को मजदूर 2025 दिवस मनाया जा रहा है। केवल मात्र एक दिन बडे-बड़े सैमिनार, गोष्ठियां की जाती है मजदूरों के हितों को सुरक्षित करने के लिए बड़े दावे किये जातें है मगर 364 दिन मजदूरों के बारे में कोई नहीं सोचता कि मजदूरों के साथ कैसे-कैसे हादसे होते रहते है। प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं हर जगह मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। देश में मजदूरों के साथ हादसे कब थमेगें यह एक यक्ष प्रशन है। हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के नाम पर सैकडों योजनाए चलाई जाती है मगर उन्हे उनका हक नहीं मिलता। देश में हर रोज मजदूर बेमौत मर रहे हैं। प्रतिदिन समाचार पत्रों में मजदूरों के मरने की खबरें सुखियां बनती है मगर सरकारें मूकदर्शक बनी तमाशा देख रही हैं। देश में मजदूरों के साथ हादसे थमने का नाम नहीं ले रहें हैं हर साल दिवस मनाए जाते है मगर धरातल की सच्चाइयां बहुत ही भयानक है मजदूरों का शोषण किया जाता है। मजदूरों के साथ होने वाले यह हादसे बहुत ही त्रासदी है। कहीं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं। हादसों की बजह से बच्चे अनाथ हो रहे है। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। देश में हर वर्ष लाखों मजदूर दबकर मारे जा रहे हैं उद्योगों में जलकर मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। देश के कारखानों में मजदूर मर रहे हैं, इमारतों के नीचे दबकर मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। हादसों को देखकर रौगटे खडे.हो जाते हैं देश के राज्यों में चल रहे ईटों के भठठों में मजदूर मारे जा रहे हैं। मजदूरों के पसीने से ही ईंटें पकती हैं मगर भठठा मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं मजदूर खून-पसीना बहाकर काम करते है। मगर बदले में मेहनताना नाममात्र दिया जाता है। मालिक मजदूरों के सिर पर करोड़ों रुपया कमा रहे है। आकडों के मुताबिक बीते सालों में देश में हजारों मजदूर मारे जा चुके है।हादसों नं सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। हांलाकि इसयह कोई पहला हादसा नहीं है पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं। फरवरी 2024 को बद्दी की परफ्यूम फैक्ट्री में घटित हुआ जहाँ 35 लोग झूलस गए और एक महिला की मौत हो गई चार लोगों को पीजआई में भर्ती किया है ' अभी भी 20 लोग लापता हैं सर्च ऑपरेशन जारी है फैक्ट्री के प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया है आगजनी के समय करीब 50 कामगार मौजूद थे 30 कामगारों ने ऊपरी मंजिल से कूद कर अपनी जान बचा ली इनमे तीन की रीढ़ की हड्डी टूट गई मलिक प लापरवाही बरतने का मामला दर्ज कर लिया है इससे पहले भी बद्दी में काफी अग्निकांड हो चुके हैं लेकिन सबक नहीं सीख रहे हैं सरकारों को इस हादसे से संज्ञान लेना चाहिए '2019 में राजधानी दिल्ली में रानी झांसी रोड़ पर स्थित अनाज मंडी में रविवार सुबह चार बजे आग लगने से 43 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा कई लोग घायल हो गए थे ।एडीआरएफ की टीम ने केवल 56 लोगों की जान बचा ली थी ।यह भीषण आग सुबह साढे चार बजे के करीब लगी थी।आग लगने का कारण शार्टसर्किट था । भारतीय दंड सहिंता की धारा 304 के अंतंगत मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है ।यह मजदूर बिहार के समस्तीपुर के एक ही गांव के है ।पलक झपकते ही अनाज मंडी शमशानघाट बन गई थी ।लाशों के ढेर लग गए थे ।चीखो पुकार मच गई थी ।मजदूर खाक ह गए थे । कैसी विडंबना है कि कभी सुरगों व उद्योगों में बेमौत मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है ।2025 के 4 महिनों में उद्योगों में आग के काफी मामले घटित हुए है। देश में मजदूरों के साथ होने वाले हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं ।कारखानों में जल कर मजदूर मर रहे हैं ।गत वर्ष भी एक ही दिन में दो हादसों में 19 मजदूर मारें गए थे जब राजधानी दिल्ली के बाहरी जिले में स्थित बवाना औद्योगिक क्षेत्र में एक पटाखें की फैक्टरी के गोदाम में भीषण आग लगनें के कारण 17 लोगों की मौत हो गई थी और तीस लोग बुरी तरह झुलस गए थे। मरने वालों में 10 महिलाएं तथा 7 पुरुष थी ।मजदूरों ने सपने में भी नही सोचा होगा कि यह पटाखा गोदाम शमशान बन जाएगा ।पल भर में जिन्दा लोग राख में बदल गए यह बहुत ही त्रासदी है ।लगभग तीन घंटे की मश्क्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका तब तक सब कुछ राख हो चुका था ।आग के कारणो का पता नहीं चल पाया है। प्रशासन को चाहिए कि लापरवाही बरतने वालों को सजा दी जाए ताकि फिर एसे हादसे न हो सके। दूसरे हादसे में कानपुर में भी दो मजदूरों की मलबे में दबने से दर्दनाक मौत हो गई। एक दिन में ही 19 मजदूर मारे गए ।यह बहुत ही दुखद है। ।बीते वर्ष में रायबरेली के उंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे।500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है। एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टाज्सफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपूर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे। यह बैरक लोहे व फाईबर की बनी थी। यह बहुत ही दुखद हादसा था। आग लगने का कारण बिजली का शार्टसर्किट था ।इस बैरक में 100 से अधिक लोग रहते थे। मगर छुट्टी होने के कारण आसपास के लोग अपने घरों को चले गए थे। गनीमत रही की यह अपने-अपने घरों को गए थे वरना मृतको की संख्या 100 के लगभग होती । नया वर्ष इन मजदूरों के लिए यमराज बन कर आया था और बेचारे टनल में ही जिन्दा जलकर राख हो गए थे इन अभागों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा की नया साल उनके लिए घातक साबित होगा। मारे गए मजदूरों में एक मजदूर हिमाचल के कांगड़ा का था तथा एक पंजाब का था बाकि बनिहाल-रामबन क्षेत्र के निवासी थे। सुरगं में घटित इस दर्दनाक हादसे ने कई प्रशन खड़े कर दिए है कि आखिर यह हादसे कब रुकेगें। यह कोई पहला हादसा नहीं है देश में अब तक हजारों मजदूर बेमौत मारे जा चुके है।

शोषण के साए में खड़ा विकास

— डॉ. सत्यवान सौरभ

जिन हाथों ने इस देश की इमारतें खड़ी कीं, उन्हीं हाथों को आज रोटी, छत और पहचान के लिए जूझना पड़ रहा है। दिहाड़ीदार मजदूर केवल श्रम नहीं देते, वे इस देश की नींव हैं लेकिन सबसे उपेक्षित भी। विकास की रफ्तार में उनका पसीना झलकता है, पर उनकी आवाज नहीं सुनाई देती। क्या यही है नए भारत का सपना जहाँ श्रमिक अनदेखे, अनसुने और असुरक्षित रहें? बदलते दौर में जब तकनीक, पूंजी और ग्लैमर की दुनिया भारत को चमकाता दिखता है, तब देश का एक बड़ा तबका ऐसा है जो उस चमक की नींव बनाता है लेकिन खुद अंधेरे में घुटता रहता है। यही तबका है – दिहाड़ीदार मजदूर। जिनकी बदौलत गगनचुंबी इमारतें खड़ी होती हैं, सड़कों पर रफ्तार दौड़ती है, और शहर सांस लेता है। परन्तु विडंबना यह है कि इन मजदूरों के जीवन में न तो स्थिरता है, न सुरक्षा, न पहचान और न ही संवेदनशीलता। दिहाड़ीदार मजदूरों की दुर्दशा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक उपेक्षा और संस्थागत असफलताओं की भी उपज है। कोविड-19 महामारी हो या हालिया शहरी आपदाएँ, सबसे पहला और सबसे गहरा आघात इसी वर्ग को झेलना पड़ा। रोज कमाने-खाने वाले इन श्रमिकों के लिए लॉकडाउन और आर्थिक मंदी जीवन-मरण का प्रश्न बन गई। सरकारी घोषणाओं में इनके नाम भले दर्ज हों, पर न आंकड़ों में इनका कोई भरोसेमंद रिकॉर्ड है, न योजनाओं के क्रियान्वयन में इनकी प्राथमिकता।

भारत का श्रमबल लगभग 500 मिलियन है, जिसमें से 90 प्रतिशत से अधिक श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत हैं। शहरी भारत की लगभग 72 प्रतिशत कार्यशक्ति दिहाड़ी श्रमिकों के रूप में काम कर रही है। यह बैकएंड इंडिया, जिसे कोई नहीं देखता, फ्रंटएंड इंडिया की रफ्तार बनाए रखने के लिए दिन-रात खटता है। यह वर्ग न केवल भारत की, बल्कि सिंगापुर, दुबई और खाड़ी देशों की आधुनिकता की नींव भी है। लेकिन विडंबना है कि इन्हें कोई पहचान पत्र नहीं, कोई बीमा नहीं, कोई स्थायित्व नहीं – केवल मेहनत और उपेक्षा मिली है। भारत में मजदूरों की लड़ाई कोई नई नहीं है। ब्रिटिश काल में बॉम्बे मिल मजदूर आंदोलन (गिरनी कामगार आंदोलन) से लेकर 1920 में ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (अक्ळवउ) की स्थापना तक, मेहनतकशों ने संगठित होकर अपने हक की आवाज बुलंद की। 1 मई को ह्यमजदूर दिवसह्व के रूप में मनाने की परंपरा भले शिकागो आंदोलन से शुरू हुई हो, लेकिन भारत के श्रमिकों ने भी समय-समय पर सत्ता को झकझोरने वाला संघर्ष किया है। परंतु दुखद यह है कि 21वीं सदी में भी उनके मुद्दे वैसे ही हैं – न्यूनतम वेतन, सुरक्षा, और गरिमा।

फैक्ट्रियाँ, होटल, रेस्टोरेंट, कंस्ट्रक्शन साइट्स, डिलीवरी सेवाएँ – सब इन पर निर्भर हैं। ओला-उबर ड्राइवर से लेकर राजमिस्त्री, बढ़ई, फूड डिलीवरी बॉय और प्लंबर तक – ये ही हैं जो शहरों को गतिशील बनाए रखते हैं। लेकिन जब सवाल उनके अधिकारों का आता है तो तंत्र मौन हो जाता है। इनके लिए न पर्याप्त जल-स्नान की व्यवस्था है, न सुरक्षित आवास, न शुद्ध पेयजल, न स्वास्थ्य सेवाएँ। हाथ धोने की सलाह दी जाती है, पर इनके लिए हैंडपंप भी अविश्वसनीय होते हैं। बीमार हों तो अस्पताल की कतार में कोई नाम नहीं, बैंक हो तो खाता नहीं, और श्रम हो तो मान्यता नहीं। संक्रमण, अस्वास्थ्यकर माहौल और मानसिक शोषण की तीनहरी मार इन पर हर रोज पड़ती है। इन मेहनतकशों में बड़ी संख्या महिला श्रमिकों की है – निर्माण स्थलों पर ईंट ढोती, घरों में बर्तन माँजती, खेतों में पसीना बहाती, और फिर घर लौटकर चूल्हा-चौका भी संभालतीं। इनके पास न मातृत्व अवकाश है, न यौन उत्पीड़न से सुरक्षा, न ही समान वेतन की गारंटी। सबसे दुखद यह है कि महिला मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में अक्सर ह्यअदृश्यह्व मान लिया जाता है।

कोविड-19 महामारी के दौरान जब शहरों में लॉकडाउन लगा, तब सड़कों पर नंगे पांव, भूखे-प्यासे हजारों किलोमीटर पैदल लौटते प्रवासी मजदूरों की तस्वीरें पूरे देश को झकझोर गईं। जिन हाथों ने शहर बनाए, वे ही सबसे बेगाने हो गए। सरकारें एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालती रहीं, और ये मजदूर अपने गाँवों की ओर लौटते हुए ट्रेन की पटरी तक पर जान गंवाते रहे।

ऐसी स्थिति में सवाल उठता है – इनकी दुर्दशा का जिम्मेदार कौन? सरकारें जो केवल चुनावी मौसम में इन्हें याद करती हैं? समाज जो केवल इनके श्रम का उपयोग करता है पर इंसान नहीं समझता? या वह नीति-तंत्र जो अभी भी इन्हें ह्यअस्थायीह्व मानता है, जबकि पूरा शहरी भारत इन्हीं के श्रम पर टिका है? हमारे शहर यदि किसी की हड्डियों पर खड़े हैं, तो क्या उनका हक सिर्फ पसीना बहाना है? क्या देश के विकास का मतलब सिर्फ ऊँची इमारतें हैं, या उन इमारतों को खड़ा करने वाले हाथों की खुशहाली भी? हमें नीतिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर क्रांति की आवश्यकता है। सबसे पहले, इनके पंजीकरण की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए – ई-श्रम पोर्टल जैसी पहल को व्यापक और स्थानीय स्तर पर पहुँचाना होगा। साथ ही, ह्यअसंगठित कामगार सूचकांक नंबर कार्डह्व को हर मजदूर तक पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता बननी चाहिए। यह न केवल उन्हें एक पहचान देगा बल्कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने का जरिया भी बनेगा। सामाजिक सुरक्षा कोष में तेजी लाना अब विलंब नहीं सह सकता। हर मजदूर को स्वास्थ्य बीमा, न्यूनतम वेतन की गारंटी, और आकस्मिक परिस्थितियों में राहत मिलनी ही चाहिए। स्मार्ट शहर की परिभाषा तब तक अधूरी है जब तक वह अपने सबसे असुरक्षित श्रमिक को गरिमा नहीं दे पाता। स्थानीय निकायों, पंचायतों और नगरपालिकाओं को भी चाहिए कि वे इन दिहाड़ीदारों को उनके कौशल के अनुसार रोजगार से जोड़ने का काम करें। एक श्रम सहायता केंद्र हर नगर में हो, जो जानकारी, परामर्श, और सहायता का केंद्र बने।

भारत से सिंगापुर, कतर और दुबई जैसे देशों में गए मजदूरों की मेहनत वहाँ की इमारतों की पहचान बनी। लेकिन वहाँ भी उनके लिए बुनियादी सुविधाओं की कमी, और यहाँ अपने देश में तो वे कमजोर तबका कहलाते हुए पूरी तरह उपेक्षित हैं। विकासशील देश के नागरिकों को अपने ही देश में दूसरे दर्जे का नागरिक बनाना कैसी विडंबना है?

गुरुग्राम के निर्माण स्थल पर काम करने वाले रामनाथ प्रतिदिन 12 घंटे ईंट-बजरी उठाते हैं।

जनकल्याण के प्रणेता, डां सुमेर सिंह सोलंकी

-हेमेन्द्र क्षीरसागर

राष्ट्रभक्ति, सेवा, संगठन का समर्पण कभी निरर्थक नहीं जाता, इसका परिणाम देर नहीं सवेरे जरूर आता है। ऐसे ही अंतोदय से सूर्योदय, सर्वोदय से राष्ट्रोदय की विचारधारा से अभिप्रेरित, 01 मई 1972 को मध्यप्रदेश की धरा बड़वानी जिले के ग्राम थान, तहसील पाटी में श्रीमती बटली बाई-अमर सिंह सोलंकी के घर जन्मे डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी जीवन संगिनी श्रीमती मंजुला सोलंकी के संग 30 जुलाई 2002 को दांपत्य में बंधे। एक बेटी, एक बेटा के पिता डां सोलंकी खरगोन-बड़वानी पूर्व सांसद माकन सिंह सोलंकी के भतीजे हैं। सेवाकाल बड़वानी के शहीद भीमा नायक शासकीय महाविद्यालय में इतिहास विभाग के प्रोफेसर रहे हैं। दौरान प्रोफेसर सोलंकी ने अध्यापन के साथ ही समाज सेवा में सक्रिय रहे। इन्हें उत्कृष्ट कार्य के लिए कई बार पुरस्कृत किया जा चुका है। डॉ. सोलंकी लंबे समय से स्वच्छता और अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करते रहे हैं। उन्होंने 240 गांवों में जागरूकता शिविर आयोजित किए। करीब साढ़े 600 जागरूकता रैली निकाली। इन्होंने सवा 500 गावों में स्वच्छता अभियान के लिए स्वच्छता दूत नियुक्त किए। इसके अलावा करीब 150 गौरी बंधनों का निर्माण लोगों के सहयोग से करवाया। सोलंकी के मार्गदर्शन में बड़वानी जिले को राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत दो राष्ट्रीय पुरस्कार और चार राज्य स्तरीय पुरस्कार मिल चुके है। प्रत्युत, डां सोलंकी अपने पिता की सबसे बड़ी संतान थे, इसलिए परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति में घर चलाने का दबाव उन पर बचपन से रहा। उन्होंने अपने पिता के साथ खेती-बाड़ी में हाथ बंटाया, बकरियां चराई और मजदूरी भी की। जैसे तैसे दसवीं तक स्कूल गए, उसके बाद तंगहाली के चलते स्कूल छोड़ दिया। मजदूरी के साथ आगे की पढ़ाई चलती रही। वहीं उन्होनें घर का खर्च चलाने के लिए दस साल तक गांव में मोटर रिवाइंडिंग का काम भी किया। इस पैसे से उच्च शिक्षा हासिल की और आगे जाकर इतिहास में पीएचडी की उपाधि हासिल की। वे अपनी तहसील के पहले आदिवासी थे, जिन्हें पीएचडी की डिग्री मिली। कडी मेहनत के बल पर 2005 में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के जरिए सहायक प्राध्यापक के पद पर चयनित हुए। स्तुत्य, 2020 में राज्यसभा का टिकट मिलने के बाद संगठन का आभार जताते ते हुए कहा था कि यदि मुझे मां भारती की सेवा का अवसर मिला तो मैं इसके लिए सर्वस्व तैयार हूं। वे बचपन से ही आरएसएस से जुड़े हुए हैं। सोलंकी लंबे समय से वनवासी कल्याण परिषद के माध्यम से जन कल्याण के कामों में लगे हुए हैं। जब वे अपने गांव से राज्यसभा चुनाव के लिए भोपाल रवाना हो रहे थे तो उनके पिता खेत में बुवाई की तैयारी कर रहे थे और मां बीज चुन रही थी। ऐसी कर्मठता और जमीनी हकीकत से वास्ता रखने वाले डां सुमेर सिंह सोलंकी आज भी सहज -सरल, सुबोध बनकर अपने प्रणपथ पर अविरल हैं। जनकल्याण के प्रणेता, एक सफल राज्यसभा सांसद के तौर पर वे जन-जन और समग्र विकास की मुखर आवाज है।

आज का राशिफल

मेष आज दिन कारोबार और आर्थिक मामलों में लाभ से भरा होगा। आपके सभी रुके हुए काम पूरे होंगे।

वृषभ करियर में सम्मान मिलेगा। अचानक धन लाभ होने के योग हैं और आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी।

मिथुन आज भाग्य साथ देगा। आपके द्वारा बनाई गई योजनाएं सफल होंगी। आपकी तरक्की होगी।

कर्क आज करियर में सफलता मिलेगी। कारोबार में तरक्की और सफलता के योग बन रहे हैं।

सिंह आज दिन शुभ है। योजनाएं सफल होंगी। राजनीतिक क्षेत्र में कामयाबी मिलेगी। संतान के दायित्व पूरे होंगे।

कन्या आज दिन प्रसन्नता से भरा रहेगा। आपको रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। धन में वृद्धि के योग हैं।

तुला सम्मान से भरा रहेगा। शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि मिल सकती है।

वृश्चिक आज आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। धन और सम्मान में वृद्धि होगी। रुके हुए काम पूरे होंगे।

धनु आज दिन अधिक खर्च वाला रहेगा। सांसारिक सुख-भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

मकर करियर के मामले में लाभ का दिन है। कारोबार में लाभ होगा। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

कुंभ आज करियर के मामले में काफी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। खर्च अधिक रहेगा।

मीन आज दिन शुभ है। किसी काम से यात्रा हो सकती है। व्यापार में बढ़ती प्रगति से खुशी होगी।

विशेष

राहुल गांधी की सकारात्मक सोच

कांग्रेसा सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 29 अप्रैल को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली और पूर्व संसदीय क्षेत्र अमेठी के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। इससे पहले लखनऊ एयरपोर्ट पर राहुल का कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इसके बाद राहुल रायबरेली पहुंचे और जिस तरह से उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की और लोगों से मिले उससे संदेश गया कि वो सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने वाले नेता हैं न कि लकीर के फकीर बने रहने वाले। इसी सकारात्मकता के साथ राहुल गांधी ने रायबरेली के कुंदनगंज में मेगावॉट एटम सोलर रूफ प्लांट और एटम इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन भी किया।

पाकिस्तान क्यों नहीं आ रहा बाज

भारत और पाकिस्तान के बीच जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद से तनाव बढ़ता ही जा रहा है। दरअसल पाकिस्तान आतंकवादियों पर कार्रवाई करने की जगह लगातार छठवें दिन भी नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सीजफायर का उल्लंघन करते हुए गोलीबारी करता रहा है। यह अलग बात है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तानी फायरिंग का मुंहतोड़ जवाब दिया है। बावजूद इसके पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज आने को तैयार नहीं है। यहां अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान से आपसी बातचीत से मसले का हल निकालने की अपील की है, लेकिन इससे क्या क्योंकि पाकिस्तान जानता है कि वह अपने पाले हुए आतंकियों के आगे खुद बोना साबित हो रहा है।

कार्टून कोना

आतंकियों के पास धर्म पूछने का वक्त नहीं होताः कांग्रेस विधायक विजय विडेट्टीवार

आज का इतिहास

1707: इंग्लैंड और स्काटलैंड का संघ ग्रेट ब्रिटेन के रुप में बना. 1819: फ्रांस में प्रेस स्वतंत्रता संबंधी कानून लागू हुआ. 1886: शिकागों में श्रमिकों ने काम, विश्राम और मनोरंजन के लिए समय निर्धारित करने की मांग की. 1897: स्वामी विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की. 1908: मुजफ्फरपुर बमकांड में खुदीराम बोस के सहयोगी प्रफुल्ल कुमार ने आत्म हत्या की. 1923: भारत में सिंघारावेलु चेट्टियार ने भारत में पहली बार मई दिवस का आयोजन किया. 1942: द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी फौजों ने मांडेला पर कब्जा किया. 1960: मुम्बई को विभाजित कर दूसरा गृहयुद्ध शुरू हुआ. 1987: उच्च न्यायालय द्वारा दल- बदल विरोधी कानून वैध. 1989: कंबोडिया सरकार ने देश का नाम और ध्वज बदल दिया.

दैनिक पंचांग

1 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

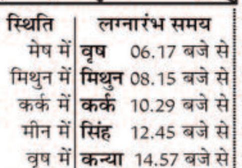

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.17 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मिथुन	08.15 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.29 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	12.45 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	14.57 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.07 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.22 ब.से
राहु	मीन में	धनु	21.38 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	23.43 बजे से
राहुकाल		कुंभ	01.30 बजे से
1.30 से 3.00		मीन	03.02 बजे से
बजे तक		मेष	04.33 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 121 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास वैशाख **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 11.24 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 14.21 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 08.34 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 11.24 बजे तदनन्तर बव 22.14 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 05'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872331
जूलियन दिन 2460796.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद **तारीख** 02
विशेष विनायक चतुर्थी, अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

आवाज के साथ खेलना पसंद है तो बनें डबिंग आर्टिस्ट

क्या आपको बोलने का शौक है? क्या आपको अपनी आवाज के साथ प्रयोग करना और उसके साथ खेलना पसंद है अगर आपकी वाकई रुचि आवाज की दुनिया में हो तो डबिंग आपके लिए एक शानदार करियर हो सकता है। डबिंग आर्टिस्ट के रूप में आप नाम, शोहरत और अच्छा पैसा कमा सकते हैं। यूं तो टेलीविजन की दुनिया में डबिंग एक बेहतरीन अवसर बनकर उभर रहा है लेकिन इसके अलावा क्षेत्रीय फिल्मों, विदेशी फिल्मों, रेडियो, विज्ञापन, कार्टून में भी काफी अवसर पैदा हो रहे हैं। आज हिंदी में डब किए जाने वाले टीवी शोज और उनके लिए डबिंग आर्टिस्ट्स की तादाद बढ़ती जा रही है। आज देश की लगभग हर भाषा में टीवी प्रोग्राम डब किए जा रहे हैं। कई हिंदी फिल्मकार भी अपनी फिल्मों को रीजनल भाषा में डब करके रिलीज कर रहे हैं। कई फिल्म और टेलिविजन प्रोडक्शन हाऊस के पास खुद के डबिंग डिपार्टमेंट और डबिंग आर्टिस्ट होते हैं। ये प्रोडक्शन हाऊस अपने प्रोग्राम्स को अलग अलग भाषाओं में डब करके देश के सभी हिस्सों में भेजते हैं। टीवी चैनलों पर प्रसारित होने वाली कई कार्टून और एनिमेशन फिल्में विदेश से आती हैं। हिंदी या अन्य भारतीय भाषा जानने वाले बच्चे इन्हें समझ सकें, इसलिए इन्हें भारतीय भाषाओं में डब किया जाता है। साइंस,हिस्ट्री और एडवेंचर प्रोग्राम दिखाने वाले कई टीवी चैनल्स भी अपने प्रोग्राम हिंदी समेत अन्य भारतीय भाषाओं में डब कराते हैं, ताकि उन्हें ज्यादा से ज्यादा भारतीय दर्शक मिल सकें। टीवी पर दिखाया जाने वाला एक ही विज्ञापन कई भाषाओं में डब होता है।

कैसे बन सकते हैं डबिंग आर्टिस्ट

डबिंग आर्टस्टि बनने के लिए कोई विशेष शैक्षणिक योग्यता की जरूरत नहीं होती है। अगर आपकी आवाज में खनक है और भाषाओं पर अच्छी पकड़ है तो आप इस क्षेत्र में एंट्री कर सकते हैं। हालांकि कई संस्थानों में डबिंग आर्टिस्ट का कोर्स होता है जहां तीन या छह महीने का डिप्लोमा करवाया जाता है। इस कोर्स के बाद आप रेडियो जॉकी के रूप में भी काम कर सकते हैं।

स्किल्स

डबिंग आर्टिस्ट की सबसे बड़ी पहचान है उसकी आवाज। इसलिए यह आवश्यक है कि आवाज में दम और आत्मविश्वास हो। इतना ही नहीं भाषा पर पकड़ अच्छी हो और उच्चारण सही व स्पष्ट हो। आवाज की कला में माहिर डबिंग आर्टिस्ट को करिदारों की समझ और उसके मुताबिक आवाज बदलने का हुनर होना चाहिए। डबिंग आर्टिस्ट की जरूरत फीचर फिल्म, एनिमेशन फिल्म, कार्टून फिल्म, शॉर्ट फिल्म, कॉर्पोरेट फिल्म, विज्ञापन फिल्म और टीवी प्रोग्राम्स में होती है।

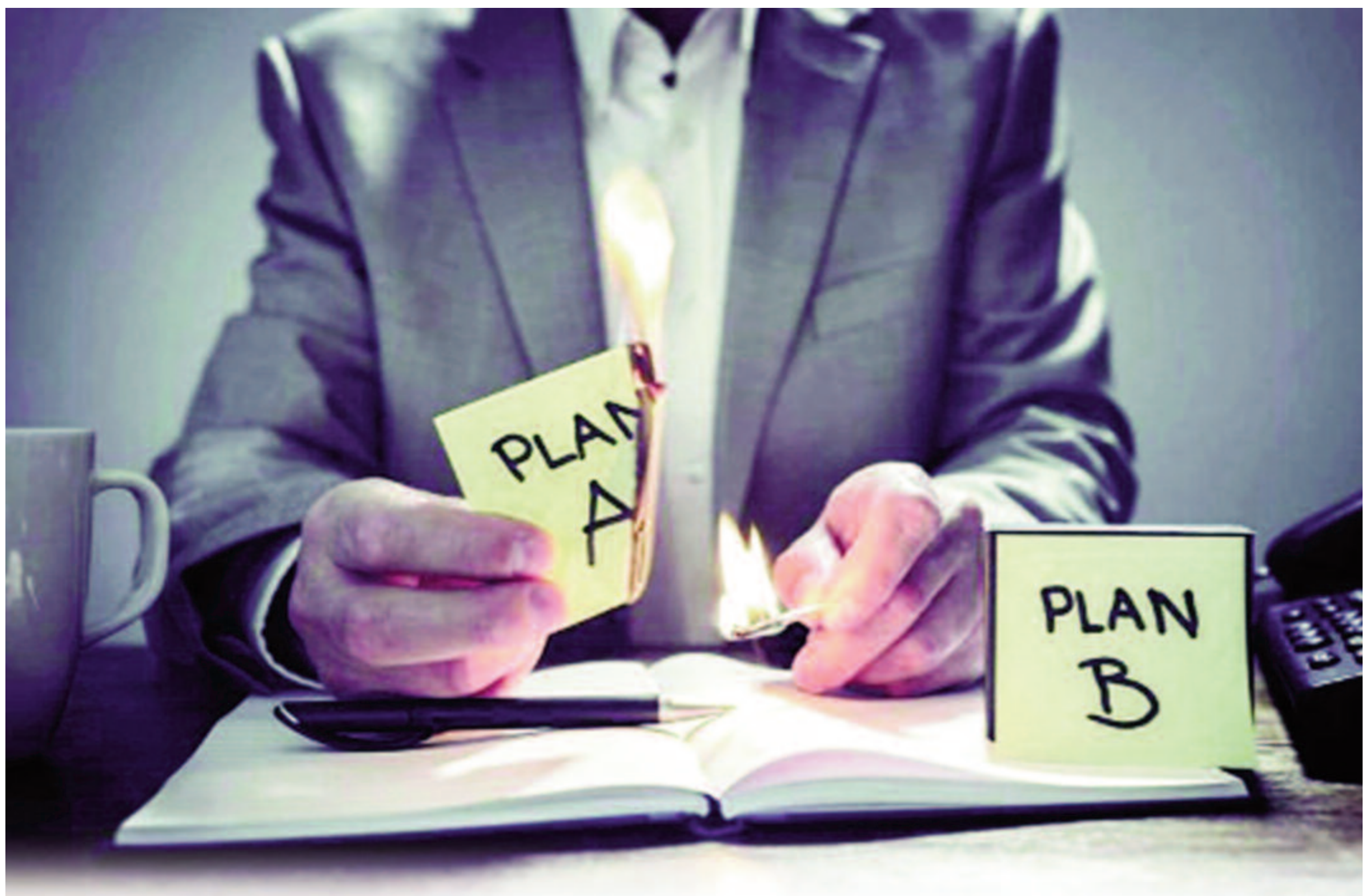

आईएएस में नहीं हुआ चयन, तो ये हैं बेहतरीन करियर विकल्प

यदि स्टैटिस्टिक्स के नजरिये से देखा जाए, तो सिविल सर्विसेज एग्जाम क्लियर करने और उसमें भी आईएएसके लिए ही चुने जाने की संभावना बहुत क्षीण होती है। इस परीक्षा में सफलता की संभाव्यता मात्र 02 प्रतिशत होती है। यही कारण है कि सिविल सर्विसेज एग्जाम को विश्व की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक माना जाता है। हर साल इसमें बैठने वाले लगभग 3 लाख प्रतिभागियों में से मात्र 700 या 800 का ही अंतिम चयन हो पाता है और उनमें से भी कुछ को ही अपनी पसंद की सर्विस में नियुक्ति मिलती है।

यह तो आपने सुना ही होगा कि आईएएस की तैयारी करना महज एक परीक्षा की तैयारी भर नहीं है। यह एक जीवनशैली है। पूरी शिद्दत से इसकी तैयारी करने वालों के लिए यही जिंदगी बन जाती है। ऐसे में यदि आपके पास और प्रयास के अवसर नहीं रह गए या फिर आगे और प्रयास करने की आपकी इच्छा नहीं रह गई, तो आपको एक तरह से नए सिरे से ही जीवन शुरू करना पड़ता है। करियर के बारे में तो नए सिरे से विचार करना ही पड़ता है। ऐसे में कई हताश युवा खुद को ऐसी स्थिति में पाते हैं, जहां उनके पास कोई दूसरा विकल्प ही नहीं होता। यह सही है कि परीक्षा की तैयारी करते समय सकारात्मक बने रहना और सफल होने के विश्वास के साथ आगे बढ़ना जरूरी है मगर वैकल्पिक करियर प्लान बनाकर चलने में कोई नुकसान नहीं है। यदि आपने आईएएस के लिए जमकर पढ़ाई की है लेकिन इसमें सफल नहीं हो सके हैं, तो ऐसे कई करियर विकल्प हैं, जहां आप अपनी किस्मत आजमा सकते हैं। कई ऐसे करियर भी हैं, जहां आईएएस की तैयारी कर चुके उम्मीदवारों की सफलता की संभावना अन्य उम्मीदवारों से अधिक रहती है। चलिए, एक नजर डालते हैं ऐसे ही कुछ वैकल्पिक करियर्स पर।

सरकार की अन्य भर्ती परीक्षाएं

अगर आपने आईएएस में जाने का निर्णय यह सोचकर लिया था कि आप देश के लिए कुछ करना चाहते हैं, तो ऐसा करने के और भी रास्ते हैं। सिविल सर्विसेज एग्जाम के अलावा केंद्र सरकार भारतीय अफसरशाही में मिड-लेवल पदों पर नियुक्ति हेतु कई अन्य परीक्षाएं भी आयोजित करती है। इनमें इंडियन फॉरेस्ट सर्विस, इंडियन इंजीनियरिंग सर्विस, असिस्टेंट सेंट्रल इंटेलिजेंस ऑफिसर, सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज आदि शामिल हैं। आईएएस हेतु की गई व्यापक तैयारी इन परीक्षाओं को क्रैक करने में आपकी मदद करेगी। इन परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा भी आईएएस के मुकाबले कमतर होती है व सफलता की संभावना अधिक।

कर्मचारी चयन आयोग

वैसे तो यह भी केंद्र सरकार के पदों पर भर्ती के लिए होने वाली परीक्षाओं में से ही एक है मगर यह इस कदर लोकप्रिय है कि इसका अलग से उल्लेख करना जरूरी हो जाता है। कर्मचारी चयन आयोग (स्टाफ सिलेक्शन कमिशन-एसएससी) एक सरकारी एजेंसी है, जो विभिन्ना सरकारी विभागों में भर्ती कराती है। एसएससी द्वारा केंद्र सरकार के विभिन्ना मंत्रालयों/विभागों में ग्रुप-बी के पदों और ग्रुप-सी के सभी गैर-तकनीकी पदों पर भर्ती के लिए परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं। एसएससी सीजीएल (कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल) एग्जाम के माध्यम से अनेक डेस्क तथा फील्ड जॉब्स में नियुक्ति की जाती है। इनमें मंत्रालय सहायक, ऑडिटर, कर सहायक, अकाउंटेंट, अपर डिविजन क्लर्क, टैक्स इंस्पेक्टर, असिस्टेंट एन्फोर्समेंट ऑफिसर, सीबीआई इंस्पेक्टर, नारकोटिक्स इंस्पेक्टर आदि के पद शामिल हैं।

राज्यों की पीएससी परीक्षाएं

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ही तर्ज पर तमाम राज्यों के लोक सेवा आयोग (पीएससी) भी वहां की सरकारी भर्तियों के लिए परीक्षाएं आयोजित करते हैं। अक्सर युवा यूपीएससी के साथ-साथ ही पीएससी की परीक्षा भी देते हैं। यूपीएससी में चयन न हो, तो पीएससी एक अच्छा विकल्प होता है। यूपीएससी के मुकाबले इस परीक्षा में प्रतिस्पर्धा कम होती है और सफलता की संभावना अधिक। सबसे बड़ा फायदा यह है कि पीएससी परीक्षाओं का फॉर्मेट तथा सिलेबस लगभग वही होता है, जोकि यूपीएससी का होता है। इसलिए आपको अलग से कोई पढ़ाई नहीं करनी होती। पीएससी परीक्षा में चयनित होने पर आपको राज्य सरकार की प्रशासनिक मशीनरी में मध्य से लेकर वरिष्ठ पद तक नियुक्ति मिल सकती है।

बैंकिंग एक बढ़िया विकल्प

आईएएस के लिए पढ़ाई कर चुके युवाओं के लिए बैंकिंग एक बढ़िया विकल्प हो सकता है। पब्लिक सेक्टर बैंक नियमित रूप से क्लेरिकल तथा प्रोबेशनरी ऑफिसर स्तर की रिक्तियां निकालते हैं। इनके लिए प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से ही भर्ती होती है। इन परीक्षाओं में प्रतिस्पर्धा तो काफी कड़ी होती है मगर ये मुख्य रूप से फाइनेंस, इकोनॉमी व अकाउंटेंसी पर केंद्रित होती हैं। साथ ही इनमें जनरल अवेयरनेस, लॉजिकल रीजनिंग, न्यूमेरिकल एबिलिटी तथा रीजनिंग को आंका जाता है। आईएएस की तैयारी के दौरान आप इस तरह के प्रश्नों को हल करने की खूब प्रेक्टिस कर चुके होंगे। यह आपको बैंकिंग की परीक्षाओं में काम आएगा।

टीचिंग लाइन

अगर आपने ग्रेजुएशन स्तर पर अच्छे अंक प्राप्त किए हैं और टीचर बनने के लिए जरूरी क्वॉलिफिकेशन की कसौटी पर खरे उतरते हैं, तो आपके लिए इस क्षेत्र में जाने के रास्ते खुले हैं। आप स्कूल या कॉलेज में तो पढ़ा ही सकते हैं, एक और विकल्प है आईएएस कोचिंग इंस्टीट्यूट्स में भावी परीक्षार्थियों को पढ़ाना। पढ़ाई और परीक्षा के अपने अनुभव के आधार पर आप दूसरों को बेहतर गाइडेंस दे सकते हैं। ऐसे संस्थानों में पढ़ाना आर्थिक रूप से भी काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। ये तो हुए महज कुछ विकल्प, जो आईएएस की तैयारी कर चुके युवा आजमा सकते हैं। इसके अलावा कई और विकल्प भी हैं, जिनमें एमबीए, प्राइवेट सेक्टर जॉब आदि शामिल हैं। जरूरत है तो बस, खुले दिमाग से विचार करने की और एक 'प्लान-बी'' तैयार रखने की। यदि आईएएस में आपका चयन हो गया, तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। यदि नहीं, तो प्लान-बी तो है ही!

जेमोलॉजी के साथ जगमगाएगा आपका करियर

कुछ दशक पहले तक रत्न व आभूषण का कारोबार छोटे-बड़े ज्वेलर्स तक सीमित होने के कारण असंगठित था, मगर अब कई बड़ी कंपनियों के आने के बाद से यह क्षेत्र तेजी से पेशेवर अंदाज में ढल रहा है। इसलिए जेमोलॉजी के विशेषज्ञों के लिए रत्न व आभूषण उद्योग में कई तरह के मौके हैं।

एक जेमोलॉजिस्ट का काम जहां एक ओर जेम्स स्टोन्स की पहचान, छंटाई और ग्रेडिंग का होता है, वहीं दूसरी ओर वे ज्वेलरी डिजाइनिंग की भी बारीक समझ रखते हैं। यही वजह है कि वे रिसर्च से लेकर डिजायनिंग तक से जुडे सभी तरह के कामों में माहिर होते हैं। यदि आपकी रुचि जेमोलॉजी और इस तरह के कार्यो में है तो आपका करियर इस क्षेत्र में चमकदार हो सकता है।

क्या है जेमोलॉजी

जेमोलॉजी को रत्नों की पहचान व उसके मूल्यांकन की कला,पेशा और विज्ञान कहा जा सकता है। जेमोलॉजी के अंतर्गत प्राकृतिक रत्नों की पहचान करना व उनमें मौजूद खामियों की जांच करना सिखाया जाता है। इसके अतिरिक्त रत्नों की कटिंग, छंटाई, ग्रेडिंग, वैल्यूएशन, डिजाइन मेथेडोलॉजी, मेटल कॉन्सेप्ट, कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग, मेटालर्जिकल प्रोसेस व ऑर्नामेंट डिजाइनिंग के बारे में बताया जाता है।

ये हैं कोर्सेस

जेमोलॉजी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। एक से दो साल के जेमोलॉजी डिप्लोमा और छह महीने से एक साल के सर्टिफिकेट कोर्सेज के साथ-साथ ट्रेंड प्रोफेशनल्स के लिए कुछ स्पेशलाइज्ड कोर्सेज भी उपलब्ध हैं। इन स्पेशलाइज्ड कोर्सेज की अवधि छह माह से छह हफ्ते तक भी हो सकती है। इस कोर्स के अंतर्गत जेम्स की पहचान, उसकी रंगत, धातु की पहचान, ड्राइंग टेक्निक्स, कम्प्यूटर ऐडेड डिजाइन आदि पहलुओं का अध्ययन किया जाता है।

जरूरी स्किल्स

अगर आप जेमोलॉजी में करियर बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले आपकी इस क्षेत्र में दिलचस्पी होना जरूरी है। इस क्षेत्र में रचनात्मकता, कल्पनाशीलता और धैर्य जैसे गुण होने आवश्यक है। साथ ही सौंदर्यबोध और रंग संयोजन की अच्छी समझ हो। आज के समय में कम्युनिकेशन स्किल्स हर क्षेत्र की जरूरत है और यह क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है।

रोजगार की संभावनाएं

जेमोलॉजी के क्षेत्र में ज्वेलरी डिजायनर, प्रोडक्ट डेवलॅपमेंट ऑफिसर, मर्केडाइजर, सेल्स ऍंड मार्केटिंग प्रोफेशनल, कॅन्सल्टेंट, कैड-डिजायनर,रिसर्चर आदि के रूप में काम कर सकते हैं। इनके अलावा डिजाइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग और मैनेजमेंट आदि क्षेत्रों में संभावनाएं हैं। ऑफिस में बन जाएं ऐसे हालात, तो ये टप्स अपनाएं

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट)
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ जेमोलॉजी, नई दिल्ली
- जेमस्टोन्स आर्टिसन्स ट्रेनिंग स्कूल, जयपुर
- सरदार बल्लभ भाई पटेल सेंटर ऑफ जूलरी डिजाइन ऍंड मेन्युफेक्चर, सूरत
- जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशनकाउंसिल, जयपुर
- द जेमोलॉजिकल इंस्टीटयूट ऑफ इंडिया, मुंबई
- नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- ज्वेलरी डिजाइन एंड ट्रेनिंग इंस्टीटयूट, नोएडा

टेक्निकल ट्रेनिंग के साथ नौसेना में बनाएं करियर

भारतीय नौसेना देश की तटीय सीमाओं की रक्षा का भार संभालती है। साथ ही, यह विभिन्न ट्रेड्स में युवा तकनीशियनों को अप्रेंटिसशिप के अवसर भी प्रदान करती है। नेवल डॉकयार्ड अप्रेंटिसेज स्कूल्स द्वारा कराई जाने वाली इस अप्रेंटिसशिप में कई ट्रेड शामिल हैं, जैसे इलेक्ट्रिशियन, मेसन, इंस्ट्रूमेंट मैकेनिक, कारपेंटर, वेल्डर आदि।

किसके लिए उपयुक्त

भारतीय नौसेना में अप्रेंटिसशिप ऐसे तकनीशियनों के लिए उपयुक्त हैं, जो नौसेना के एक्सपर्ट्स से प्रशिक्षण पाना चाहते हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि विभिन्न अखबारों, रोजगार समाचार और वेबसाइट्स पर विज्ञापन आने के बावजूद इंडियन नेवी अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम के लिए बहुत अधिक आवेदन नहीं आते हैं। कई युवा तो महज इसलिए यहां आवेदन नहीं करते कि शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, शारीरिक मापदंड आदि को लेकर उनमें भ्रम की स्थिति रहती है। तो चलिए, ऐसे भ्रमों को दूर कर जानते हैं कि नौसेना में अप्रेंटिसशिप के लिए कौन पात्र है।

आयु सीमा - नेवल अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों को एक निश्चित आयु सीमा की शर्त पर खरा उतरना होता है। इस प्रोग्राम के आधिकारिक नोटिफिकेशन में आयु सीमा संबंधी शर्तें स्पष्ट की जाती हैं। अलग-अलग श्रेणी के आवेदकों के लिए अलग-अलग आयु सीमा निर्धारित है, जोकि इस प्रकार है:

- सामान्य वर्ग: 14 से 21 वर्ष
- अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति: 14 से 26 वर्ष
- भूतपूर्व सैनिकों की संतान: ऊपरी आयु सीमा में 2 वर्ष की छूट

शैक्षणिक योग्यता - भारतीय नौसेना के अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम का हिस्सा बनने के लिए यह शैक्षणिक योग्यता जरूरी है:

मैट्रिकुलेशन: उम्मीदवार ने 10वीं की मैट्रिकुलेशन परीक्षा सभी विषयों में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ पास की हो।

आईटीआई: उम्मीदवार ने संबंधित ट्रेड में कम से कम 65 प्रतिशत अंकों के साथ आईटीआई ट्रेनिंग पूरी कर ली हो।

शारीरिक मापदंड - आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता के अलावा नौसेना की अप्रेंटिसशिप के लिए शारीरिक मापदंड भी तय हैं। उम्मीदवार की ऊंचाई 137 सेंटीमीटर और वजन 254 किलो होना चाहिए। यहां बताए गए योग्यता मापदंड बीते वर्षों में आए भारतीय नौसेना के अप्रेंटिसशिप नोटिफिकेशंस पर आधारित हैं। भविष्य में भारतीय नौसेना अपनी जरूरतों के मुताबिक इनमें परिवर्तन भी कर सकती है। इसलिए हर वर्ष आने वाले नोटिफिकेशन को ध्यान से पढ़ लेना बेहतर होगा।

कहां मिलेगी जानकारी

कई युवाओं को इस अप्रेंटिसशिप के बारे में अधिक जानकारी नहीं होती। यदि आप इस अप्रेंटिसशिप में रुचि रखते हैं, तो जानिए कि इसके बारे में नौसेना द्वारा जारी किए जाने वाले आधिकारिक नोटिफिकेशन कहां-कहां प्रकाशित होते हैं। इन नोटिफिकेशंस में योग्यता शर्तों, टेस्ट पैटर्न, आवेदन प्रक्रिया के बारे में जानकारी आदि दी गई होती है।

समाचारपत्र: भारतीय नौसेना के अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम के नोटिफिकेशन देश के तमाम प्रमुख समाचार पत्रों में भी प्रकाशित किए जाते हैं। हिंदी व अंगरेजी में प्रकाशित होने वाले इन नोटिफिकेशंस से आप इस प्रोग्राम के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

रोजगार समाचार: सामान्य समाचारपत्रों के अलावा 'रोजगार समाचार' में भी नेवल अप्रेंटिसशिप का नोटिफिकेशन प्रकाशित किया जाता है।

टायर बनाने वाली कंपनी का घट गया प्रॉफिट

बावजूद हर शेयर पर 30 डिविडेंड देने का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। टायर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी सिएट ने आज मंगलवार को अपने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए। मार्च तिमाही में टायर कंपनी का नेट प्रॉफिट 3 प्रतिशत घटकर 99 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का नेट प्रॉफिट वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 102 करोड़ रुपये रहा था। इसके अलावा, कंपनी ने डिविडेंड का भी ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि उसके बोर्ड मेंबर ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रति शेयर 30 रुपये (300 प्रतिशत) का डिविडेंड देने की सिफारिश की है।

क्या है डिटेल

सिएट लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि चौथी तिमाही में परिचालन से होने वाली आय बढ़कर 3,421 करोड़ रुपये हो गयी, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2,992 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी शुद्ध लाभ 26 प्रतिशत घटकर 471 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले यह 635 करोड़ रुपये था। आलोच्य वित्त वर्ष में परिचालन आय बढ़कर 13,218 करोड़ रुपये हो गयी, जो एक साल पहले 11,943 करोड़ रुपये थी।

शेयरों के हाल- सिएट के शेयर आज मंगलवार को मामूली तेजी के साथ 3,066 रुपये पर बंद हुए। इस साल अब तक यह शेयर 5 प्रतिशत तक टूट गए। महीनेभर में यह शेयर 6 प्रतिशत और छह महीने में 11 प्रतिशत तक चढ़ गए। सालभर में यह शेयर 22 प्रतिशत तक चढ़ गए। कंपनी के शेयरों का 52 वीक हाई प्राइस 3,581.45 रुपये और 52 वीक लो प्राइस 2,211 रुपये है। इसका मार्केट कैप 12,383.39 करोड़ रुपये है।

भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में जोरदार बढ़ोतरी

मुंबई, एजेंसी। वैश्विक व्यापार तनाव कम होने के बीच विदेशी निवेशकों के नए प्रवाह से मार्च के मध्य में शुरू हुई बाजार में तेज तेजी के बाद भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी की संपत्ति एक बार फिर 100 अरब डॉलर को पार कर

गई है. ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार इस अवधि के दौरान अंबानी सबसे बड़े लाभार्थी के रूप में उभरे उनकी कुल संपत्ति मार्च के निम्नतम स्तर 81 बिलियन डॉलर से लगभग 20 बिलियन डॉलर बढ़कर 100 बिलियन डॉलर से अधिक हो गई. इस उछाल ने उन्हें दुनिया भर के शीर्ष 16 सबसे धनी लोगों में शामिल कर दिया है. भारतीय बाजारों में उल्लेखनीय सुधार के बाद 4 मार्च को उनकी संपत्ति घटकर 81 बिलियन डॉलर रह गई.

भारत-पाकिस्तान के बॉर्डर हुए बंद तो केसर के दाम में लगी आग

5 लाख रुपये किलो पहुंचा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच बॉर्डर बंद होने से केसर की कीमतों में भारी तेजी आई है। टॉप क्वालिटी के केसर के दाम पिछले चार दिनों में 10 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ गए हैं। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक अब ये लगभग 5 लाख प्रति किलोग्राम हो गया है। इसकी वजह है अटारी-वाघा बॉर्डर का बंद होना। इस बॉर्डर के बंद होने से अफगानिस्तान से केसर की सप्लाई रुक गई है। केसर दुनिया का सबसे महंगा मसाला है। भारत में केसर की सालाना मांग लगभग 55 टन है। इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक, कश्मीर में 6-7 टन केसर का उत्पादन होता है। बाकी केसर अफगानिस्तान और ईरान से आयात किया जाता है। ईरानी केसर भी महंगा हो गया है। इसकी कीमत में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

एक किलो केसर की कीमत 50 ग्राम सोने के बराबर है। अटारी-वाघा बॉर्डर बंद होने से केसर की कीमत में उछाल आई है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सरकार ने अटारी-वाघा बॉर्डर को बंद कर दिया है। ये बॉर्डर पाकिस्तान के साथ व्यापार का एकमात्र रास्ता था। चेन्नई की बेल केसर कंपनी के को-फाउंडर नीलेश मेहता ने कहा कि पहलगाम में हमले से पहले सबसे अच्छी क्वालिटी के केसर की कीमत 4.25 लाख से 4.50 लाख प्रति किलोग्राम थी। ये कंपनी कश्मीर से केसर खरीदती है और उसे देश के बाकी हिस्सों में बेचती है। उन्होंने बताया कि ईरानी केसर, कश्मीरी केसर से सस्ता होता है।

दक्षिण और पश्चिमी भारत में केसर की मांग अब भी बनी हुई है। लेकिन उत्तरी भारत के खरीदार पीछे हट रहे हैं। केसर उगाने वालों का कहना है कि उन्हें उत्तरी भारत से विरोध का सामना करना पड़ रहा है। कई खरीदार अब केसर नहीं खरीद रहे हैं। पंपोर स्थित रिटेज एग्रो फार्म्स के मालिक फिरोज अहमद ने कहा कि हमें उत्तरी भारत से विरोध का सामना करना पड़ रहा है। हमारे कई खरीदार पीछे हट रहे हैं। फिरोज अहमद की कंपनी केसर और सूखे मेवे उगाती है। पुलवामा स्थित मीर कश्मीर केसर के मालिक उमर मुख्तार भी इसी बात से सहमत हैं। भारत में केसर का ज्यादातर इस्तेमाल मिठाई बनाने वाले करते हैं। अहमद ने बताया कि मई और जून में शादियों की वजह से काफी काम होता है। इस दौरान केसर की मांग बढ़ जाती है क्योंकि इसका इस्तेमाल मिठाई और दूसरी डिशेज में होता है।

जम्मू और कश्मीर के कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक (एक्सटेंशन) सरताज अहमद शाह ने कहा कि इंडिया इंटरनेशनल कश्मीर केसर ट्रेडिंग सेंटर में केसर 3 लाख प्रति किलोग्राम के थोक भाव पर बिक रहा है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी कीमत है। केसर का उत्पादन भी प्रभावित हुआ है। केसर उगाने वालों के मुताबिक, मौसम की खराबी की वजह से कश्मीर घाटी में केसर का उत्पादन कम हुआ है।

उत्पादन पर असर

कुछ ट्रेड अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पंपोर में नई सीमेंट फैक्ट्रियां खुलने से केसर का उत्पादन कम हो गया है। उनका कहना है कि केसर के फूल बहुत नाजुक होते हैं। जब उन पर सीमेंट की धूल पड़ती है, तो वे मुरझा जाते हैं। इससे केसर की क्वालिटी और मात्रा दोनों पर असर पड़ता है। पंपोर के अलावा केसर बडगाम और श्रीनगर के बाहरी इलाकों और जम्मू के किश्तवाड़ जिले में भी उगाया जाता है। कश्मीर घाटी में केसर कई तरह का होता है। मोंगरा सबसे गहरा होता है और इसमें खुशबू और स्वाद भरपूर होता है। लाचा किस्म में लाल और पीले रंग के हिस्से होते हैं। जर्दा नाम का केसर फेस पैक और ब्यूटी क्रीम में इस्तेमाल होता है। केसर उगाना और काटना बहुत मेहनत का काम है। एक ग्राम केसर लगभग 160-180 फूलों से निकाला जाता है। केसर की फसल अक्टूबर के मध्य में शुरू होती है और एक महीने में खत्म हो जाती है।

जापान कभी था आर्थिक महाशक्ति, कैलिफार्निया से पिछड़ा ही

भारत से भी पिछड़ने वाला है

नई दिल्ली, एजेंसी। यह बात सन 2004 की है। उस समय दुनिया की आर्थिक महाशक्ति जापान के मुकाबले अमेरिकी स्टेट कैलिफोर्निया की जीडीपी दुनिया महज एक तिहाई थी। दो दशक बाद, अब स्थिति यह है कि कैलिफ़ोर्निया ने जापान को पछाड़ दिया। अब वह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। यह तो सिर्फ झांकी है। जापान को असली झटका तो इस साल के अंत में मिलेगा, जबकि भारत भी जापान से आगे बढ़ जाएगा। ऐसा अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने जताया है।

जापान को पछाड़ा कैलिफोर्निया ने

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड और यू.एस. ब्यूरो ऑफ़ इकोनॉमिक एनालिसिस के आंकड़ों से पता चला है कि कैलिफ़ोर्निया का नॉमिनल जीडीपी 4.1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। गार्डियन के अनुसार, इसने जापान के 4.02 ट्रिलियन डॉलर के नॉमिनल जीडीपी को पीछे छोड़ दिया है। अब यह राज्य एसए (29.18 ट्रिलियन डॉलर), चीन (18.74 ट्रिलियन डॉलर) और जर्मनी (4.65 ट्रिलियन डॉलर) के बाद चौथे स्थान पर है।

क्यों आगे बढ़ा कैलिफोर्निया

अमेरिकी स्टेट कैलिफ़ोर्निया वहां के मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट का मुख्य केंद्र है। गार्डियन के अनुसार, यह देश का सबसे बड़ा कृषि उत्पादक भी है। रिपोर्ट के अनुसार, यह राज्य अमेरिका का टेक और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का कैपिटल भी है। कुल मिला कर कहें कि कैलिफ़ोर्निया अमेरिका के आर्थिक विकास में बड़ा योगदान देता है। न्यूज़ॉम के कार्यालय से गार्डियन को दिए गए एक बयान के अनुसार, यह संघीय सरकार को जितना पैसा भेजता है, उससे 83 बिलियन डॉलर अधिक प्राप्त करता है।

अमेरिका, चीन, जर्मनी से भी ज्यादा है विकास दर

कैलिफ़ोर्निया की जीपीडी यों ही नहीं बढ़ रही है। वहां की अर्थव्यवस्था दुनिया के कुछ सबसे बड़े खिलाड़ियों से आगे निकल गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में इसकी विकास दर 6 प्रतिशत रही, जो अमेरिका की 5.3 प्रतिशत, चीन की 2.6 प्रतिशत और जर्मनी की 2.9 प्रतिशत से काफी आगे है। इस शानदार उछाल ने अब कैलिफ़ोर्निया को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना दिया है। यह राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जिसने सिर्फ छह साल पहले यूनाइटेड किंगडम को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल किया था।

चौथी तिमाही रिजल्ट से पहले अडानी पावर शेयर गिरा, लेकिन 806 तक पहुंच सकता है भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी पावर का शेयर बुधवार को चौथी तिमाही के रिजल्ट से पहले करीब 2 प्रतिशत गिर गया। अडानी ग्रुप के इस शेयर ने बड़ी गिरावट के साथ 541.50 रुपये प्रति शेयर का इंट्राडे लो बनाया। कंपनी 30 अप्रैल 2025 (बुधवार) को त्त4 और वित्तीय वर्ष 2024-25 के नतीजे घोषित करेगी। बोर्ड की बैठक के बाद 1 मई 2025 को निवेशकों के साथ कॉन्फ्रेंस कॉल भी होगी।

एनालिस्ट्स मान रहे हैं कि बिजली की बढ़ती मांग और बेहतर मार्जिन के चलते अडानी पावर के त्त4 नतीजे मजबूत रहेंगे। जनवरी-मार्च 2025 में भारत की बिजली मांग 416 क्क रही, जो पिछले साल के 400 क्क से अधिक है। अडानी पावर के पास गुजरात सहित कई राज्यों में 17,550 का थर्मल पावर प्लांट और 40 का सोलर प्रोजेक्ट है।

तीसरी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 7.4 प्रतिशत बढ़कर 2,940.07 करोड़ रुपये रहा, जबकि राजस्व 11 प्रतिशत बढ़कर 14,833 करोड़ रुपये हुआ। बिजली बिक्री 23.3 क्करही, जो पिछले साल के 21.5 क्कसे अधिक है।

क्यों खरीदें यह शेयर- वेंचुरा सिक्योरिटीज ने अडानी पावर शेयर पर खरीदें की सलाह दी है, जिसका टारगेट प्राइस 806 रुपये रखा गया है। पिछले 2 साल में यह शेयर 145 प्रतिशत और 5 साल में 1,619 प्रतिशत चढ़ा है। तकनीकी विश्लेषण के मुताबिक, शेयर 102 दिनों के राउंडिंग बॉटम पैटर्न में है। अगर यह 598 रुपये के स्तर से ऊपर टिकता है, तो 752.9 रुपये तक का उछाल संभव है।

निवेशकों के लिए सलाह- एनालिस्ट्स का मानना है कि अच्छे नतीजे शेयर में तेजी ला सकते हैं, लेकिन बाजार के जोखिमों को ध्यान में रखते हुए सतर्क निवेश की सलाह दी जाती है।

115 करोड़ रुपये का हुआ मुनाफा, 10 प्रतिशत उछलकर 118 रुपये के पार पहुंचे रिटेल कंपनी के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। विशाल मेगा मार्ट के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई है। सुपरमार्केट चेन विशाल मेगा मार्ट के शेयर बुधवार को बीएसइ में करीब 10 प्रतिशत के उछाल के साथ 118.35 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल शानदार तिमाही नतीजों के बाद आया है। जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में विशाल मेगा मार्ट का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 88 पर्सेंट बढ़कर 115.1 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 126.85 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 96.05 रुपये है।

2547 करोड़ रुपये रहा है कंपनी का रेवेन्यू- विशाल मेगा मार्ट का रेवेन्यू मार्च 2025 तिमाही में सालाना आधार पर 23.2 पर्सेंट बढ़कर 2547.9 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 2068.9 करोड़ रुपये था। जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में रिटेल कंपनी के ऑपरेटिंग परफॉर्मेंस में भी सुधार देखने को मिला है। कंपनी का इबिट्डा सालाना आधार पर 42.6 पर्सेंट उछलकर 357 करोड़ रुपये पहुंच

गया है। एक साल पहले की समान अवधि में यह 250.5 करोड़ रुपये था। मार्च 2025 तिमाही में कंपनी का इबिट्डा मार्जिन बढ़कर 14 पर्सेंट जा पहुंचा है।

पूरे साल में कंपनी को 632 करोड़ रुपये का मुनाफा- पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 36.8 पर्सेंट बढ़कर 631.97 करोड़ रुपये पहुंच गया है। वहीं, कंपनी का रेवेन्यू 20.2 पर्सेंट बढ़कर 10,716.35 करोड़ रुपये जा पहुंचा है। 31 दिसंबर 2024 तक के डेटा के मुताबिक, विशाल मेगा मार्ट अलग-अलग शहरों में 668 स्टोर्स ऑपरेट कर रहा है।

78 रुपये पर आया था कंपनी का आईपीओ- विशाल मेगा मार्ट के आईपीओ में शेयर का दाम 78 रुपये था। कंपनी का आईपीओ दांव लगाने के लिए 11 दिसंबर 2024 को खुला था और यह 13 दिसंबर 2024 तक ओपन रहा। कंपनी के शेयर 18 दिसंबर 2024 को 110 रुपये पर लिस्ट हुए थे।

सरकार की नई स्कीम: वाहन जितनी दूरी चलेगा, उसी का टोल भरना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। एक्सप्रेसवे और हाईवे पर टोल प्लाजा के जाम से जल्द छुटकारा मिल सकता है। सरकार एक नई टोल नीति ला रही है, जहां आपको सिर्फ उतना ही टोल देना होगा, जितनी दूरी आपने तय की है। लेकिन, यहां सावधानी बरतने वाली बात ये है कि अगर आपने टोल का पेमेंट समय पर नहीं किया, तो न सिर्फ भारी जुर्माना लगेगा, बल्कि आपका स्कोर भी गिरेगा। इससे आगे चलकर लोन या क्रेडिट कार्ड लेने में दिक्कत हो सकती है। सरकार, और बैंक इस नई व्यवस्था पर फाइनल डिस्कशन में जुटे हैं। जल्द ही इसे लागू किया जा सकता है। तो अगर आप हाईवे पर अक्सर चलते हैं। सड़क एवं परिवहन मंत्रालय दूरी के आधार पर टोल वसूली की व्यवस्था को लाने की दिशा में काम कर रहा है। ऐसी में जीपीएस मैपिंग के आधार पर टोल का निर्धारण किया जाएगा। नई व्यवस्था में वाहन जितनी दूरी तक नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे पर चलेगा, उसी का टोल भरना होगा। यह व्यवस्था उन लोगों के लिए फायदेमंद होगी, जो कम दूरी (40-50 किलोमीटर) की यात्रा करते हैं लेकिन बीच में टोल पड़ने के कारण उन्हें अभी तक 150-200 रुपये का टोल भरना पड़ता है। टोल की वसूली को लेकर लाई जा रही नई व्यवस्था पर गहनता से चर्चा चल रही है। फास्टैग के ब्लैकलिस्ट होने संबंधी रिकॉर्ड को व्यक्ति के सिबिल स्कोर से जोड़ने के लिए एनपीसीआई और आरबीआई के साथ चर्चा चल रही है। सूत्रों का कहना है कि सिबिल स्कोर से जोड़ने को लेकर लगभग सहमति है। क्योंकि फास्टैग का सारा रिकॉर्ड भारतीय भुगतान निगम लिमिटेड और बैंकों के पास उपलब्ध है। लिखित सहमति बनने के बाद उसे आसानी से व्यक्ति के सिबिल स्कोर के साथ अपडेट किया जा सकेगा।

आज से बदलेंगे नियम: एटीएम से पैसे निकालना होगा महंगा, एलपीजी के रेट होंगे अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। 1 मई को एलपीजी सिलेंडर के रेट से लेकर एफडी और बचत खातों के ब्याज में बदलाव देखने को मिल सकता है। रेलवे टिकट की बुकिंग से जुड़े हुए नियम बदलेंगे तो एटीएम से पैसे निकालना महंगा पड़ेगा। आइए देखें कि 1 मई से क्या-क्या बदलाव होने वाले हैंज

रेलवे टिकट बुकिंग से जुड़े हुए नियम बदलेंगे- रेलवे भी एक मई से टिकट बुकिंग के नियम बदलेगा। अब स्लीपर और एसी कोच में प्रतीक्षा टिकट मान्य नहीं होगा। सिर्फ जनरल कोच में ही प्रतीक्षा टिकट से यात्रा हो सकेगी। टिकट बुकिंग का समय 120 दिन से घटाकर 60 दिन कर दिया गया है। इसके अलावा, किराया और रिफंड शुल्क भी बढ़ सकते हैं।

एलपीजी के रेट होंगे अपडेट- हमेशा की तरह महीने की पहली तारीख को एलपीजी के रेट अपडेट होंगे। अप्रैल में सरकार ने 14.2 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 50 बढ़ा दी थी। यह बढ़ोतरी लगभग एक साल बाद हुई। अब दिल्ली में सिलेंडर 853 और कोलकाता में 879 तक पहुंच गया है। ऐसे में अब कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम में बदलाव देखने को मिल सकता है।

एफडी और बचत खातों के ब्याज में बदलाव- बदलावों में ब्याज दरें भी शामिल हो सकती हैं। गौरतलब है कि आरबीआई ने पिछले महीने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो दरों को घटाने का ऐलान किया था। इसके बाद बैंक लगातार अपनी ब्याज दरों में इस कटौती को समायोजित कर रहे हैं। कर्ज, जमा और बचत बैंक इस तीनों खातों पर ब्याज दरें घटाई जा रही हैं। कुछ बैंक अभी और कटौती कर सकते हैं।

निर्धारित सीमा के बाद लेन-देन पर शुल्क बढ़ेगा- भारतीय रिजर्व बैंक ने एटीएम से पैसे निकालने के शुल्क को बढ़ाने का ऐलान किया है। अगर आप एटीएम के जरिए नकदी निकाल रहे हैं, जमा कर रहे हैं या अपना बैलेंस चेक कर रहे हैं, तो निर्धारित सीमा के बाद लगने वाले शुल्क में वृद्धि की गई है। एक मई से एटीएम से निशुल्क रकम निकासी की सीमा पार करने के बाद हर निकासी पर 23 रुपये देने होंगे।

यह अभी शुल्क 21 रुपये है। हर महीने बैंक के एटीएम से पांच और दूसरे बैंक के एटीएम से मेट्रो शहरों में तीन या गैर-मेट्रो शहरों में पांच मुफ्त निकासी मिलती हैं। यह शुल्क बढ़ोतरी एटीएम चलाने की लागत बढ़ने के कारण की गई है।

प्रवाह पोर्टल से बैंकों का काम होगा सरल- भारतीय रिजर्व बैंक ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 1 मई से सभी बैंकों, वित्तीय कंपनियों और अन्य विनियमित संस्थाओं को प्राधिकरण, लाइसेंस और अनुमोदन के लिए कोई भी आवेदन जमा करने के लिए प्रवाह पोर्टल का उपयोग करना होगा।

पोर्टल में उपलब्ध आवेदन पत्रों का उपयोग करके नियामक प्राधिकरण, लाइसेंस, अनुमोदन के लिए आवेदन प्रस्तुत करने के लिए प्रवाह का उपयोग करना होगा।

मैच खत्म होते ही कुलदीप यादव ने रिंकू सिंह को मारे कई चांटे

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार को आईपीएल 2025 के 48वें मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 14 रनों से हराया. अरुण जेटली स्टेडियम में हुए इस मैच के बाद जब प्लेयर्स आपस में बातचीत कर रहे थे, उस समय का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है. वीडियो में कुलदीप यादव रिंकू सिंह को थप्पड़ मारते हुए नजर आ रहे हैं, जिसके बाद रिंकू गुस्से में भी दिख रहे हैं.

कुलदीप यादव दिल्ली कैपिटल्स में जबकि रिंकू सिंह कोलकाता नाइट राइडर्स टीम का हिस्सा हैं. वीडियो मैच के बाद का है, इसमें दोनों टीमों के प्लेयर्स आपस में बात कर रहे हैं जैसा हर मैच के बाद खिलाड़ी करते हैं. तभी कुलदीप यादव किसी बात पर रिंकू सिंह को थप्पड़ मारते हैं, और कुछ बोलते हैं. रिंकू बचते हुए हंसते हैं लेकिन फिर शायद उनकी बात सुनकर चुप हो जाते हैं. एक बार फिर कुलदीप ऐसा करते हैं तो रिंकू सिंह का चेहरा गुस्से में लाल ही हो जाता है. वह उन्हें घूरते हैं.

सोशल मीडिया पर ये वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें तरह तरह के रिएक्शन आ रहे हैं. लोग हैरान हैं

आईपीएल में फिर बवाल

कि आखिर किस बात पर ऐसा हुआ. एक यूजर ने बीसीसीआई, दिल्ली कैपिटल्स और केकेआर को टैग करते हुए लिखा कि देखो क्या मामला है. तो एक अन्य यूजर ने लिखा, जैसे लग रहा है कि बुरा मान गया. एक दूसरे यूजर ने लिखा, कुलदीप का व्यवहार बहुत बुरा. एक यूजर ने लिखा कि, भाई सीरियस लग रहा है, पूरी वीडियो नहीं है क्या लास्ट में शायद रिंकू ने गाली भी दी थी. तो इसके जवाब में जिस हैंडल से वीडियो शेयर किया गया उसने जवाब दिया, नहीं, इसके बाद दोनों इंटरव्यू के लिए चले गए थे.

कोलकाता ने प्लेऑफ की उम्मीदों को रखा जिंदा

कोलकाता नाइट राइडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 204 रन बनाए थे. दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं हुई थी लेकिन एक समय पर टीम जीत के करीब पहुंच गई थी, जब फाफ डुप्लेसिस सेट हो गए थे. उन्होंने 45 गेंदों में 2 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 62 रन बनाए. अक्षर पटेल ने भी 23 गेंदों में 43 रनों की शानदार पारी खेली. विपराज निगम ने अंत तक संघर्ष किया, उन्होंने 19 गेंदों में 38 रन बनाए लेकिन टीम लक्ष्य से 15 रन दूर रह गई.

केकेआर जीत के साथ प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है, हालांकि इस मैच के बाद अंक तालिका में टीमों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ. दिल्ली कैपिटल्स 12 अंकों के साथ चौथे और कोलकाता 9 अंकों के साथ 7वें स्थान पर है.

इस लड़की के घर में रहने पहुंचे युजवेंद्र चहल, रह चुकी है मिस वर्ल्ड इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। युजवेंद्र चहल पहले धनश्री से तलाक की खबरों को लेकर सुर्खियों में थे. फिर उनका नाम आरजे महवश से जुड़ा . लेकिन फिलहाल वो खबरों में हैं मुंबई में अपने नए ठिकाने को लेकर. दरअसल, मायानगरी में युजवेंद्र चहल उस लड़की के घर में रहने वाले हैं, जो मिस वर्ल्ड इंडिया रह चुकी है, जो एक एक्ट्रेस भी है और सुपर मॉडल भी. हम बात कर रहे हैं नताशा सूरी की, जिनका अपार्टमेंट युजवेंद्र चहल ने रहने के लिए किराए पर लिया है. युजवेंद्र चहल ने मुंबई में रहने के लिए पूर्व मिस वर्ल्ड इंडिया रह चुकी नताशा सूरी का अपार्टमेंट 3 लाख रुपये प्रति महीने के किराए पर लिया है. इसके लिए उन्होंने 4 फरवरी 2025 को एग्रीमेंट साइन किया था. नताशा सूरी के अपार्टमेंट को किराए पर लेने के लिए चहल ने 10 लाख रुपये की सिक्योरिटी मनी भी जमा की है. फिलहाल दोनों के बीच ये एग्रीमेंट 2 साल का हुआ है. रेंटल एग्रीमेंट में एक साल बाद 5 फीसद किराए में बढ़ोत्तरी की भी बात है.युजवेंद्र चहल ने जो अपार्टमेंट किराए पर लिया है, वो अंधेरी वेस्ट में है और उसका एरिया 1399 स्क्वॉयर फीट का है. हालांकि, ये बात समझ से परे है कि जिस बात को धनश्री के साथ तलाक की वजह माना गया, चहल उसे ही करते क्यों दिखे ? मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चहल औन धनश्री का तलाक मुंबई में रहने और ना रहने के सवाल पर ही हुआ था. धनश्री ये चाहती थीं कि वो मुंबई में रहें. मगर चहल की तब दलील थी कि वो हरियाणा से बाहर शिफ्ट नहीं होना चाहते, ताकि अपने माता-पिता के साथ रह सकें. चहल के इस कदम को लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग रिएक्शन आ रहे है. लोग ये सवाल कर रहे हैं कि जब धनश्री कह रही थी तब क्यों नहीं आए मुंबई रहने ? वहीं एक दूसरे मीडिया यूजर्स ने पूछा कि क्या लड़की का चक्कर है बाबू भइया ? एक यूजर्स ने लिखा कि इस कदम से तो यही लगता है कि धनश्री से तलाक की वजह फिर कुछ और थी ?

तेंदुए से हुआ सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी का सामना

नई दिल्ली, एजेंसी। सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी का तेंदुए से सामना हुआ है. ऐसा जयपुर में हुआ. दरअसल, मुंबई इंडियंस की टीम अपने अगले आईपीएल मैच को लेकर जयपुर में है, जहां उसे 1 मई को राजस्थान रॉयल्स की चुनौती का सामना करना है. मगर उस मुकाबले से सूर्यकुमार यादव, पत्नी के साथ घूमने निकले और इसी दौरान उनका सामना तेंदुए से हुआ. तेंदुए के साथ सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी की मुलाकात का वीडियो भी सामने आ गया है, जो वाकई रोमांचित करता है. सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी को घूमते हुए तेंदुआ बीच सड़क पर नहीं मिला. बल्कि, तेंदए के साथ इन दोनों का एनकाउंडर तब हुआ जब ये उसके इलाके में यानी कि झलाना लेपर्ड सफारी घूमने पहुंचे. उन्होंने वहां तेंदुए का जबरदस्त मूवमेंट देखा. उन्होंने उसे पानी पीते हुए सूट किया. उसकी चाल को फिल्माया. उसे आराम करते हुए भी सूट किया. और, वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर किया.किसी भी जंगली जानवर को इतने करीब से देखना, उसे कैमरे में कैद करना, मुश्किल भरा काम है. इस काम में खतरा है. क्योंकि कई बार जंगली जानवर ऐसा करने से चिढ़कर हमला बोल देते है. मगर सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी ने जिस तरह से बिना लेपर्ड को परेशान किए उसकी तस्वीरों को कैमरे में कैद किया, उसका वीडियो बनाया, वो अपने आप में काबिलेतारीफ रहा.

आईपीएल इतिहास में कोई आज तक नहीं कर सका ऐसा

नरेन ने की बड़े विश्व रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के लिए खेल रहे सुनील नरेन टी20 क्रिकेट पुरुष में इतिहास रचने की दहलीज पर हैं। नरेन इस सीजन में अगर एक और विकेट लेते हैं तो वह पुरुष टी-20 क्रिकेट में एक टीम के लिए खेलते हुए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन जाएंगे। सुनील ने समित पटेल के 208 विकेट की बराबरी कर ली है। समित ने नॉटिंघमशायर के लिए टी20 क्रिकेट खेलते हुए 208 विकेट चटकाए हैं। सुनील नरेन भी केकेआर के लिए खेलते हुए 208 विकेट पूरे कर चुके हैं। तीसरे नंबर पर क्रिस वुड हैं जो हैम्पशायर के लिए खेलते हुए तीसरे स्थान पर हैं। इस लिस्ट में चौथे नंबर पर लसिथ मलिंगा हैं, जिन्होंने मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए 195 विकेट लिए हैं। सुनील नरेन ने आईपीएल के इतिहास में 190 विकेट लिए हैं। इसके अलावा उन्होंने केकेआर के लिए चैंपियंस लीग टी20 भी खेला है। आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स और केकेआर के बीच 48वां मैच में सुनील नरेन ने एक बार फिर बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। सुनील ने मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स के सामने शानदार बल्लेबाजी का भी प्रदर्शन किया और 16 गेंदों पर 27 रन बनाए। नरेन के ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर केकेआर ने दिल्ली कैपिटल्स को महत्वपूर्ण मुकाबले में हराया। केकेआर के बल्लेबाजों ने शानदार स्ट्राइक रेट से ताबड़तोड़ पारियां खेलकर बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर 204/9 का स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स के लिए उपकप्तान फाफ डु प्लेसिस (62) और कप्तान अक्षर पटेल ने (43) रन की पारी खेली। दोनों के बीच 76 रन की साझेदारी हुई। दिल्ली क मैच में बनी हुई थी। दोनों बल्लेबाजों की ओर से शानदार शॉट्स खेले जा रहे थे। इसी बीच नरेन ने उपकप्तान फाफ डु प्लेसिस और कप्तान अक्षर पटेल का विकेट लेकर डीसी की कमर तोड़ दी। इस बीच क्रीज पर आए ट्रिस्टन स्टब्स अभी कुछ समझ पाते कि नरेन की गेंद पर बोल्ड हो गए। देखते ही देखते डीसी की बल्लेबाजी ताश के पत्ते की तरह ढह गई।

आईपीएल पर सट्टेबाजी का साया

8.5 लाख करोड़ दांव पर, टूट रहे परिवार

नई दिल्ली, एजेंसी। जैसे-जैसे आईपीएल का जुनून देश को अपनी चपेट में ले रहा है, मैदान के बाहर एक खतरनाक ट्रेंड उभर रहा है। भारत में सट्टेबाजी ने इस साल 8.5 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर को छू लिया है। टूटी जिंदगियां, बिखरे परिवार और आर्थिक बर्बादी जैसे घटनाक्रम स्टेडियम की तालियों और फैंटेसी लीग के शोर के पीछे दब रहे हैं। हाल की खबरें दिल दहलाने वाली हैं। कर्नाटक में एक व्यक्ति ने सट्टेबाजी में 1 करोड़ रुपये गंवाए, जिसके बाद उनकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली। मैसूर में कई परिवार इस जाल में फंसकर तबाह हो चुके हैं। खेल के प्रति जुनून और सट्टेबाजी का नशा अब महज अटकलें नहीं, बल्कि एक बढ़ती महामारी बन चुका है।इसके खिलाफ जागरूकता की एक नई लहर उठ रही है। एंजल वन की पहल फाइनवन.क्लब पर 24,000 से अधिक लोग क्विट बैटिंग का संकल्प ले चुके हैं, जो खासतौर पर जेन जैड को वित्तीय समझदारी की राह दिखा रहा है। यह अभियान सिर्फ एक कैंपेन नहीं, बल्कि आर्थिक स्वतंत्रता की लड़ाई में एक समुदाय का निर्माण है। सट्टेबाजी को भले ही आकर्षक दिखाया जाए, लेकिन इसके परिणाम बहुत बुरे होते हैं। इस आईपीएल सीजन इससे दूर रहना ही शायद असली जीत होगी।

लगातार तीन मैच हारने के बाद जोकोविच ने लिया बड़ा फैसला, इटालियन ओपन से नाम वापस लिया

रोम, एजेंसी। जोकोविच का इस सत्र में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। उन्हें पिछले तीन टूर्नामेंट मियामी ओपन, मोंटे कार्लो मास्टर्स और मैड्रिड ओपन में हार का सामना करना पड़ा था। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने लगातार तीन मैच हारने के बाद बड़ा फैसला लिया है। अपने 100वें खिताब की तलाश में जुटे जोकोविच ने इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। जोकोविच का यह फैसला वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन की तैयारी को देखते हुए महत्वपूर्ण माना जा रहा है जहां वह रिकॉर्ड 25वीं ग्रैंडस्लैम ट्रॉफी जीतने की कोशिश करेंगे। रोम में अगले महीने क्ले कोर्ट पर यह टूर्नामेंट खेला जाना है। इटालियन ओपन टूर्नामेंट के आयोजकों ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी कि जोकोविच इस साल प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। उन्होंने लिखा, अगले साल मिलते हैं, नोल। मालूम हो कि जोकोविच को नोल नाम से भी बुलाया जाता है। सर्बिया का 37 वर्षीय यह स्टार टेनिस खिलाड़ी इस सीजन संघर्ष कर रहा है। जोकोविच का इस सत्र में प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है। उन्हें पिछले तीन टूर्नामेंट मियामी ओपन, मोंटे कार्लो मास्टर्स और मैड्रिड ओपन में हार का सामना करना पड़ा था। इस सीजन उनके जीत-हार का रिकॉर्ड 12-6 है। स्पेन में मातेओ आर्नाल्डी से हारने के बाद जोकोविच ने कहा था, यह 20 से ज्यादा वर्षों के पेशेवर टेनिस के अनुभव से बिलकुल अलग है। कोर्ट पर इस तरह की संवेदनाओं का सामना करना मेरे लिए मानसिक रूप से एक चुनौती है, अब नियमित रूप से टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो रहा हूं।

फ्रेंच ओपन पर नजरें

जोकोविच लंबे समय तक एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रहे हैं, लेकिन वह फिलहाल पांचवें स्थान पर हैं। उन्होंने पिछले साल पेरिस ओलंपिक में कार्लोस अल्कारेज को हराकर स्वर्ण पदक जीता था। जोकोविच लगातार यह कहते आए हैं कि वह बड़े टूर्नामेंटों में जीत दर्ज करना चाहते हैं और अगला बड़ा टूर्नामेंट पेरिस में 25 मई से शुरू होगा। जोकोविच घुटने में चोट के कारण पिछले साल रोलां गैरों में हिस्सा नहीं ले सके थे क्योंकि उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी।

निशानेबाजी विश्व कप के लिए भारतीय टीम में शामिल मनु भाकर और कुसाले, म्यूनिख में बिखेरेंगे चमक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने टीम की घोषणा की, जिसमें भाकर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में जगह बनाने वाली एकमात्र सदस्य हैं। पेरिस ओलंपिक के सितारे मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले को एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन पलक के साथ आठ जून से शुरू होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप के म्यूनिख चरण के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने टीम की घोषणा की, जिसमें भाकर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में जगह बनाने वाली एकमात्र सदस्य हैं। मालूम हो कि कुसाले और मनु ने पिछले साल ओलंपिक में पदक जीते थे। राष्ट्रीय टीम में पुरुष एयर राइफल में संदीप सिंह की वापसी हुई है। कुसाले और संदीप पेरिस खेलों में भाग लेने के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे। भारतीय राइफल और पिस्टल टीम हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो-चरण वाले संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप से लौटी है। टीम ने इसमें कुल छह स्वर्ण सहित 15 पदक जीते थे। भारतीय टीम अर्जेंटीना में दूसरे जबकि पेरू में तीसरे स्थान पर थी। उस टीम के कुल 13 सदस्य म्यूनिख जाने वाली टीम में भी हैं। इसमें महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) और 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिताओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

वैभव सूर्यवंशी और आयुष महात्रे आईपीएल 2025 के बाद जाएंगे इंग्लैंड दौरे पर

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी और 17 साल के आयुष महात्रे ने अब तक काफी प्रभावित किया है। वैभव राजस्थान रॉयल्स के लिए खेल रहे हैं जबकि वैभव चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। ये दोनों खिलाड़ी अभी वयस्क नहीं हैं, लेकिन उन्होंने साबित कर दिया है कि प्रतिभा को मौका मिले तब क्या कुछ हो सकता है। दोनों को भारतीय क्रिकेट के भविष्य के रूप में देखा जा रहा है।

इंग्लैंड दौरे पर जाएंगे वैभव-आयुष

वैभव ने तो गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में 35 गेंदों पर शतक लगाकर दुनिया की सबसे बेहतरीन टी20 लीग के मंच पर तूफान मचा दिया तो वहीं आयुष ने भी पिछले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की है। आयुष को सीएसके टीम में चोटिल नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की जगह टीम में जगह दी गई थी। आईपीएल 2025 में इन दोनों खिलाड़ियों का एक्शन क्रिकेट फैंस देख रहे हैं, लेकिन इसके बाद ये दोनों इंग्लैंड दौरे पर भारतीय अंडर-19 टीम के लिए खेलेंगे। भारतीय अंडर-19 टीम जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी जबकि सीनियर टीम 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए वहां जाएगी।

इंग्लैंड में खेली जाएगी टेस्ट और वनडे सीरीज

रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय जूनियर टीम इंग्लैंड अंडर-19 टीम के खिलाफ पांच वनडे और दो टेस्ट मैच खेलेगी और टीम जून के अंत में इंग्लैंड पहुंचेगी। सीनियर और अंडर-19 पुरुष टीमों के साथ-साथ भारतीय महिला क्रिकेट टीम और मिश्रित दिव्यांग टीम भी उस समय इंग्लैंड में होगी। भारतीय अंडर-19 टीम पिछले साल अंडर-19 एशिया कप के बाद पहल बार विदेशी दौरे पर जाएगी। अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में भारत को हार मिली थी। वैभव सूर्यवंशी और आयुष महात्रे दोनों ही अंडर-19 एशिया कप के लिए भारतीय अंडर-19 टीम का हिस्सा थे और पारी की शुरुआत करते थे। आयुष ने उस टूर्नामेंट के जरिए भारतीय अंडर-19 टीम के लिए डेब्यू किया था, हालांकि उन्होंने अब तक लाल गेंद के प्रारूप में नहीं खेला है। वहीं वैभव ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में डेब्यू किया था और जूनियर नेशनल टीम के लिए दो टेस्ट और तीन वनडे खेले हैं। इंग्लैंड के दौरे से भारतीय अंडर-19 टीम को 2026 अंडर-19 विश्व कप की तैयारी करने का मौका मिलेगा जो अगले साल की शुरुआत में जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा।

रानी चटर्जी ने खुद को दिया क्यूट गुंडी का टैग

भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेज की जब भी बात होती है, तो रानी चटर्जी का जिक्र जरूर शामिल होता है। वह अपनी एक्टिंग के साथ-साथ सोशल मीडिया पोस्ट्स को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं। वह अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ न कुछ पोस्ट करती रहती हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपना नया वर्कआउट वीडियो शेयर किया है। यह वीडियो अब इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने खुद को क्यूट गुंडी का टैग दिया है। बता दें कि रानी चटर्जी को भोजपुरी की लेडी सिंघम भी कहा जाता है। रानी ने अपने दम पर कामयाबी हासिल की है। उन्होंने साल 2003 में फिल्म ससुरा बड़ा पैसा वाला से करियर की शुरुआत की, जो सुपरहिट रही। इसके बाद उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया, जिसमें देवरा बड़ा सतावेला, रानी नंबर 786, घरवाली बाहरवाली, बंधन टूटे ना, चोर मचाए शोर जैसी फिल्में शामिल हैं। रानी ने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। वह रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रिएलिटी शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 10 में खतरनाक स्टंट करते हुए भी नजर आ चुकी हैं। वह एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम वेब सीरीज मस्तराम का भी हिस्सा रही हैं।

जूनियर एनटीआर के फैंस के लिए खुशखबरी

जूनियर एनटीआर औप प्रशांत नील एक अनाम फिल्म पर काम कर रहे हैं। आज इस फिल्म की रिलीज को लेकर सभी अटकलें खत्म हो गई हैं। जूनियर एनटीआर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा की है, जिससे एनटीआर के फैंस बेहद खुश और उत्साहित हैं। जूनियर एनटीआर ने मंगलवार को अपने एक्स हैंडल पर शेयर करते हुए लिखा, 25 जून 2026 को सिनेमाघरों में मिलते हैं...

फिल्म का अस्थाई नाम

आज तेलुगु सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और फिल्म निर्माता प्रशांत नील की बहुप्रतीक्षित फिल्म की रिलीज डेट तय कर दी गई है, लेकिन इसके नाम से पर्दा अभी तक नहीं उठाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का अस्थाई नाम एनटीआरनील तो कहीं पर ड्रैगन बताया जा रहा है। फिल्म का नाम जो भी हो, लेकिन यह फिल्म अब 25 जून 2026 को रिलीज होगी। इस फिल्म की घोषणा एनटीआर ने 29 अप्रैल को की थी। फिल्म का निर्माण माइथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स बैनर मिलकर करेंगे। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी।

फिल्म की शूटिंग और स्टार कास्ट

बहरहाल, फिल्म की शूटिंग मैंगलोर में तीन सप्ताह तक चलेगी। इसकी शूटिंग के लिए निर्माताओं ने एक विशाल सेट तैयार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में जूनियर एनटीआर बहुत ही साधारण लुक में नजर आएंगे। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ रुक्मिणी वसंत मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वैसे जानकारी के अनुसार, इस फिल्म में रुक्मिणी के अलावा एक और अभिनेत्री भी नजर आ सकती हैं।

'एसएसएमबी 29' में इस नए लुक में नजर आएंगे महेश बाबू

फैंस महेश बाबू की फिल्म 'एसएसएमबी 29' का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब महेश बाबू की नए लुक में तस्वीरें सामने आई हैं। जिन्हें देखकर फैंस और भी उत्साहित हो गए हैं। साउथ सुपरस्टार महेश बाबू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'एसएसएमबी 29' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं।

दर्शक इस फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच महेश बाबू की कुछ नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं। जिनमें महेश बाबू लंबे बालों में नजर आ रहे हैं। ये तस्वीरें 'एसएसएमबी' में महेश बाबू के लुक को लेकर लोगों में और भी उत्साह पैदा कर रही हैं। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद लोग फिल्म को लेकर और भी उत्साहित हो गए हैं।

11 साल बाद टीवी पर वापसी करने जा रहीं पद्मिनी कोल्हापुरी

➤ राजमाता के किरदार में आएंगी नजर

फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक फिल्म देने वाली बीते जमाने की मशहूर अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी 11 साल बाद छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। पद्मिनी चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान में राजमाता की भूमिका में नजर आएंगी। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के साथ अपने टीवी सफर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री ने उसी चैनल पर वापसी को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की। उन्होंने बताया कि राजमाता के रूप में उनकी भूमिका न केवल किरदार की गहराई के कारण खास है, बल्कि चुनौतियों से भी भरी है। वह राजमाता के ऐसे किरदार में दिखेंगी, जो शांत होने के साथ ही मजबूत भी है। टेलीविजन पर वापसी को लेकर उत्साहित पद्मिनी कोल्हापुरी ने कहा, चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान की दुनिया में कदम रखना मेरे लिए बेहद खास है, न केवल इसलिए कि मैं इसमें दमदार भूमिका निभा रही हूं, बल्कि इसलिए भी कि यह लगभग 11 वर्षों के बाद टेलीविजन पर मेरी वापसी है। टेलीविजन पर मेरा सफर सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के साथ शुरू हुआ था और अब, इतने सालों के बाद मैं उसी चैनल पर एक ऐसी भूमिका के साथ लौट रही हूं, जो चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक दोनों है। उन्होंने कहा, जब मुझे राजमाता की भूमिका के लिए ऑफर मिला तो मुझे इससे जुड़ाव महसूस हुआ।

ऐसी भूमिका मिलना दुर्लभ है, जिसमें इतनी गहराई हो। वह सिर्फ एक रानी या मां नहीं है, वह राज्य की आत्मा हैं। राजमाता की भूमिका निभाना उन सभी मजबूत महिलाओं को सम्मान देने जैसा है, जिन्होंने पर्दे के पीछे से शांति के साथ देश की मजबूती में अहम भूमिका निभाई। किरदार के बारे में अभिनेत्री ने बताया, पृथ्वीराज के साथ राजमाता का रिश्ता खूबसूरत है। वह उनकी मार्गदर्शक और सहारा हैं। इस तरह के मजबूत किरदार को स्क्रीन पर जीवंत करना सम्मान की बात है और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस किरदार के साथ उतनी ही गहराई से जुड़ेंगे, जितनी मैं जुड़ी हूं। 'चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान' ऐतिहासिक टीवी शो है, जो पृथ्वीराज चौहान की यात्रा को दिखाता है। टीवी शो में पद्मिनी कोल्हापुरी के साथ अनुजा साठे, रोनित रॉय और रूमी खान भी अहम भूमिकाओं में हैं।

मेलबर्न कॉन्सर्ट के आयोजकों ने नेहा कक्कड़ पर लगाया आरोप

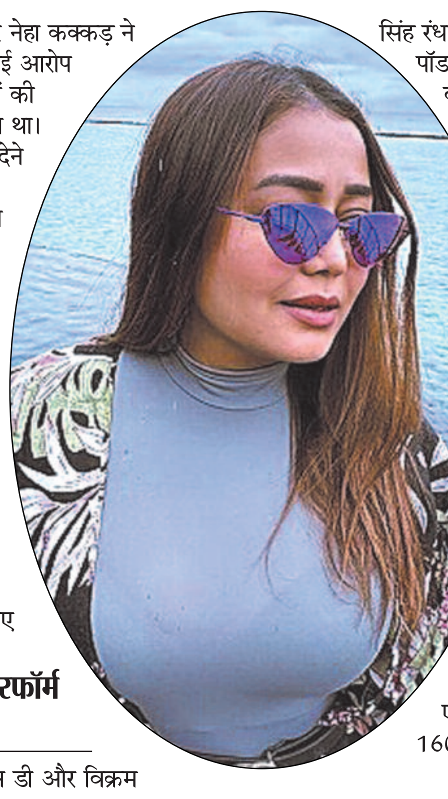

बीते दिनों बॉलीवुड सिंगर नेहा कक्कड़ ने मेलबर्न कॉन्सर्ट को लेकर कई आरोप लगाए थे, जिसका आयोजकों की तरफ से खंडन भी किया गया था। अब कुछ और आश्चर्य कर देने वाले सच सामने आए हैं। गायिका ने इवेंट के लिए रखा था ये शर्त। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न कॉन्सर्ट में देरी से पहुंचने पर फैंस ने गायिका नेहा कक्कड़ की खूब आलोचना की थी, जिसे लेकर सिंगर ने सफाई भी दी थी। अब इस मामले पर आयोजकों ने सभी बातों को निराधार बाताते हुए कहा कि उन्होंने दर्शकों को बढ़ाने की रखी थी शर्त। साथ ही बताया कि वो सब नेहा कक्कड़ का नाटक था। जानिए क्या हुआ खुलासा।

नेहा ने कहा कि मैं परफॉर्म नहीं करूंगी

हाल ही में इवेंट होस्ट पेस डी और विक्रम सिंह रंधावा, सिद्धार्थ कन्नन के पॉडकास्ट में पहुंचे और उन्होंने वहा नेहा कक्कड़ के मेलबर्न शो को लेकर बात की। होस्ट पेस डी ने बताया कि मेलबर्न कॉन्सर्ट के दौरान वो वहां थे और उन्होंने सब कुछ देखा। आगे पेस ने कहा कि उन्हें आयोजकों से पता चला कि नेहा कक्कड़ शो में देरी कर रही हैं, क्योंकि शो में सिर्फ 700 लोग ही थे। गायिका का कहना था कि जब तक ज्यादा दर्शक नहीं आ जाते वह परफॉर्म नहीं करेंगी। इस कारण भीड़ उन पर अपना गुस्सा प्रकट कर रही थी, क्योंकि उन सब ने एक टिकट के लिए लगभग 16000 रुपये खर्च किए थे।

साउंड को लेकर लगाए आरोप को बताया झूठा

आगे बातचीत में पेस डी ने बताया कि नेहा कक्कड़ का मेलबर्न कॉन्सर्ट बहुत बड़ा शो था। उन्होंने बताया, 'यह इतना बड़ा शो था कि पूरा टेक राइडर वहां मौजूद था। इससे पहले भी कई कार्यक्रम वहां हुए और सभी ने प्रदर्शन किया। कॉन्सर्ट का माइक और पूरा सेटअप बिल्कुल तैयार था, उसमें कोई कमी नहीं थी। इसलिए गायिका जो आरोप लगा रही हैं, वह सच नहीं लगता, क्योंकि हमने अपनी आंखों से देखा कि सब कुछ ठीक से सेट किया गया था।'

डांस एक ऐसी जगह

जहां रोल या स्क्रिप्ट की जरूरत नहीं होती: ऋत्विक धनजानी

इंटरनेशनल डांस डे के अवसर पर अभिनेता ऋत्विक धनजानी ने डांस के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि डांस उनके लिए एक ऐसी जगह की तरह है, जहां प्रोफेशनल होने की जरूरत नहीं है। डांस के मंच पर किसी किरदार को निभाने या किसी स्क्रिप्ट में फिट होने की जरूरत नहीं पड़ती है। उन्होंने बताया, मेरे लिए डांस काफी मायने रखता है, यह मेरी सच्चाई है। यह एक ऐसी जगह है, जहां मुझे कोई किरदार निभाने या किसी स्क्रिप्ट में फिट होने की जरूरत नहीं होती। इस मंच पर मैं अपना बेस्ट रूप पाता हूं। वास्तव में डांस जीवन की एक मजबूत कड़ी है, जिसके मैजिक को महसूस करने के लिए किसी को भी प्रोफेशनल होने की जरूरत नहीं है। इसे कोई भी महसूस कर सकता है। इंटरनेशनल डांस डे के अवसर पर ऋत्विक ने कहा, भले ही आप अपने कमरे में अकेले डांस करें, फिर भी यह वैसे ही मायने रखता है, जैसा कि भीड़ के सामने मंच पर करना। इससे वैसी ही एनर्जी और खुशी मिलती है। तो ज्यादा न सोचिए। सही पल का इंतजार मत कीजिए और खुलकर डांस कीजिए। मैं चाहता हूं कि लोग डांस की भावना को महसूस करें।

इंटरनेशनल डांस डे

संदीपा ने अपनी प्रेरणा माधुरी को किया सलाम

इंटरनेशनल डांस डे के अवसर पर अभिनेत्री संदीपा धर ने डांस के प्रति अपने प्रेम को व्यक्त किया। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अभिनेत्री माधुरी दीक्षित उनकी प्रेरणा हैं और उन्होंने ही डांस के मैजिक से उन्हें सबसे पहली बार रूबरू कराया। संदीपा डांस की दिवानी हैं और उनका मानना है कि डांस खुशी पाने का एक सरल सा साधन है। संदीपा ने बताया, नृत्य में एक ऐसी सच्चाई होती है, जिसे शब्द कभी पूरी तरह बयां नहीं कर सकते। नृत्य मेरे लिए दशकों से सिर्फ एक कला नहीं, बल्कि एक साधना की तरह रहा है, यह दुनिया की खूबसूरती को महसूस करने का एक जरिया है। बचपन में संदीपा, माधुरी दीक्षित की खूबसूरती और उनकी भावनाओं से भरी प्रस्तुति को देखकर आकर्षित हुईं और उन्हें डांस की खूबसूरती और ताकत का अहसास हुआ। अपनी भावना व्यक्त करते हुए संदीपा ने कहा, माधुरी मैम को डांस करते देखना किसी जीवंत कविता को देखने जैसा है। वह सिर्फ स्टेप्स नहीं करतीं, बल्कि कहानियां सुनाती थीं, दिलों को छूती थीं। उन्होंने मुझे सिखाया कि डांस सिर्फ तकनीक नहीं, बल्कि सच्चाई, आत्मा और ईमानदारी से जुड़ा होता है। संदीपा के लिए डांस आज भी जीवन के हर पड़ाव में खुद से जुड़ने का सबसे सच्चा माध्यम है।

साभार एजेंसी